●वर्ष : 16 ●अंक : 241 ●मूल्य : 02 रूपया मात्र पृष्ठ : 08 RNI No. DELHIN/2008/23928

दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का स्तंभ

दिल्ली से प्रकाशित

मगंलवार 24 दिसम्बर 2024

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEUTICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

समाचार

दिल्ली में रहने वाले बिहारियों के लिए अच्छी खबर, राज्य सरकार ने किया ये बड़ा आयोजन

नई दिल्ली। भू-सम्पदा (विनियमन एवं विकार) अधिनियम, 2016 के प्रावधान के अनुसार, भू-सम्पदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा), बिहार अपनी स्थापना के बाद से बिहार में जागरूकता सृजन कार्य कर रहा है और अब अपने रेरा बिहार से रूबरू कार्यक्रम के तहत राज्य के बाहर भी जागरूकता सृजन कार्य किया जा रहा है, विशेष रूप से उन स्थानों पर जहां बिहार के लोग बड़ी संख्या में रहते हैं। रेरा बिहार से रूबरू श्रंखला की शुरूआत आज दिल्ली से हुई, जहां बिहार के रहने वाले घर खरीदार एवं प्रमोटर दोनों ही बड़ी संख्या में रहते हैं। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण (रेरा), बिहार के अध्यक्ष विवेक कुमार सिंह ने कहा कि बिहार में किसी रियल एस्टेट प्रोजेक्ट में फ्लैट या प्लॉट खरीदने की योजना बना रहे घर खरीदने वालों से कोई भी निर्णय लेने से पहले विवरण की जांच करने का आग्रह किया। सिंह ने आज यहां रेरा बिहार द्वारा आयोजित एक जागरूकता कार्यक्रम में बोलते हुए कहा, आठ से अधिक फ्लैट या 500 वर्ग मीटर से अधिक भूमि क्षेत्र वाले किसी भी रियल एस्टेट प्रोजेक्ट को प्राधिकरण के साथ निबंधित होना चाहिए। घर खरीदने वाले रेरा बिहार की वेबसाइट पर निबंधित परियोजना का विवरण देख सकते हैं। उन्होंने कहा, इलाज से बचाव बेहतर है और इसलिए मैं घर खरीदने वालों से किसी भी प्रोजेक्ट में निवेश करने से पहले सावधानी बरतने का आग्रह करता हूं। इस अवसर पर रेरा बिहार के 2025 के कैलेंडर का भी विमोचन किया गया। इस अवसर पर रेरा बिहार के पूर्व अध्यक्ष नवीन वर्मा और बिहार के स्थानिक आयुक्त कुंदन कुमार ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।अपने विचार साझा करते हुए वर्मा ने कहा कि पिछले नौ महीनों में रेरा बिहार में किए गए सकारात्मक बदलाव विशेष प्रशंसा के पात्र हैं। उन्होंने यह भी बताया कि रेरा बिहार में दायर अधिकांश शिकायत मामले अधिनियम लागो होने के पूर्व की परियोजनाओं के हैं । स्थानिक आयुक्त ने इस अवसर पर प्रतिभागियों को संबोधित किया और कार्यक्रम के आयोजन के लिए रेरा बिहार को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि रेरा बिहार द्वारा शुरू की गई प्रमोटरों और परियोजनाओं की रैंकिंग प्रणाली प्रमोटरों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा शुरू करने में मदद करेगी और यह अंततः घर खरीदने वालों के लिए फायदेमंद होगी जो घर खरीदने के लिए अपनी मेहनत की कमाई का निवेश करते हैं। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में प्रमोटरों और घर खरीदने वालों ने भाग लिया, खासकर उन लोगों ने जो बिहार से हैं।

आंबेडकर विवाद के सहारे आगे बढ़ेगी कांग्रेस की चुनावी तैयारी

नूना न्यूज एजेंसी।

दिल्ली। में वापसी की संभावनाएं तलाश रही कांग्रेस पार्टी को आंबेडकर विवाद में अपना फायदा दिखाई दे रहा है। पार्टी का मानना है कि यदि आंबेडकर विवाद पर आम आदमी पार्टी और भाजपा को घेरा जा सके तो दलित समुदाय का मतदाता उसके साथ आ सकता है। यदि ऐसा होता है तो पार्टी को दिल्ली की 37 सीटों पर फायदा हो सकता है। ऐसे में दिल्ली विधानसभा की कई सीटें जीत में तब्दील की जा सकती हैं। दरअसल, यह माना जा रहा है कि दिल्ली का लगभग 15 फीसदी मुसलमान मतदाता कांग्रेस के पक्ष में है। इससे कांग्रेस लगभग आठ सीटों पर जीत हासिल कर

सकती है। लेकिन इससे आगे बढ़ने के लिए उसे कम से कम दलित मतदाताओं का साथ चाहिए जो दिल्ली में लगभग 17 फीसदी की संख्या में रहते हैं। यदि दलित और मुसलमान मतदाता एक साथ एकजुट होकर कांग्रेस के पक्ष में मतदान करते हैं तो कांग्रेस दिल्ली में अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षित 12 सीटों के साथ-साथ 25 अन्य सीटों पर भी बढ़त हासिल कर सकती है। पार्टी इसके लिए रणनीति तैयार करने में जुट गई है। इस मुद्दे पर काम कर रहे कांग्रेस के एक नेता ने अमर उजाला को बताया कि इसके लिए आवश्यक तैयारियां कर ली गई हैं। लेकिन सोमवार शाम को पार्टी के कुछ शीर्ष नेताओं के साथ बैठक कर पूरी रणनीति तैयार की जाएगी। केंद्रीय नेतृत्व से रणनीति को हरी झंडी मिलने के बाद इसे अमलीजामा पहनाया जाएगा।

››› क्या कर सकती है पार्टी

दलित मतदाताओं को अपने साथ लाने के लिए पार्टी दिल्ली के विधानसभा क्षेत्रों में आंबेडकर रैलियां निकालकर लोगों को अपने साथ जोड़ने की कोशिश कर सकती है। पार्टी ने इस मामले में अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष का भी बखूबी इस्तेमाल करने पर विचार कर रही है। पार्टी एक रणनीति के साथ मल्लिकार्जुन खरगे को दिल्ली की विभिन्न सीटों पर चुनाव प्रचार के लिए उपयोग करेगी। पार्टी का मानना है कि जिस तरह से लोकसभा चुनाव में मल्लिकार्जुन खरगे उसके लिए काफी उपयोगी साबित हुए थे, उसी तरह दिल्ली विधानसभा चुनाव में भी वे पार्टी के पक्ष में दलित मतदाताओं को आकर्षित करने में मदद कर सकते हैं। यदि ऐसा होता है तो कांग्रेस की चुनावी रणनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है।

बम धमाकों की धमकी से कैसे निपटें?

दिल्ली के स्कूलों के शिक्षकों को प्रशिक्षित करेगी पुलिस

नूना न्यूज एजेंसी।

दिल्ली। स्कूलों में बार-बार फैल रही बम धमकियों की अफवाह के जवाब में दिल्ली पुलिस ने शिक्षकों और स्कूल स्टाफ को संकट प्रबंधन में प्रशिक्षित करने की योजना की घोषणा की है। एक अधिकारी के अनुसार, सरकारी और निजी दोनों स्कूलों के शिक्षकों को लक्षित करते हुए शिक्षा विभाग के सहयोग से एक सेमिनार आयोजित किया जाएगा। अधिकारी ने कहा, इस पहल का उद्देश्य शिक्षकों को ऐसे खतरों से प्रभावी ढंग से निपटने और छात्रों और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कौशल से लैस करना है। पुलिस उपायुक्त (शाहदरा) प्रशांत गौतम ने कहा कि हम स्कूलों में बम की धमकी के दौरान शांत रहना, प्रतिक्रिया करना और पुलिस के साथ समन्वय करना सिखाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण सत्र साइबर अपराधों के बारे में भी जागरूकता फैलाएगा। पिछले 10 दिनों में दिल्ली के कई स्कूलों को बम की झूठी धमकी मिली है। धमकियों ने कक्षाओं को बाधित कर दिया और बहु-एजेंसी खोज अभियान शुरू कर दिया। दिल्ली पुलिस ने कहा कि हाल ही में बम की धमकी वाले ईमेल से प्रभावित तीन स्कूल अपने ही छात्रों के शिकार बन गए। जिन कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली उनमें से एक वेंकटेश्वर ग्लोबल स्कूल भी था, जिसे 28 नवंबर को रोहिणी प्रशांत विहार पीवीआर मल्टीप्लेक्स में रहस्यमय विस्फोट होने के एक दिन बाद एक धमकी भरा ईमेल मिला था।

ज्वलंत मुद्दा

सम्पादकीय

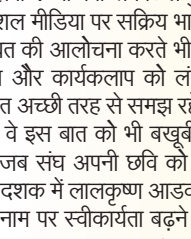

आरएसएस की धर्मनिरपेक्ष छवि बनाने के मिशन में जुटे हैं भागवत

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुखिया जिन्हें आमतौर पर सरसंघचालक के रूप में संबोधित किया जाता है,मोहन भागवत क्या धर्मनिरपेक्षता के फेर में फंस गए हैं ? क्या आरएसएस के मुखिया संघ की धर्मनिरपेक्ष छवि बनाने के मिशन में जुटे हुए हैं ? यह सवाल इसलिए खड़े हो रहे हैं क्योंकि मोहन भागवत लगातार और बार-बार मंदिर-मस्जिद को लेकर बयान दे रहे हैं। राम मंदिर आंदोलन को पूरी तरह से समर्थन देने वाला वो संगठन (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) जिसने अयोध्या में राम मंदिर के आंदोलन को घर घर का आंदोलन बनाने के लिए अपने अनुषांगिक संगठन विश्व हिंदू परिषद को पूरी ताकत से मैदान में उतार दिया था और अपने राजनीतिक संगठन भारतीय जनता पार्टी को इसे देश की राजनीति का सबसे बड़ा मुद्दा बनाने में भरपूर मदद की थी। उसी संघ के मुखिया, सरसंघचालक मोहन भागवत आज कह रहे हैं कि हर मस्जिद के नीचे मंदिर को तलाशने की मुहिम बंद होनी चाहिए। कुछ नेता मंदिर-मस्जिद का मसला उठा कर हिंदुओं का बड़ा नेता बनना चाहते हैं। संघ प्रमुख के इस तरह के कई बयान पिछले कुछ महीनों से लगातार सुर्खियां बनते नजर आ रहे हैं। यही वजह है कि अब यह सवाल उठने लगा है कि क्या मोहन भागवत संघ की छवि धर्मनिरपेक्ष बनाने के अभियान में जुटे हुए हैं ? क्या संघ प्रमुख यानी सरसंघचालक का पद छोड़ने से पहले मोहन भागवत संघ को एक ऐसी संस्था का स्वरूप देना चाहते हैं, जिसे हिंदुओं के साथ-साथ भारत में रहने वाला हर मुसलमान और ईसाई भी अपना संगठन माने ? कुछ लोगों के लिए मोहन भागवत का यह स्टैंड जरूर अनोखा और नया होगा ? भाजपा से पिछले कुछ वर्षों के दौरान जुड़े नए लोग खासतौर से सोशल मीडिया पर सक्रिय भाजपा के नए कैडर के लोग इसे लेकर मोहन भागवत की आलोचना करते भी नजर आने लगे हैं। हालांकि संघ की राजनीति और कार्यकलाप को लंबे समय से देखने वाले समझदार विश्लेषक यह बात अच्छी तरह से समझ रहे हैं कि संघ के अंदर आखिर चल क्या रहा है ? वे इस बात को भी बखूबी समझ रहे हैं कि यह कोई पहला मौका नहीं है,जब संघ अपनी छवि को बदलने का प्रयास कर रहा है। दरअसल, 90 के दशक में लालकृष्ण आडवाणी के पीछे होने और अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर स्वीकार्यता बढ़ने के साथ ही संघ के अंदर के एक बड़े खेमे को यह समझ आ गया था।

SYED ZAKI HAIDER

(EDITOR / PUBLISHER CUM MANAGING DIRECTOR
OF NAI UMMEED NEWS AGENCY
MOBILE NO. 9911371802
EMAIL SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

अंबेडकर को लेकर नहीं थम रहा सियासी संग्राम

रवि शंकर प्रसाद बोले- नाटक कर रही है कांग्रेस

नूना न्यूज एजेंसी।

नई दिल्ली। संसद का शीतकालीन सत्र खत्म हो चुका है लेकिन बाबा साहेब अंबेडकर को लेकर शुरू हुआ विवाद अभी तक थम नाम रहा है। कांग्रेस समेत पूरा विपक्ष भाजपा पर गंभीर आरोप लगा रहा है। वहीं भाजपा की ओर से पलटवार भी किया जा रहा है। इन सबके बीत पूर्व केंद्रीय मंत्री रवि शंकर प्रसाद ने भी विपक्ष पर तगड़ा पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि आज कांग्रेस पार्टी देशभर में कुछ नाटक कर रही है। अंबेडकर जी के प्रति बहुत प्यार उमड़ गया है। प्रेस वार्ता कर रहे हैं। रवि शंकर प्रसाद ने कहा कि जिस कांग्रेस पार्टी ने देश के महान सपूत डॉ भीमराव अंबेडकर का हमेशा अपमान किया। जिनको संविधान सभा का सदस्य नहीं बनने दिया। उन्होंने कहा कि जिस कांग्रेस पार्टी ने डॉ भीमराव अंबेडकर को 1952 लोकसभा चुनाव में हरवाया फिर 1954 के उप-चुनाव में हरवाया। जिस कांग्रेस पार्टी ने डॉ भीमराव अंबेडकर को मजबूर किया कि वो देश के कानून मंत्री पद से इस्तीफा दें। जिस कांग्रेस ने डॉ भीमराव अंबेडकर को भारत रत्न भी नहीं दिया। उन्हें 1989 में भारत रत्न देने का काम भाजपा समर्थित सरकार ने किया। वह कांग्रेस पार्टी आज उनके नाम पर प्रेस वार्ता कर रही है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि कांग्रेस पार्टी, ये पाखंड बंद करो। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी का हाल ही में डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रशंसा करना एक खोखले नाटक के

अलावा और कुछ नहीं है। कांग्रेस के पिछले कार्य उनके वर्तमान रुख के बिल्कुल विपरीत हैं। पार्टी ने उन्हें संविधान सभा से बाहर कर दिया, चुनावों में हराया और उन पर कानून मंत्री के पद से इस्तीफा देने का दबाव डाला। उन्होंने कहा कि इतना ही नहीं, उन्हें भारत रत्न पुरस्कार से भी वंचित कर दिया गया, जो बाद में भाजपा सरकार ने उन्हें प्रदान किया था। हैरानी की बात यह है कि कांग्रेस पार्टी अब राजनीतिक उद्देश्यों के लिए उनकी विरासत का इस्तेमाल कर रही है। भाजपा नेता ने कहा कि राहुल गांधी के करीबी एक शीर्ष कांग्रेस नेता ने राहुल गांधी के खिलाफ हाल ही में हुए शारीरिक हमले के मामले पर कहा है कि "डॉ. अंबेडकर की विरासत का सम्मान करने की हमारी लड़ाई में यह सम्मान का बिल्ला है"! अजीब! यह कैसा झूठ का जाल है! कांग्रेस धोखेबाज और नाटकीय नेताओं की पार्टी के अलावा कुछ नहीं है।

अन्नदाताओं की खुशहाली से ही विकसित भारत 2047 का संकल्प होगा पूरा

जेवर। आज दोपहर में जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने लखनऊ से जैसे ही ग्रेटर नोएडा में कदम रखा, वहां पहले से ही मौजूद जनपद गौतमबुद्धनगर के विभिन्न ग्रामों के हजारों किसानों ने जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह का जोरदार स्वागत करते हुए उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी का मुआवजा वृद्धि को लेकर आभार व्यक्त किया। विगत 20 दिसंबर 2024 को नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के अंतिम चरण के प्रभावित ग्रामों के तकरीबन 500 किसानों ने जेवर के विधायक धीरेंद्र सिंह के नेतृत्व में लखनऊ में माननीय मुख्यमंत्री जी से मुलाकात की थी, जहां माननीय मुख्यमंत्री जी ने नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के किसानों से संवाद के समय क्षेत्र के किसानों का?1200 प्रति वर्ग मीटर मुआवजा में बढ़ोतरी की गई थी, जिसे लेकर क्षेत्र के किसानों में खुशी की लहर दौड़ गई थी। उसी को लेकर क्षेत्र के किसानों ने आज दिनांक 22 दिसंबर 2024 को लखनऊ से ग्रेटर नोएडा में कदम रखते ही जेवर के विधायक धीरेंद्र सिंह का ग्रेटर नोएडा के जीरो पॉइंट, गलगोटिया यूनिवर्सिटी, दनकौर के पास चपरगढ़, मिजार्पुर, फलेदा कट और रबूपुरा में जोरदार स्वागत किया। जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह के साथ सैकड़ो ट्रैक्टर और गाड़ियों का काफिला ग्रेटर नोएडा से चलकर रबूपुरा आकर रुका। जेवर के विधायक धीरेंद्र सिंह ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि अन्नदाता किसान के जीवन को खुशहाल बनाना हमारी प्राथमिकता है माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने क्षेत्र के किसानों की कृषि भूमि में 1200 प्रति वर्ग मीटर का मुआवजा वृद्धि कर।

गलतफहमी पैदा करना सही नहीं... छगन

भुजबल को लेकर अजित पवार ने तोड़ी चुप्पी

नूना न्यूज एजेंसी।

महाराष्ट्र। राकांपा नेता छगन भुजबल को लेकर लगातार अटकलों का दौर जारी है। बताया जा रहा है कि नई महाराष्ट्र सरकार में मंत्री पद नहीं मिलने से नाराज हैं। हालांकि, पूरे मामले को लेकर पार्टी प्रमुख अजित पवार ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। पवार ने कहा कि कभी-कभी नए लोगों को मौका देना पड़ता है। इसके साथ ही उन्होंने भुजबल का नाम लिए बिना कहा कि गलतफहमी पैदा करना... सही नहीं है। वह एक ऐसे समाधान का संकेत भी दे रहे थे जो भुजबल को संतुष्ट कर सकता है - जो पिछले साल राकांपा संस्थापक शरद पवार के खिलाफ विद्रोह में उनके साथ आने वाले 40 से अधिक विधायकों में से एक थे। अजित पवार ने संकेत देते हुए कहा कि 77 वर्षीय ओबीसी नेता को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंत्रिमंडल में कोई पद दिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हमने केंद्र में अधिक उम्र के लोगों को मौका देने के बारे में भी सोचा है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग इसलिए गुस्सा जाहिर कर

रहे हैं क्योंकि उन्हें कैबिनेट में नहीं लिया गया। लेकिन कभी-कभी नए लोगों को मौका देना पड़ता है। बेवजह गलतफहमी पैदा करना ठीक नहीं है। अजित पवार ने कहा कि हमने यह भी सोचा है कि हम (वरिष्ठ) लोगों को (राज्य सरकार में) एक और मौका देने के बजाय केंद्र में कैसे मौका दे सकते हैं। अजित पवार कभी भी दूसरों का अनादर नहीं करेंगे। लेकिन कभी-कभी बेवजह गलतफहमी पैदा करना ठीक नहीं है। अजित पवार की राकांपा राज्य (सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के हिस्से के रूप में) और संघीय (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के हिस्से के रूप में) स्तर पर मोदी की भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार का हिस्सा है। अपने 41 विधायकों के समर्थन के बदले में पार्टी को अब तक नौ मंत्री पद दिए गए हैं। महाराष्ट्र की नई महायुति सरकार में शामिल नहीं किए जाने से नाराज चल रहे राकांपा के वरिष्ठ नेता छगन भुजबल ने सोमवार को यहां मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस से मुलाकात की। बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए भुजबल ने कहा कि उन्होंने राज्य में मौजूदा राजनीतिक और सामाजिक माहौल पर सीएम के साथ विस्तृत चर्चा की। मुंबई में फडनवीस के 'सागर' बंगले पर लगभग 30 मिनट की बैठक के दौरान पूर्व राज्य मंत्री के साथ उनके भतीजे समीर भुजबल भी थे।

भारतीय सिनेमा के महान डायरेक्टर श्याम बेनेगल का निधन

90 की उम्र में ली अंतिम सांस

नूना न्यूज एजेंसी।

नई दिल्ली। फिल्मी दुनिया से एक दुखद खबर सामने आई है। दिग्गज फिल्म निमार्ता और निर्देशक श्याम बेनेगल का 90 साल की उम्र में निधन हो गया है। हाल ही मे उन्होंने अपना बर्थडे बनाया था। हालांकि, अब इस दिग्गज निमार्ता और निर्देशक ने दुनिया को अलविदा कह दिया है। वह लंबे समय से किडनी संबंधित बीमारी का सामना कर रहे थे। भारत सरकार ने बेनेगल को उनके बेहतरीन काम के लिए

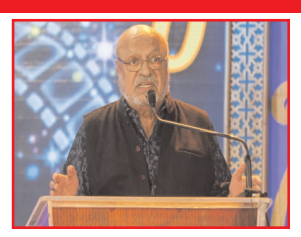

सम्मानित किया था। साल 1976 में उन्हें पद्म श्री और 1991 में पद्म भूषण से नवाजा गया था। उनकी सफल फिल्मों का जिक्र होता है तो सबसे पहले मंथन, जुबैदा और सरदारी बेगम जैसी मूवीज का नाम याद आता है।

श्याम बेनेगल के जाने से फिल्म इंडस्ट्री को जो क्षति हुई है, उसका अंदाजा भी नहीं लगाया जा सकता है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने 23 दिसंबर को शाम 6 बजकर 30 मिनट पर अंतिम सांस ली। बता दें कि उन्होंने हाल ही में अपना 90वां जन्मदिन सेलिब्रेट किया था। उनके बर्थडे के जश्न की तस्वीर बॉलीवुड एक्ट्रेस शबाना ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की थी, जो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुई थी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बोलीं- अंगदान को लेकर लोगों में झिझक, डॉक्टर बढ़ा सकते हैं

नूना न्यूज एजेंसी।

दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को कहा कि लोगों में अंगदान को लेकर झिझक पाई जाती है और इस नेक काम के प्रति जागरूकता बढ़ाने में डॉक्टर महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि अंग प्रत्यारोपण के लिए इंतजार कर रहे लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है। राष्ट्रपति दिल्ली के वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल के छठे दीक्षांत समारोह

में बोल रही थीं। मुर्मू ने कहा, अंग प्रत्यारोपण की समस्या को हल करने के लिए मृतकों के परिवारों से अंगदान और कृत्रिम अंगों का विकास जरूरी है। उन्होंने यह भी बताया कि अंगदान को लेकर लोगों में एक प्रकार की झिझक रहती है और इस झिझक को दूर करने में डॉक्टर मदद कर सकते हैं। डॉक्टरों का यह कर्वत्य है कि वे लोगों को अंगदान के महत्व और इसके नेक मकसद के बारे में जागरूक करें।

>> अंगदान को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय संगठन की स्थापना

राष्ट्रपति ने कहा कि अंगदान को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (एनओटीटीओ) की स्थापना की गई है। उन्होंने यह भी कहा कि मेडिकल क्षेत्र में तकनीकी विकास के कारण इंजीनियरिंग और मेडिकल संस्थानों के बीच सहयोग बहुत महत्वपूर्ण हो गया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), एमआरएनए तकनीकी, रोबोटिक्स और अन्य तकनीकों का इस्तेमाल चिकित्सा विज्ञान में बड़ा बदलाव लाने वाला है।

>> भारत में पहली सीएआर-टी सेल थेरेपी

उन्होंने यह भी बताया कि हाल ही में देश की पहली सीएआर-टी सेल थेरेपी का शुभारंभ हुआ है, जिसे भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) बॉम्बे और टाटा मेमोरियल अस्पताल (टीएमएच) के सहयोग से विकसित किया गया है।

>> अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा दें: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

मुर्मू ने वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल से आग्रह किया कि वे प्रमुख इंजीनियरिंग और तकनीकी संस्थानों के साथ मिलकर अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा दें। उन्होंने कहा, अंतर विभागीय ज्ञान सभी के लिए फायदेमंद होता है।

भारत विकास परिषद् का फगवाड़ा मे 28 - 29 दिसंबर को आयोजन किया जाएगा

संवाददाता

नई दिल्ली। 23 दिसंबर 24 राष्ट्र की सेवा के लिए "स्वस्थ समर्थ संस्कारित भारत" की परिकल्पना को साकार करते हुए पिछले 62 वर्षों से देश का अग्रणी संगठन "भारत विकास परिषद्" अपना 31वां राष्ट्रीय अधिवेशन आगामी 28 एवं 29 दिसंबर को लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटीफगवाड़ा पंजाब में मनाने जा रहा है। इस राष्ट्रीय अधिवेशन में परिषद् के देशभर से हजारों की संख्या में कार्यकताओं का आना होगा और देश मे परिषद् के 10 क्षेत्रों की गत 2 वर्षों के कार्यों की समीक्षा एवं भविष्य की दिशा तय होगी। राष्ट्रीय अधिवेशन में परिषद् के शीर्ष नेतृत्व आगामी वर्षों के लिए देश के विकास से संबंधित नए आयामों एवं समाज परिवर्तन के पंचसूत्र जैसे पर्यावरण,नागरिक कर्तव्य, सामाजिक समरसता, स्वदेशी, महिला सशक्तिकरण व उत्थान एवं कुटुंब प्रबोधन को परिषद् की वर्तमान कार्यपद्धति में समाहित करने जैसे विषयों पर मार्गदर्शन भी दिया जाएगा। कार्यक्रम के संदर्भ में भारत विकास परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व न्यायमूर्ति उच्चतम न्यायालय आदर्श कुमार गोयल ने बताया कि भारत विकास परिषद देश भर में संस्कार और सेवा कार्यों में जुटी है। वर्तमान समय में समाज और परिवारों में संस्कार की जरूरत सबसे अधिक है। हमें आज संस्कार और सेवा पर ध्यान देते हुए अपने लक्ष्य को प्राप्त करने कीआवश्यकता है।उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि समाज से गरीबी उन्मूलन करते हुए वंचित लोगों को आत्मनिर्भर बनाना, पारिवारिक तनाव कम करना, बच्चों में अनुशासन व देश भक्ति की भावना जैसे संस्कार देने में महिलाओं का विशेष योगदान है।भारत विकास परिषद् के राष्ट्रीय संगठन मंत्री सुरेश जैन ने अधिवेशन के बतायाकि देश में सामाजिक समरस्ता को बढ़ावा देने,चिकित्सा सुविधाएं निर्धन तक पहुंचाने, शिक्षा के ज्ञान का उजियारा घर-घर तक पहुंचाने,मलिन बस्तियों में रहने वाली मां-बहनों को एनिमियां एवं कुपोषण से कैसे बचाएं, राष्ट्र निर्माण में संस्था की भूमिका क्या हो, जैसे विषयों पर दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन का आयोजन होगा। इस अधिवेशन में देशभर से आये साढ़े 3 हजार से ज्यादा लोग अपना विचार रखेंगे। अधिवेशन में जो विचार उभरकर सामने आएंगे उसपर चिंतन मनन कर देशभर में लागू किया जाएगा।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे ने महान फिल्म निमार्ता श्याम बेनेगल के निधन पर शोक जताया

दिल्ली। हम महान फिल्म निमार्ता श्याम बेनेगल के निधन से बहुत दुखी हैं, जो भारतीय सिनेमा में एक महान हस्ती थे और समानांतर सिनेमा आंदोलन के सच्चे अग्रदूत थे। कला के क्षेत्र में उनके जबरदस्त योगदान, विचारोत्तेजक कहानी कहने और सामाजिक मुद्दों के प्रति गहरी प्रतिबद्धता ने एक अमिट छाप छोड़ी है। पंडित नेहरू की द डिस्कवरी ऑफ इंडिया पर आधारित भारत, एक खोज और संविधान सभा की बहसों पर आधारित श्रृंखला संविधान जैसी उनकी कृतियाँ युवा दर्शकों के लिए एक मूल्यवान संदर्भ बिंदु हैं। प्रतिष्ठित पद्म भूषण और दादा साहब फाल्के पुरस्कार के साथ-साथ 18 राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों से सम्मानित, उनकी विरासत फिल्म निमार्ताओं की पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। उनके परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों के प्रति हमारी हार्दिक संवेदनाएँ।

जानकारी देते गणमान्य।

अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी पर भव्य कार्यक्रम अटल जन्म शताब्दी काव्यांजलि का आयोजन

प्रवासी भारतीयों का सम्मान : सनातन संस्कृति के प्रचार-प्रसार में योगदान

मुख्यातिथि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला हों

नई दिल्ली, दिसम्बर : खुशहाली फाऊंडेशन द्वारा अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में 25 दिसंबर को दिल्ली के भारत मंडपम में अटल जन्म शताब्दी काव्यांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर एक विराट कवि सम्मेलन और डॉ. भीमसेन सिंह की पुस्तक सनातन संघ और संस्कृति और अटल भारत के अटल महापुरुष का विमोचन होगा। कार्यक्रम की जानकारी दिल्ली के कांस्टीच्यूशन क्लब में आयोजित प्रैस वार्ता में दी गई। इसे खुशहाली फाऊंडेशन के संरक्षक डा. भीमसेन सिंह, अध्यक्ष सोनू सिंह, संयोजक कवि गजेंद्र सोलंकी और दुबई से आए प्रवासी भारतीय आर.के. महतो ने संबोधित किया। मुख्यातिथि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला होंगे। साथ ही गीतामनीषी ज्ञानानंद जी महाराज, स्वामी चिदानंद जी महाराज और उत्तर प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में प्रसिद्ध कवि जैसे पद्मश्री सुरेंद्र शर्मा, वसीम बरेलवी, प्रो. अशोक चक्रधर और डॉ. हरिओम पंवार अपनी प्रस्तुति देंगे। डा. भीमसेन सिंह ने अटल जी के योगदान को याद करते हुए कहा कि यह आयोजन कविता और साहित्य के माध्यम से उनके आदर्शों को सशक्त करेगा। खुशहाली फाऊंडेशन ने कुंभ मेले के लिए दिल्ली से मीडिया बंधुओं के लिए यातायात व्यवस्था की घोषणा की।

दिल्ली की बिगड़ी स्थिति पर कांग्रेस ने केजरीवाल और भाजपा पर उठाए सवाल

उपराज्यपाल की सक्रियता को राजनीतिक पक्षपाती बताया

नई दिल्ली, दिसम्बर : दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने दिल्ली की बदहाल स्थिति पर बयान दिया और कहा कि कांग्रेस पार्टी पिछले 8-10 वर्षों से दिल्ली के गंदगी, अव्यवस्थित बिजली-पानी सप्लाई, उफनते सीवर और झुग्गी बस्तियों के खराब हालात को उजागर करती रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि अरविन्द केजरीवाल की सरकार और दिल्ली के उपराज्यपाल श्री विनय कुमार की हालिया सक्रियता राजनीतिक पक्षपाती हो सकती है, क्योंकि दिल्ली के बिगड़े हालात के लिए भाजपा भी जिम्मेदार है। देवेन्द्र यादव ने कहा कि दिल्ली न्याय यात्रा के दौरान उन्होंने 70 विधानसभाओं में 650 किलोमीटर से अधिक यात्रा की और जनता की परेशानियों को नजदीक से महसूस किया। केजरीवाल ने मुफ्त पानी और सस्ती बिजली के वादे किए थे, लेकिन इसके बजाय गंदा पानी, महंगी बिजली और टूटी सड़कों का सामना करना पड़ा।

उन्होंने आरोप लगाया कि 7-8 घंटे की बिजली कटौती और भारी बिजली बिलों से पूरी दिल्ली परेशान है। उन्होंने दिल्ली में बढ़ते अपराध, महिलाओं के खिलाफ अत्याचार और रेहड़ी-पटरी वालों की स्थिति पर भी चिंता जताई। कांग्रेस पार्टी ने हमेशा गरीबों के उत्थान और उनके विकास के लिए संघर्ष किया है और इस यात्रा के दौरान विभिन्न वर्गों के लोगों की समस्याओं को समझा। देवेन्द्र यादव ने कहा कि अरविन्द केजरीवाल ने दिल्ली को लंदन और पेरिस बनाने का दावा किया था, लेकिन यह वादा अभी तक पूरा नहीं हुआ। उन्होंने दिल्ली की पिछली कांग्रेस सरकार की तारीफ की, जिसने शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन और पर्यावरण जैसे क्षेत्रों में दिल्ली को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया था।

दिल्ली पुलिस जवानों के लिए सर्दी से बचाव की अनूठी पहल, सर्दी में तैनात पुलिस जवानों के प्रति सम्मान प्रकट

पुलिस थानों में सेवा अभियान चलाते कार्यकर्त्ता।

नई दिल्ली, दिसम्बर : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सम्मान में इंद्रप्रस्थ संजीवनी एनजीओ ने मुझमें भी है मोदी, मैं हूं मोदी अभियान के तहत दिल्ली के 100 से अधिक पुलिस थानों में सेवा अभियान चलाया। सर्दी से बचाव के लिए पुलिसकर्मियों को गर्म टोपियां वितरित की गईं। संस्था के अध्यक्ष डॉ. संजीव अरोड़ा गंगापुत्र ने बताया कि दिल्ली में बढ़ती ठंड को देखते हुए यह पहल की गई, ताकि रातभर बैरिकेड पर तैनात पुलिस जवानों को राहत मिल सके। संस्था के उपाध्यक्ष जगदीप सिंह ने इस अभियान का नेतृत्व किया। थानों के दौरे पर कार्यकताओं ने अपनी छाती पर टैगलाइन मुझमें भी है मोदी, मैं हूं मोदी अंकित स्टीकर लगाया और थानाध्यक्षों को गर्म टोपियां भेंट कीं। थानाध्यक्षों ने इस सराहनीय पहल के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि ऐसी पहल से जवानों का उत्साह बढ़ता है। डॉ. अरोड़ा ने कहा कि यह अभियान प्रधानमंत्री की विचारधारा और सुरक्षा बलों के प्रति उनकी भावना को घर-घर पहुंचाने का एक प्रयास है। संस्था लंबे समय से पुलिसकर्मियों और सुरक्षा बलों के लिए हेल्थ कैंप, मास्क वितरण और अन्य सेवा कार्य करती रही है।

राम जन्मभूमि केस : साक्ष्य के आधार पर जीत, आस्था का नहीं था आधार : पी.एन. मिश्र

जानकारी देते अधिवक्ता पी.एन. मिश्र।

नई दिल्ली, दिसम्बर : सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता पी.एन. मिश्र ने कहा कि राम जन्मभूमि केस में सुप्रीम कोर्ट का निर्णय पूरी तरह साक्ष्यों और मैरिट पर आधारित था, न कि आस्था पर। दिल्ली के द्वारका में कुरुक्षेत्र गुरुकुलम फाऊंडेशन द्वारा आयोजित सनातन धर्म भारतीय संस्कृति का मूल आधार सैमीनार में उन्होंने कहा कि कुछ लोग अभी भी इस फैसले को लेकर भ्रम पैदा कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि 2019 में आए सुप्रीम कोर्ट और 2010 में इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले दोनों में साक्ष्यों को निर्णायक माना गया। मिश्र ने कहा कि अदालत में उन्होंने स्कंद पुराण, अंग्रेज कलेक्टर एड-वर्ड का 1902 का शिलालेख और विदेशी लेखक हंस बेकर की पुस्तक जैसे साक्ष्य प्रस्तुत किए थे। इन साक्ष्यों के आधार पर सुप्रीम कोर्ट ने विवादित भूमि को भगवान राम का जन्मस्थान माना। मिश्र ने यह भी स्पष्ट किया कि जस्टिस चंद्रचूड़ और अन्य न्यायाधीशों ने साक्ष्यों की गहन जांच के बाद यह फैसला दिया। उन्होंने कहा कि अदालत का निर्णय पढ़े बिना इसे आस्था आधारित कहना न केवल न्यायालय का अपमान है, बल्कि समाज को भ्रमित करने का प्रयास भी है। सैमीनार में सीबीआई के पूर्व निदेशक एम. नागेश्वर राव और प्रो. मधु किश्वर सहित कई वक्ताओं ने सनातन धर्म और भारतीय संस्कृति पर विचार रखे। केजीएफ के संस्थापक अध्यक्ष संदीप देव ने सभी वक्ताओं का आभार व्यक्त किया।

हिंदी साहित्य को सशक्त बनाने की दिशा में एक कदम, अंग्रेजी से डर लगता है पुस्तक का विमोचन

पुस्तक का विमोचन करते गणमान्य।

नई दिल्ली, दिसम्बर : नई दिल्ली स्थित प्रैस क्लब ऑफ इंडिया में बहुप्रतीक्षित पुस्तक अंग्रेजी से डर लगता है का भव्य विमोचन समारोह सफलता के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में हिंदी साहित्य, कला और समाज के प्रतिष्ठित हस्तियों ने भाग लिया। पुस्तक का विमोचन वरिष्ठ पत्रकार प्रमोद कुमार झा के करकमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर भेजे गए पत्र में राज्यसभा सांसद डॉ. संगीता बलवंत ने अपने शुभकामना संदेश में लेखक वैभव श्रीवास्तव को बधाई देते कहा, यह पुस्तक न केवल हिंदी साहित्य को समृद्ध करेगी, बल्कि समाज में भाषा के प्रति जागरूकता का भी एक प्रभावशाली माध्यम बनेगी। कार्यक्रम की गरिमा को बढ़ाते हुए लाल बहादुर शास्त्री फाऊंडेशन के अध्यक्ष विनम्र शास्त्री ने भी लेखक को अपनी शुभकामनाएं लिखित में भेजी। इस कार्यक्रम में कवियों, लेखकों, कलाकारों, मित्रों और परिवारजनों ने भी बड़ी संख्या में भाग लिया और लेखक की लेखनी की काफी प्रशंसा की। कार्यक्रम की सफलता ने हिंदी साहित्य को सशक्त बनाने के प्रति सभी उपस्थितों के उत्साह और समर्थन को स्पष्ट रूप से दर्शाया।

फतेहाबाद में सिर में लठ मारकर बेटे की हत्या, साथ में सोता मिला पिता

- मामा की ढ़ाणी में चारपाई पर मिला लहूलुहान शव

फतेहाबाद चारपाई पर मृत पड़ा युवक।

फतेहाबाद, भूना दिसंबर : हरियाणा के फतेहाबाद में रात को 17 साल के युवक की सिर में लठ मारकर हत्या कर दी गई। वह सुबह चारपाई पर मृत पड़ा मिला। सिर से खून बह रहा था। आरोप है कि युवक की हत्या उसके पिता ने की है। सुबह पिता मृत बेटे के पास ही सोता हुआ मिला। रात को पिता ने शराब पी थी। सूचना के बाद सदर थाना प्रभारी कुलदीप सिंह और सीन ऑफ क्राइम टीम मौके पर पहुंचकर जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार गांव सदलपुर निवासी सुरजीत का 17 साल का बेटा परमजीत अपने ननिहाल भूथन कलां में आया हुआ था। वह रात को अपने मामा जिले सिंह की ढाणी में सो रहा था। देर रात को उसका पिता सुरजीत भी अपनी ससुराल आ गया। आरोप है कि उसने चारपाई पर सो रहे अपने बेटे के सिर में लठ मार दिया। युवक लठ लगने के बाद उठ नहीं पाया और सोते हुए ही खून बह कर उसकी मौत हो गई।

सिर से बह रहा था खून

परमजीत के मामा जिले सिंह व अन्य परिजन सुबह कमरे में पहुंचे तो वह मृत हालत में मिला। सिर में चोट के निशान थे और खून बहा हुआ था। पास में ही दूसरी चारपाई पर युवक का पिता सुरजीत भी सो रहा था। खून से सना लठ मौके पर पड़ा था। लट्ठ लगने से युवक की मौत हो गई। मामा जिलेसिंह ने परमजीत के शव को देख कर इसकी सूचना पुलिस को दी।

क्राइम एक्सपर्ट टीम जांच में लगी

भूथन कलां गांव में युवक की हत्या की सूचना के बाद सदर पुलिस और सीन ऑफ क्राइम एक्सपर्ट की टीम मौके पर पहुंची। रात को क्या हुआ था, परिजन कुछ नहीं बता पा रहे। सुरजीत पर शक जताया है कि उसी ने अपने बेटे परमजीत की हत्या की है। वह रात को नशे में आया था। सदर थाना कुलदीप ने बताया कि पुलिस की छानबीन चल रही है। परिजनों के बयान दर्ज किए जाएंगे, उसी के हिसाब से केस दर्ज होगा।

स्वचालित निर्माण सुविधा में उत्पादन शुरू

नई दिल्ली, दिसम्बर : आइस मेक रैफ्रिजरेशन लिमिटेड ने अपनी रणनीतिक योजना के तहत चैस्ट फ्रीजर्स, कूलर्स और विसी कूलर्स की नई श्रेणियों का अनावरण किया। गुजरात स्थित स्वचालित सुविधा में इनका उत्पादन 1 जनवरी 2025 से शुरू होगा, जिसकी वार्षिक क्षमता 72 हजार यूनिट्स है। कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2028 तक 1 हजार करोड़ का राजस्व लक्ष्य निर्धारित किया है और 250 करोड़ के पूंजी निवेश की योजना बनाई है। ऊर्जा-कुशल और अनुकूलन योग्य ये उत्पाद खाद्य, रिटेल, फार्मा, और डेयरी उद्योगों की जरूरतों को पूरा करेंगे। यह लॉन्च नवाचार और स्थिर विकास के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

धुंध के कारण रद्द हुई अंबाला-पटियाला पैसेंजर ट्रेन का संचालन आज से शुरू

अम्बाला छावनी, दिसंबर : धुंध का हवाला देकर रद्द की अंबाला-पांटयाला पैसेंजर ट्रेन का संचालन 23 दिसंबर से आरंभ किया जाएगा। अंबाला मंडल की ओर से भेजे प्रस्ताव पर रेलवे ने अनुमति प्रदान कर दी है। ट्रेन नंबर 04549/50 अंबाला-पटियाला-अंबाला का संचालन आज से आरंभ हो जाएगा। ट्रेन अपनी पुरानी समय सारिणी अनुसार चलेगी। दरअसल रेलवे ने इस ट्रेन को एक दिसंबर से फरवरी माह तक रद्द कर दिया था। इस ट्रेन में अंबाला छावनी से करीब 500 छात्र व दैनिक यात्री सफर करते थे। ट्रेन के बंद होने से इन यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।

मिजार्पुर बाछौद के दंपति की राजस्थान के बीकानेर के पास सड़क दुर्घटना में मौत

बीकानेर के श्रीडूंगरगढ़ में नैशनल हाइवे पर हुआ सड़क हादसा

- पैतृक गांव में एक ही चिता में दोनों का गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार किया
- गुरुग्राम से आई हरियाणा पुलिस की एक टुकड़ी ने कांस्टेबल को अंतिम सलामी दी

मृतक अजय कुमार व पत्नी रितु का फाइल फोटो।

नारनौल, दिसंबर : गांव मिजार्पुर बाछोद निवासी हरियाणा पुलिस में कांस्टेबल तथा उसकी पत्नी गुडगांव के अस्पताल में कार्यरत नर्स की राजस्थान के बीकानेर में हुए सड़क हादसे में मौत हो गई। जिसके बाद आज सुबह उनके पैतृक गांव में एक ही चिता में दोनों पति पत्नी का अंतिम संस्कार किया गया। गुरुग्राम से आई हरियाणा पुलिस की एक टुकड़ी ने कांस्टेबल को अंतिम सलामी दी। वहीं पति-पत्नी की एक साथ हुई मौत के बाद पूरे गांव में गमगीन माहौल बना हुआ है। गांव मिजार्पुर बाछोद निवासी करतार सिंह के 30 वर्षीय पुत्र अजय कुमार तथा अजय की 28 वर्षीय पत्नी रितु की बीकानेर के श्रीडूंगरगढ़ में नैशनल हाइवे पर हुए सड़क हादसे में मौत हो गई थी। दोनों पति-पत्नी बीकानेर घूमने के लिए जा रहे थे। उनके साथ एक अन्य दंपति भी था, जो पीछे बैठा हुआ था। उनको गंभीर चोटे लगी हैं।

अजय कुमार हरियाणा पुलिस में कांस्टेबल के पद पर कार्यरत था तथा उसकी ड्यूटी इस समय गुरुग्राम में थी। वहीं उसकी पत्नी रितु की ड्यूटी भी गुरुग्राम के एक अस्पताल में नर्स के रूप में थी। दंपति के एक 5 साल का बेटा है। हादसे में हुई मौत के बाद आज रविवार को दोनों का पार्थिव शरीर पैतृक गांव मिजार्पुर में लाया गया। यहां पर गमगीन माहौल में पति-पत्नी का एक ही चिता पर अंतिम संस्कार किया गया। अजय के बड़े भाई ने मुखाग्नि दी। गुरुग्राम से आई पुलिस टुकड़ी ने मातमी धुन बजाकर अजय कुमार को अंतिम सलामी दी। मृतक अजय कुमार के पिता करतार सिंह अटेली खंड विकास कार्यालय में एबीपीओ पद पर कई वर्षों तक कार्यरत रहे। मृतक अजय कुमार के एक बड़ा भाई भी है। वही उसके 5 साल का लडका भी है।

यमुना में अमोनिया का स्तर बढ़ने से दिल्ली के कई इलाकों में जलसंकट

दिल्ली। यमुना नदी के वजीराबाद जलाश्य में अमोनिया (एनएच3) का स्तर तेजी से बढ़ने के कारण राष्ट्रीय राजधानी के कई इलाकों में जल संकट उत्पन्न हो गया है। दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई है। बयान के अनुसार, अमोनिया का स्तर 5.0 पीपीएम से अधिक होने के कारण वजीराबाद जल संयंत्र से आपूर्ति में 25 से 50 प्रतिशत तक की कमी आई है। बयान में कहा गया है, इसके कारण स्थिति में सुधार होने तक दिल्ली के कई इलाकों में कम दबाव के साथ जलापूर्ति की जाएगी। बान के मुताबिक प्रभावित इलाकों में मजनू का टीला, आईएसबीटी, जीपीओ, एनडीएमसी क्षेत्र, आईटीओ, हंस भवन, एलएनजेपी अस्पताल, डिफेंस कॉलोनी, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, राजघाट, डब्ल्यूएचओ, आईपी इमरजेंसी, रामलीला ग्राउंड, दिल्ली गेट, सुभाष पार्क, गुलाबी बाग, तिमारपुर, एसएफएस फ्लैट्स, पंजाबी बाग, आजादपुर, शालीमार बाग, वजीरपुर, लॉरेंस रोड, मॉडल टाउन, जहांगीरपुरी, मूलचंद, साउथ एक्सटेंशन, ग्रेटर कैलाश, बुराड़ी, छावनी क्षेत्रों के कुछ हिस्से और दक्षिण दिल्ली शामिल हैं। डीजेबी ने लोगों से पानी का विवेकपूर्ण उपयोग करने का आग्रह किया और मांग पर पानी के टैंकरों की उपलब्धता का आश्वासन दिया है। यमुना में अमोनिया का स्तर बढ़ना बड़ी और बार-बार होने वाली समस्या है जिसकी वजह से राष्ट्रीय राजधानी में जलापूर्ति प्रभावित होती है।

5 साल में दिल्ली के लिए आपने क्या किया?

बीजेपी के आरोप पर केजरीवाल का पलटवार

दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने सोमवार को विधानसभा चुनाव से पहले दिल्ली में आम आदमी पार्टी सरकार के खिलाफ चार्जशीट जारी की। हालांकि, आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने भाजपा पर पलटवार किया है। केजरीवाल ने कहा कि बीजेपी के पास चुनाव लड़ने का कोई एजेंडा नहीं है। उन्हें दिल्ली की जनता को बताना चाहिए कि उन्होंने 5 साल में दिल्ली के लिए क्या किया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आप ने दिल्लीवासियों के लिए बिजली, पानी, महिलाओं की यात्रा, सड़क और कई अन्य चीजों के मामले में बहुत काम किया है। इन लोगों ने क्या काम किया है। केजरीवाल ने दावा किया कि दिल्ली में कानून व्यवस्था ध्वस्त हो गई है। उन्होंने कोई काम नहीं किया है। अब जब वे चुनाव के लिए आए हैं, तो वे मेरे खिलाफ आरोप पत्र जारी कर रहे हैं। उनके पास सीएम का चेहरा नहीं है। बीजेपी नेता अनुराग ठाकुर, दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, सांसद प्रवीण खंडेलवाल, चार्जशीट कमेटी के संयोजक विजेंद्र गुप्ता, रमेश बिधूड़ी, आरती मेहरा और सरदार आरपी सिंह ने आप सरकार के कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ 'चार्जशीट' जनता के सामने ला दी है। बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर ने इस दौरान कहा कि आप सरकार ने यमुना नदी को इतनी बुरी तरह प्रदूषित कर दिया है, यह इतनी दुर्गंधयुक्त, झागदार और जहरीली हो गई है। मुझे याद है, 2022 में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान केजरीवाल ने कहा था कि अगले चुनाव से पहले वह लोगों के साथ इसमें डुबकी लगाएंगे यमुना नदी, यानी 2025 के चुनाव से पहले। भाजपा सांसद ने आगे कहा कि केजरीवाल जी, 10 साल बीत गए।

समाचार

भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई एवं चौधरी चरण सिंह जी की पुण्यतिथि पर विचार गोष्ठी का हुआ आयोजन

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। सोमवार को क्षेत्र के प्रगतिशील शिक्षण संस्थान चिरंजीलाल कॉलेज आफ एजूकेशन डगरोली मे कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान मे भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेई जी की जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य मे विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। उद्घाटन संस्थान निदेशक पुनीत अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर उन्होंने वाजपेई जी के जीवन चरित्र का उल्लेख करते हुए अनेक प्रेरक प्रसंगो के माध्यम से जीवन मे आगे प्रगतिशील बनने की सीख दी। उन्होंने भारतीय आधुनिकीकरण की गति को गुणात्मक वृद्धि दी। उन्होंने यूएनओ मे हिन्दी मे पहली बार भाषण देकर विश्व स्तर पर भारतीयता का परचम लहराया।भारत मे सडको के नवीनीकरण और आधुनिकीकरण का श्रेय भी वाजपेई जी को जाता है ।इस अवसर पर निदेशक पुनीत अग्रवाल ने पूर्व प्रधान मंत्री भारत रत्न किसान मसीहा चौधरी चरण सिंह जी को भी उनके जन्म दिवस पर याद किया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ राकेश आर्य, विनोद गुप्ता, राजकुमार, मनोज शर्मा, कावेन्द्र सिह, श्वेता शर्मा, अतुल शर्मा, वासू कुमार, मो कैफ आदि ने भी विचार व्यक्त किए,तथा विद्यालय के समस्त छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

रामशरन सुशील आनंद हाई स्कूल में चौधरी चरण सिंह जी की जयंती मनाई गई

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। सोमवार को नगर के प्रगतिशील विद्यालय रामशरन सुशील आनंद हाई स्कूल में भारत के पांच वे प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी की जयंती मनाई गई, इस अवसर पर विद्यालय के समस्त छात्र-छात्राओं एवं अध्यापक अध्यापिकाओं ने चौधरी चरण सिंह जी के चित्र पर पुष्प अर्पित किए और उन्हें नमन किया, इस मौके पर विद्यालय के प्रबंधक सुशील चंद्र सक्सेना ने कहा कि चौधरी चरण सिंह जी भारत के पांचवें प्रधानमंत्री हुए और उनका जन्म 23 दिसंबर 1902 ई को हुआ था, वही इस मौके पर विद्यालय के अध्यक्ष एडवोकेट पंडित रविशंकर शर्मा ने कहा कि चौधरी चरण सिंह जी किसानों के सच्चे हितेषी थे और वह किसानों के लिए हमेशा तत्पर रहते थे, इस मौके पर मुख्य रूप से विद्यालय के प्रधानाचार्य निशांत त्यागी, सोमवती कश्यप, राजीव शर्मा, अनुराधा चौधरी, अंशु त्यागी, चरण सिंह, भावना सक्सेना, मंजरी दीक्षित, अफसा, खुशबू शर्मा, लक्ष्मी रस्तोगी, अंश सक्सैना, सदफ, स्वाति, नीलम, चंद्रशेखर सिंह , अतुल मथुर आदि सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

बाइक से स्टंट करते युवक का वीडियो वायरल, पुलिस जांच में जुटी

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। क्षेत्र में स्टंट बाजी का शौक युवाओं के सर चढ़कर बोल रहा है, क्षेत्र में आए दिन स्टंट करने के वीडियो सामने आ रहे हैं 2 दिन से लगातार क्षेत्र में मोटरसाइकिल से खतरनाक स्टंट करने वाले युवाओं का वीडियो वायरल हो रहा है, रविवार को क्षेत्र के एक गांव में मोटरसाइकिल से स्टंट करने का एक वीडियो वायरल हुआ जिसकी जांच पड़ताल में पुलिस जुट गई है ' गैर मानक बाइक से स्टंट करते युवक का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जबकि पुर्व में कई स्टंटबाजों पर पुलिस द्वारा कार्रवाई की जा चुकी है लेकिन उसके बावजूद भी जान हथेली पर रखकर युवा स्टंट करने से बाज नहीं आ रहे हैं सोमवार को सोशल मीडिया पर बाइक से स्टंट करने का एक वीडियो जमकर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो के अनुसार युवक रहरा थाना क्षेत्र का बताया जा रहा है। हालांकि इसकी अभी आधिकारिक रूप से कोई पुष्टि नहीं हो पाई है। जबकि पूर्व पुलिस द्वारा का स्टंटबाजों के खिलाफ कार्रवाई की जा चुकी है। लेकिन उसके बावजूद भी गैर मानक बाइक सवार स्टंट बाजी करने से बाज नहीं आ रहे हैं। हालांकि पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई है।

युवा दुगार्दस कश्यप ने पूरे देश में जनपद का नाम रोशन किया

लोकतंत्र की शान
संवाददाता-मंजीत शर्मा
पीलीभीत

पीलीभीत। नवयुवक दुगार्दस कश्यप ने जनपद पीलीभीत का पूरे देश में नाम रोशन किया।गन्ना विभाग के कर्मचारी परमेश्वरी दयाल कश्यप के पुत्र दुर्गादास कश्यप ने जनपद का नाम पूरे देश में प्रकाशित किया । मेधावी दुर्गादास कश्यप को संघ लोक सेवा आयोग की देश मे सबसे प्रतिष्ठित आई एस एस की परीक्षा में 17 वां स्थान प्राप्त कर चयनित होने पर मा. गन्ना राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार की ओर से उनके जिला प्रतिनिधि सुरेश अग्रवाल ने शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। दुर्गादास राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के अनुषांगिक संगठनों द्वारा संचालित सरस्वती शिशु मंदिर और विद्या मंदिर में पढ़े हैं। इस बेहतरीन उपलब्धि हेतु उनको बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएं दीं और आशा व्यक्त की कि वे अपने श्रेष्ठ कार्यों से इस प्रकार ही अपने जनपद और प्रदेश का नाम पूरे देश मे रौशन करते रहेंगे।

किसानों के लिए 2014 से प्रारंभ हुए प्रयास को मॉडल के रूप में ले रही दुनिया: सीएम योगी

लखनऊ, 23 दिसंबर: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि चौधरी चरण सिंह का जन्मदिवस उत्तर प्रदेश में 2002 से 'किसान सम्मान दिवस' के रूप में मनाया जाता है। चौधरी साहब कहा करते थे कि किसान गरीब होगा तो भारत अमीर नहीं हो सकता। भारत को समृद्ध बनाने के लिए अन्नदाता किसान को समृद्ध बनाना पड़ेगा। इसे ध्यान में रखकर पीएम मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार द्वारा किसानों के उत्थान के लिए निरंतर कार्य हो रहे हैं। किसानों के लिए 2014 से जो प्रयास प्रारंभ हुआ, दुनिया उसे मॉडल के रूप में ले रही है। मुख्यमंत्री सोमवार को पूर्व प्रधानमंत्री 'भारत रत्न' चौधरी चरण सिंह की 122वीं जयंती 'किसान सम्मान दिवस' पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने विधानसभा स्थित चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके बाद मुख्यमंत्री कृषक उपहार योजना के अंतर्गत 11कृषकों को ट्रैक्टर की चाबी दी और हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

किसानों के मुद्दे पर चौधरी साहब का कांग्रेस से हुआ था मतभेद

सीएम ने कहा कि आजादी के बाद किसानों के मुद्दों को लेकर चौधरी चरण सिंह जी का कांग्रेस के साथ मतभेद हुआ था, लेकिन पीएम मोदी ने पहली बार किसानों को भारत के राजनीतिक एजेंडे व सरकार की प्राथमिकताा बनाने का कार्य किया।स्वॉयल हेल्थ कॉर्ड, उन्नत किस्म के बीज उपलब्ध कराने, खेती को तकनीक से जोड़ने, कृषक दुर्घटना बीमा योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, कृषि सिंचाई योजना, किसान सम्मान निधि आदि योजनाओं से किसानों की उन्नति के लिए कार्य किए जा रहे हैं।

अधिवक्ता की हत्या से अधिवक्ताओं में उबाल, एसडीएम को दिया ज्ञापन

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। सोमवार को तहसीलबार एसोसिएशन के बैनर तले एकत्र हुए अधिवक्ताओं ने जनपद संभल के बहजोई में 18 दिसंबर को कलेक्ट्रेट आ रहे अधिवक्ता प्रेम नारायण की हत्या के विरोध में नारेबाजी करते हुए एक ज्ञापन उप जिलाधिकारी सुनीता सिंह को सोपा, ज्ञापन के माध्यम से अधिवक्ताओं ने रोष व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन में अधिवक्ता के हत्यारे को शीघ्र अति सिख गिरफ्तार किए जाने, तथा दिवंगत अधिवक्ता के आश्रितों को एक करोड रुपए मुआवजा तथा दिवंगत अधिवक्ता के आश्रितों में से किसी एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी दिए जाने की मांग की है, साथ ही अधिवक्ताओं पर बढ़ते हमले को देखते हुए शीघ्र एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू किए जाने की मांग भी की गई है, इस संबंध में बार एसोसिएशन के महासचिव सुरमित कुमार गुप्ता ने बताया कि यदि हमारी मांगे नहीं मानी जाती है तो हम सुप्रीम कोर्ट में भी एक रिट दायर करेंगे, ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से दिनेश गुप्ता, अर्पित राणा, कुलदीप राणा, आफताब आलम, संदीप कुमार, संजीव कुमार, वीरेंद्र सिंह, तीरथ राणा, जसपाल राणा, वैभव राणा, रामेश्वर शरन, केशव कुमार, मुन्नीलाल, सूर्य प्रकाश आदि अधिवक्ता गढ़ मौजूद रहे।

घर की लिपाई के लिए नदी किनारे मिट्टी खोद रहे लोग मिट्टी में दबे, बच्ची की मौत चाची घायल

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर आदमपुर। सोमवार को क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, क्षेत्र के एक गांव में अपने चाचा चाची के साथ नहर से मिट्टी खोदने गई छात्रा की मिट्टी की ढांग गिरने से नीचे दबकर मौत हो गई। जबकि उसकी चाची गंभीर रूप से घायल हो गई। छात्रा की मौत से परिवार के लोगों में कोहराम मचा है। बिना कानूनी कार्यवाही परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार कर दिया। बता दें कि पूरा मामला आदमपुर थाना क्षेत्र के गांव निरयाबली का है। यहां गांव निवासी सतीश अपनी पत्नी निर्दोष तथा भतीजी प्रियांशी पुत्री लोकेश के साथ भैंसा बुग्गी लेकर गांव के बराबर में स्थित नहर से घर की लिपाई के लिए मिट्टी लेने गए थे। इस दौरान नहर पर मिट्टी खोदते समय अचानक मिट्टी की ढांग भरभराकर गिर गई। जिससे सतीश की पत्नी निर्दोष तथा उसकी भतीजी प्रियांशी दब गए। इस दौरान खेतों पर काम कर रहे ग्रामीण उसे और दौड़ पड़े और दोनों को कड़ी मशक्कत के बाद मिट्टी से निकाला गया। लेकिन तब तक 13 वर्षीय छात्रा प्रियांशी की मौत हो चुकी थी। जबकि निर्दोष को गंभीर हालत में मेरठ रेफर किया गया है। छात्रा की मौत से परिवार के लोगों में कोहराम मच गया। छात्रा की मौत से मां बबीता समेत परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है।बिना कानूनी कार्यवाही परिजनों ने छात्रा के शव का अंतिम संस्कार कर दिया। परिजनों ने बताया कि मृतक छात्रा पांच बहन भाइयों में दूसरे नंबर की थी। एक इंटर कॉलेज में कक्षा 8 की छात्रा थी। शाही परिवार का रो रो कर बुरा हाल है।

अभाविप के नगर खेल महाकुंभ का हुआ पोस्टर विमोचन

नगर खेल कुंभ₹ का मुख्य उद्देश्य भारत के पारंपरिक खेलों का आयोजन कर ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को मंच देना है- मयंक राय

तौफीक खान संवाददाता बस्ती

बस्ती। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के खेलो भारत द्वारा आयोजित हो रहे "नगर खेल महाकुंभ" (25-31 दिसंबर 2024) का रविवार को बस्ती में पोस्टर विमोचन किया गया, पोस्टर विमोचन के अवसर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रदेश मंत्री श्री मयंक राय, नगर खेल कुंभ संयोजक व नगर सह-मंत्री कु. स्निग्धा श्रीवास्तव, मारुत पांडेय, अंकित शुक्ला उपस्थित रहे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के खेल महाकुंभ का आयोजन 25 से 31 दिसंबर तक सभी नगरों में होना है। इसी क्रम में बस्ती सदर इकाई में 5 दिवसीय "नगर खेल महाकुंभ" का आयोजन किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत कबड्डी, खो-खो, बैडमिंटन, क्रिकेट, वॉलीबाल,बास्केटबाल, शतरंज, फुटबॉल आदि विभिन्न खेलों का आयोजन किया जाएगा।अभाविप गोरक्ष प्रांत मंत्री श्री मयंक राय ने बताया कि अभाविप खेलो भारत के अंतर्गत "नगर खेल कुंभ" का मुख्य उद्देश्य भारत के पारंपरिक खेलों का आयोजन कर ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को मंच देने के साथ ही देश में खेले जाने वाले सभी खेलों के लिए एक मजबूत ढांचा तैयार करके जमीनी स्तर पर भारत में खेल संस्कृति को पुनर्जीवित करने और भारत को एक महान खेल राष्ट्र के रूप में स्थापित करना है।नगर खेल कुंभ का मुख्य उद्देश्य खेल गतिविधियों में व्यापक भागीदारी को प्रोत्साहित करना है, जो एक स्वस्थ और उपयोगी जीवन शैली को बढ़ावा देता है। सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देकर हम सभी क्षेत्र के हजारों छात्रों को भाग लेने के लिए प्रेरित कराना चाहते हैं जिससे सामूहिक कार्य अनुशासन और सहनशीलता की भावना का विकास हो सके इसके अतिरिक्त यह कार्यक्रम छात्रों में अद्वितीय खेल प्रतिभाओं की पहचान करने और उन्हें राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी बनने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन व समर्थ प्रदान करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा।हमारा अंतिम लक्ष्य केवल शारीरिक फिटनेस को बढ़ाना ही नहीं बल्कि उनमें मूल्यों को भी विकसित करना है जो हमारे युवाओं की समग्र प्रगति और सफलता में योगदान दे सके नगर खेल कुंभ संयोजक सुश्री स्निग्धा श्रीवास्तव ने कहा कि विद्यार्थी परिषद भारत का ही नहीं अपितु विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन है। परिषद सदैव विद्यार्थियों के रचनात्मक विकास हेतु कार्य करता है जिसके अंतर्गत खेल कुंभ का आयोजन हो रहा है इस अवसर पर सात्विक श्रीवास्तव, अमरेंद्र पांडेय, विशाल कसौधन, हर्षिता चतुर्वेदी, महेंद्र चौधरी, दुर्गेश यादव, राज श्रीवास्तव, नमन मिश्रा आदि रहे।

दबंगों के कुकृत्यों से आहत होकर छात्र ने लगाई फांसी जांच में जुटी पुलिस

तौफीक खान संवादाता बस्ती

कप्तानगंज बस्ती। कप्तानगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत कोइलपुरा में दबंगों के कुकृत्यों से आहत होकर छात्र आदित्य कुमार ने फांसी लगा ली है पीड़ित स्वजनो ने शव को लेकर कप्तानगंज थाने पर पहुंच गये और दबंगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी की मांग करने लगे कप्तानगंज पुलिस के कार्रवाई को देर देखते हुए पीड़ित स्वजनो ने शव को थाने में रखकर हंगामा करने लगे और शव को लेकर पुलिस अधीक्षक बस्ती कार्यालय पर पहुंच गए पुलिस अधीक्षक कार्यालय पर पीड़ित परिवार ने शव को रखकर प्रदर्शन करने लिए लगे पुलिस अधीक्षक गोपाल कृष्ण चौधरी के निर्देश पर सी ओ (क्षेत्राधिकारी कलवारी) प्रदीप कुमार त्रिपाठी की उपस्थिति में कप्तानगंज थाने में धारा बीएनएस 115 (2) , 352 , 361 (3) 108 के तहत चार नाबालिक आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है आपको बता दें कि कप्तानगंज थाना क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम पंचायत कोइलपुरा में छात्र आदित्य कुमार पुत्र महेंद्र कुमार ग्राम निघुरी थाना बेलहर कला जिला संत कबीर नगर का निवासी अपने ननिहाल में रहता था और आदित्य कुमार ननिहाल में रहकर ही पढ़ाई करता था आदित्य कुमार कक्षा दसवीं में पढ़ता था आदित्य कुमार की उम्र लगभग 15 वर्ष थी दिनांक - 20-12-2024 को रात्रि में गांव के कुछ नाबालिक मित्रों ने बर्थडे में बुलाया था चार नाबालिग मित्रों ने आदित्य कुमार को नंगा करके पिटाई किया था तथा गाली गुप्ता देते हुए जान से मारने की धमकी दिया था और और चार नाबालिक मित्रों ने आदित्य कुमार के मुंह में पेशाब कर दिया था आदित्य कुमार ने घर पर आकर रो - रो कर अपने मामा को सारी घटना की जानकारी दिया था मित्रों के द्वारा किए गए कुकृत्यों से आहत होकर दिनांक - 23-12-2024 को फांसी लगा लिया इस संबंध में सीओ प्रदीप कुमार त्रिपाठी ने बताया कि मृतक आदित्य कुमार के मामा विजय कुमार की तहरीर पर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और शव को कब्जे में लेकर पी एम के लिए भेज दिया गया है एवं हर बिंदुओं की गहनता से जांच की जा रही है।

पीलीभीत और पंजाब पुलिस की मुठभेड़ में तीन खालिस्तानी आतंकी ढेर।

रिपोर्ट-मंजीत शर्मा

पीलीभीत पूरनपुर। पीलीभीतः पुलिस मुठभेड़ में तीन खालिस्तानी आतंकी ढेर,पीलीभीत जिले के पूरनपुर क्षेत्र में पुलिस और खालिस्तानी आतंकियों के बीच हुई मुठभेड़ में तीन आतंकी मारे गए। यह घटना पूरनपुर क्षेत्र में हुई।पुलिस ने आतंकियों के पास से हथियार दो अङ-47 राइफल व दो ग्लाक पिस्टल,भारी मात्रा में कारतूस बरामद किए।यह घटना पीलीभीत जिले में आतंकी गतिविधियों को रोकने के लिए पुलिस की सक्रियता को दशार्ती है। पुलिस ने आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें मार गिराया। राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में, यूपी पुलिस और पंजाब पुलिस ने मिलकर खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स (ङेत्त्र) के #पाक-प्रायोजित आतंकी मॉड्यूल से मुठभेड़ करते हुए एक बड़ी सफलता हासिल की। प्राप्त जानकारी को त्वरित कार्यवाही में बदलते हुए, दोनों पुलिस बलों ने पीलीभीत के पुरनपुर इलाके में इस मॉड्यूल के तीन सशस्त्र आतंकियों के साथ मुठभेड़ की। इन आतंकियों ने पुलिस टीम पर गोलीबारी की थी और वे पंजाब के सीमावर्ती इलाकों में पुलिस प्रतिष्ठानों पर ग्रेनेड हमलों में शामिल थे। घायल आतंकियों को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। इस ऑपरेशन के दौरान दो एके राइफल और दो ग्लॉक पिस्तौल बरामद की गईं, जिससे इस मॉड्यूल की आगे किसी बड़ी साजिश रचने की क्षमता पर बड़ा प्रहार हुआ। साथ ही, इस नेटवर्क के बाकी सदस्यों की पहचान और उन्हें खत्म करने के लिए जांच जारी है। यह ऑपरेशन यूपी पुलिस की अपराध और अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति को स्पष्ट करता है। पंजाब पुलिस के साथ तालमेल में रियल टाईम खुफिया जानकारी पर की गई तेज और निर्णायक कार्रवाई यह दिखाती है कि राष्ट्रविरोधी ताकतों को खत्म करने के लिए हमारी प्रतिबद्धता अडिग है। पीलीभीत और पंजाब पुलिस ने तीन खालिस्तानी आतंकियों को किया एनकाउंटर में ढेर,पंजाब के गुरदासपुर में पुलिस चौकी पर हमले के आरोपी थे तीनों खालिस्तानी, गुरदासपुर में पुलिस चौकी पर तीनों खालिस्तानियों ने ग्रेनेड से किया था हमला। सुबह पंजाब पुलिस थाना पूरनपुर पहुंची थाना प्रभारी को पूरी जानकारी दी, थाना प्रभारी ने तत्काल संज्ञान लिया और उच्च अधिकारीयों को जानकारी दी पूरनपुर पुलिस व पंजाब पुलिस ने आतंकियों का पिछा किया, और मौके पर पहुंचे पीलीभीत पुलिस अधीक्षक अवनीश पांडे अपने पुलिस बल के साथ आतंकियों का घिराव किया, आतंकियों ने फायरिंग शुरू की ,जिसमें दो सिपाही घायल हो गए, फिर पीलीभीत और पंजाब पुलिस ने तीन खालिस्तानी आतंकियों को किया एनकाउंटर में ढेर।

पिछड़ा वर्ग राज्य आयोग (यू पी) द्वारा शिकायतों पर सुनवाई कर हुआ निस्तारण

लोकतंत्र की शान/ कौशल रस्तोगी

लखनऊ। 23 दिसंबर 2024 उत्तर प्रदेश पिछड़ा वर्ग राज्य आयोग के अध्यक्ष राजेश वर्मा ने सोमवार को इंदिरा भवन स्थित आयोग कार्यालय में विभिन्न जनपदों से प्राप्त शिकायतों पर सुनवाई की। इस दौरान कई महत्वपूर्ण मामलों पर निर्णय लिया गया और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए।

1. ममता यादव बनाम जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, लखनऊ

ममता यादव की शिकायत पर सुनवाई हुई, जिनकी पुत्री स्वर्गीय अलका यादव, प्राथमिक विद्यालय काकोरी में सहायक अध्यापिका थीं और कोविड काल में उनकी मृत्यु हो गई थी। सातवें वेतन आयोग के एरियर की दूसरी किस्त छह वर्ष बीतने के बावजूद जारी नहीं की गई। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी की अनुपस्थिति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए उच्च अधिकारियों को कार्रवाई के लिए निर्देशित किया गया।

2. शिव कुमार बनाम उपजिलाधिकारी, रामसनेहीघाट, बाराबंकी,शिव कुमार के मामले में उपजिलाधिकारी और अन्य अधिकारियों की अनुपस्थिति को गंभीरता से लेते हुए उनके विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए गए। गृह विभाग को भी इस संबंध में लिखा जाएगा। 3. रेखा देवी बनाम उपजिलाधिकारी, सीतापुर

रेखा देवी के जाति प्रमाण पत्र जारी करने में देरी के मामले में सुनवाई हुई। उपजिलाधिकारी सीतापुर ने दो वर्षों बाद प्रमाण पत्र जारी किया। लेखपाल गुफरान की जिम्मेदारी तय करते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए गए। 4. रामजी के पुत्र का दिव्यांग प्रमाण पत्र मामले में, रामजी के पुत्र को दिव्यांग प्रमाण पत्र जारी करने में देरी के मामले में सुनवाई हुई। मुख्य चिकित्साधिकारी ने कार्रवाई करते हुए संबंधित सहायक को कार्य से हटा दिया। प्रकरण निस्तारित कर दिया गया।

5. दीपक कुमार बनाम बागपत पुलिस में, दीपक कुमार ने बागपत पुलिस द्वारा फर्जी मुकदमे में फंसाने की शिकायत की। आयोग ने पुलिस अधीक्षक, बागपत को निष्पक्ष जांच के निर्देश दिए। जांच दूसरे क्षेत्राधिकारी को सौंप दी गई।

6. लाखन सिंह बनाम जिलाधिकारी, सीतापुर, लाखन सिंह के मामले में उपजिलाधिकारी, महमूदाबाद ने बताया कि अवैध कब्जा हटा दिया गया है। प्रकरण निस्तारित कर दिया गया। सुनवाई के दौरान अनुपस्थित अधिकारियों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए अध्यक्ष ने सभी संबंधित विभागों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शिकायतों का समय पर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

महाकुम्भ में सुरक्षा से खिलवाड़ नहीं, इंटेलिजेंस बढाएं, माफिया के गुर्गों पर भी कार्रवाई तेज करें: मुख्यमंत्री

लखनऊ। 23 दिसंबर:- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि महाकुंभ से पहले प्रयागराज में चल रहे सभी टैक्सी, ऑटो, ई-रिक्शा चालकों का पुलिस सत्यापन कराया जाए। यूपी पुलिस को इंटेलिजेंस को और बेहतर करने तथा भारत सरकार की सुरक्षा एजेंसियों के साथ लगातार संवाद-समन्वय बनाये रखने के निर्देश देते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल के समय में प्रयागराज के आस-पास माफियाओं पर बड़ी कार्रवाई हुई है, यह सुनिश्चित किया जाए कि महाकुम्भ से पहले उनके गुर्गों पर आवश्यकतानुसार कार्रवाई तेज की जाए। सोमवार को प्रयागराज में महाकुम्भ की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री जी ने 'सुरक्षित महाकुम्भ' की परिकल्पना की है। इसके दृष्टिगत सभी आवश्यक प्रबंध किए जाएं। सुरक्षा बलों की तैनाती के बारे में जानकारी लेते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अब तक जिन 20 हजार पुलिसकार्मिकों की तैनाती हुई है, उन सभी का प्रशिक्षण जरूर करा लिया जाए। मुख्यमंत्री ने महाकुम्भ में फायर सेफ्टी, घाट सुरक्षा, चिकित्सा सहायता आदि के संबंध में किये जा रहे व्यवस्थाओं को पुख्ता बनाने के भी निर्देश दिए। सुरक्षा के दृष्टिगत एंटी ड्रोन सिस्टम की उपलब्धता भी की जाए। प्रयागराज नगर में जाम के समाधान के लिए पुख्ता कार्ययोजना तैयार करने पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि फुट पेट्रोलिंग बढाए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि यह सुनिश्चित किया जाए कि मेला क्षेत्र में निराश्रित पशुओं का आवागमन न हो। समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने महाकुम्भ प्रयागराज की ओर आने वाले सभी मार्गों के नवनिर्माण/सुदृढ़ीकरण के कार्यों के लिए 05 जनवरी अंतिम तारीख तय की है। उन्होंने कहा है कि महाकुम्भ में सर्वाधिक श्रद्धालु सड़क मार्ग से होकर आएंगे। अयोध्या, वाराणसी, लखनऊ और मीरजापुर की ओर से बड़ी संख्या में लोगों का आगमन होगा। इसलिए शीर्ष प्राथमिकता के साथ प्रयागराज आने वाले सभी मार्गों के नवनिर्माण/सुदृढ़ीकरण के कार्यों को पूरा कर लिया जाए। इसमें किसी प्रकार की कोताही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए हैं कि इन मार्गों पर यदि कहीं भी अतिक्रमण किया गया हो, तो कठोरतापूर्वक कार्यवाही करते हुए उसे हटाया जाए।

स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल की नई ओपीडी का सीएम ने किया निरीक्षण, दिए निर्देश

महाकुम्भ नगर, 23 दिसम्बर। महाकुम्भ की तैयारियों की समीक्षा करने के लिए प्रयागराज पहुंचे सीएम योगी ने महा कुम्भ क्षेत्र के बाहर भी जन सुविधाओं की जानकारी ली। इसी क्रम में सीएम शहर के स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल पहुंचे और यहां उन्होंने तैयारियों की जानकारी ली। साथ ही आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए।

नया रैन बसेरा बनाने का निर्देश

मुख्य मंत्री ने अस्पताल में निर्मित नई ओपीडी का निरीक्षण किया। इस ओपीडी की क्षमता अब 4000 मरीजों की हो जाएगी। इस नई ओपीडी का निर्माण 5.5 करोड़ की लागत से किया गया है। मुख्यमंत्री ने मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज की प्रिंसिपल डॉक्टर वत्सला मिश्रा से पूछा कि अस्पताल में मरीजों के परिजनों के लिए क्या इंतजाम हैं। डॉक्टर मिश्रा ने बताया कि अभी 100 बेड की क्षमता का एक रैन बसेरा उनके पास है। इसके बाद मुख्यमंत्री ने 50 बेड का एक नया रैन बसेरा भी मरीज के तीमारदारों के लिए बनवाने के निर्देश दिए।

बर्न वार्ड में बड़ी बेड की संख्या

इसके बाद सीएम ने अस्पताल के निर्माणधीन बर्न वार्ड का भी निरीक्षण किया। 20 बेड वाले इस वार्ड को उ०प्र० प्रोजेक्ट कारपोरेशन लि. 235.83 लाख की लागत से तैयार कर रहा है। इसमें पूर्व में बर्न वार्ड में बेडों की संख्या 26 थी और अब इसकी कुल क्षमता 46 हो जाएगी। यह मण्डल का एक मात्र बर्न यूनिट सेन्टर है। वर्तमान में बेड की संख्या बढ़ जाने के कारण बर्न के अधिक मरीजों को एक साथ बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होगी। सीएम ने डाक्टरों से पूछा कि यह कब से खुल जाएगा तो डाक्टरों का कहना था कि मंगलवार से इसमें मरीज भर्ती हो सकते हैं।

हरियाणा

केरल में नमो के सबका साथ–सबका विकास विजन को साकार करती मनोहर पहल

केंद्रीय ऊर्जा मंत्री के साथ मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने ऊर्जा एवं शहरी विकास परियोजनाओं पर की चर्चा

मुख्यमंत्री के साथ नई परियोजनाओं पर किया मंथन

खास बात यह है कि केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल से मुलाकात की और ऊर्जा एवं शहरी विकास परियोजनाओं पर चर्चा की।

यही नहीं उन्होंने केरल राज्य के विकास को लेकर केंद्रीय मंत्री से नए प्रोजैक्टों का शुरू करने का आग्राह भी किया। वहीं, केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने

मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने शहरी विकास के साथ ऊर्जा की परियोजनाओं को बढ़ावा देने और बुनियादी ढांचे की मजबूती के सहयोग का आश्वासन दिया।

मनोहर लाल ने मुख्यमंत्री को आश्वस्त किया कि केरल में शहरी विकास और ऊर्जा परियोजनाओं को तेजी में केंद्र सरकार की ओर से पूरा सहयोग किया जाएगा।

चंडीगढ़, दिसंबर : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ-सबका विकास विजन को केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल साकार कर रहे हैं। देश के हरके राज्य में पहुंचकर खुद विकास का रोडमैप तैयार कर रहे हैं। उत्तर से लेकर दक्षिण और पूर्वती राज्यों में केंद्रीय परियोजनाओं को गति देने के बाद रविवार को केरल पहुंचे। केरल में वामपंथी दलों की साझा सरकार है, परंतु मनोहर लाल ने सबका विकास विजन के तहत राज्य में केंद्रीय परियोजनाओं को रफ्तार देने की नई पहल की है। समुद्र तट के दक्षिण-पश्चिमी राज्य केरल में पन बिजली के साथ सौर ऊर्जा का अच्छा खासा स्कोप है। लिहाजा, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने अधिकारियों को सौर ऊर्जा की संभावनाएं तलाशने के निर्देश दिए है। इसके साथ ही शहरी क्षेत्रों के विकास और बुनियादी सुविधाओं को मजबूती देने को लेकर भी अधिकारियों को योजनाएं तैयार करने के निर्देश दिए। यहां पर केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने केंद्रीय परियोजनाओं की समीक्षा की। केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल ने केरल के ऊर्जा मंत्री के कृष्णनकुट्टी और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ राज्य में जल विद्युत और ऊर्जा भंडारण परियोजनाओं को बढ़ावा देने का रोडमैप तैयार किया है। ऊर्जा परियोजनाओं में एनटीपीसी पीपीए को मजबूत करने और एचवीडीसी प्रणालियों को अनुकूलित करने के वित्तीय सहयोग पर चर्चा हुई। इसके साथ ही केंद्रीय ऊर्जा मंत्री ने केंद्र सरकार की परियोजनाओं को गति देने के भी निर्देश दिए, जिसमें पीएमएवाई-यू 2.0, अमृत, एसबीएम 2.0 और इलैक्ट्रिक बस की शुरुआत शामिल है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह ने कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा के पौत्र व पौत्रवधु को दिया आशीर्वाद

मुख्यमंत्री ने गांव तलहेडी में काफिला रोक कर लोगों से की मन की बात साझा, मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं से की बातचीत

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा के पौत्र व पौत्र वधु को आशीर्वाद देते हुए।

पिहोवा, दिसंबर : हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति से मिलकर सरकार समस्याओं का समाधान कर रही है। इस सरकार ने योग्य प्रार्थी को योजना का लाभ घर तक पहुंचाने के संकल्प को पूरा करने का प्रयास किया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आज गांव चनालहेडी में कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा के निवास पर कार्यकर्त्ताओं से बातचीत कर रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह का आईएसआई एकैडमी में बने हैलीपैड पर पहुँचने पर भाजपा नेता जय भगवान शर्मा ने स्वागत किया। इस के बाद मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गांव तलहेडी में सड़क पर मुख्यमंत्री की एक झलक देखने के लिए खड़े नागरिकों से मिलने के लिए अपने काफिले को रूकवाया। यहाँ ग्रामीणों से मिले और बुजुर्गों ने मुख्यमंत्री को आशीर्वाद भी दिया तथा अपने बातों को मुख्यमंत्री के समक्ष रखा। इतनी ही नहीं मुख्यमंत्री ने लोगों के साथ काफी अपने मन की बात को सांझा किया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी लोगों से मिलने के बाद कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा के निवास गांव चनालहेडी पहुँचे। यहाँ पर मुख्यमंत्री ने कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा के पौत्र विश्वजीत व पौत्र वधु शोभा को आशीर्वाद दिया और कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा के साथ साथ परिवार के सदस्यों मदन राणा, नेपाल सिंह राणा, सुखविंदर राणा, गुलशन राणा को बधाई और शुभकामनाएं दी है। यहां कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को स्मृति चिन्ह भेंट किया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने भाजपा नेताओं और कार्यकर्त्ताओं से व्यक्तिगत रूप से मिले और सभी की बात सुनी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार की तरफ से सभी नागरिकों की बात को सुना जा रहा है। यह सरकार लोगों की आशा के अनुरूप काम कर रही है। इस मौके पर हरियाणा घुमतु विमुक्त जाति आयोग के चेयरमैन जय सिंह पाल, भाजपा नेता राम किशन, भाजपा नेता राजेंद्र बाखली, भाजपा नेता लाठी पाल, राजबीर राणा, मोहन राणा, बृजपाल राणा, राजपाल राणा, मोहित शर्मा, संजय तंवर, श्याम, नरेंद्र आदि उपस्थित थे।

प्रताप पब्लिक स्कूल, तरावड़ी में रोबोटिक्स कार्यशाला का आयोजन

नीलोखेड़ी सुखविंदर सोही

नीलोखेड़ी। प्रताप पब्लिक स्कूल, तरावड़ी में हब ऑफ लर्निंग के तहत एक रोबोटिक्स कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में छह स्कूलों के छात्रों ने भाग लिया। इसका मुख्य उद्देश्य छात्रों को रोबोटिक्स के व्यावहारिक ज्ञान और आधुनिक तकनीकों से परिचित कराना था। कार्यशाला का मुख्य आकर्षण छात्रों द्वारा तैयार किया गया एक कार्यशील "व्हील-ड्रिवन रोबोट" मॉडल था, जो बैटरी और पहियों की मदद से संचालित होता है। छात्रों ने रोबोटिक्स के विभिन्न उपयोगों जैसे वैक्यूम क्लीनर, पैकेजिंग और परिवहन के उदाहरण प्रस्तुत किए। इसके साथ ही, उन्होंने अमेजन जैसी कंपनियों द्वारा रोबोट के उपयोग और रोबोटिक्स के भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा की। विद्यालय के छात्रों ने अपने मॉडल न केवल प्रस्तुत किए बल्कि उनकी कार्यप्रणाली को भी समझाया। उन्होंने दिखाया कि बैटरी, मोटर और पहियों को कैसे जोड़कर रोबोट को संचालित किया जा सकता है। कार्यशाला के दौरान प्रधानाचार्य और शिक्षकों ने छात्रों को मार्गदर्शन दिया और उनके प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम में शामिल अन्य स्कूलों के छात्रों और उनके शिक्षकों ने भी इस कार्यशाला से बहुत कुछ सीखा। इसने कार्यशाला को ज्ञानवर्धक और रोचक बना दिया। प्रधानाचार्य विकास उतरेजा ने रोबोटिक्स के बढ़ते महत्व और इसके उपयोगों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि यह कार्यशाला छात्रों में नवाचार, तकनीकी कौशल और टीमवर्क को प्रोत्साहित करने में सफल रही। निर्देशिका पिथी चौधरी ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम उनके लिए एक प्रेरणादायक और अद्वितीय अनुभव साबित हुआ। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में अधिकांश कार्य रोबोटिक्स के माध्यम से किए जाएंगे।

केंद्र सरकार ने निः शुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम में किया संशोधन

अब 5वीं-8वीं की नियमित परीक्षा में असफल होने वाले विद्यार्थी अगली कक्षा में नहीं होंगे प्रमोट

असफल विद्यार्थी को दो माह बाद पुन परीक्षा देने का मिलेगा मौका, असफल रहने पर उसी कक्षा की पुन करनी होगी पढ़ाई

चंडीगढ़, दिसंबर : केंद्र सरकार ने नि:शुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम में संशोधन कर दिया है। संशोधन के बाद अब 5वीं-8वीं की नियमित परीक्षा में असफल होने वाले विद्यार्थियों को अगली कक्षा में प्रमोट नहीं किया जाएगा। हां, उस विद्यार्थी को दो माह बाद पुन परीक्षा देने का अवसर जरूर मिलेगा। यदि वह उस दौरान भी असफल होता है या परीक्षा उतीर्ण नहीं कर पाता है तो उसे उसी कक्षा में रोक लिया जाएगा। यानि उस विद्यार्थी को उसी कक्षा की पढ़ाई पुन करनी होगी। खास बात यह है कि अधिनियम से जुड़ा संशोधन पूरे देश में 16 दिसंबर से लागू हो चुका है।

शिक्षक विद्यार्थी के साथ-साथ अभिभावकों का करेगा मार्गदर्शन

संशोधन के अनुसार विद्यार्थी को रोके रखने के दौरान कक्षा शिक्षक विद्यार्थी के साथ-साथ उसके अभिभावकों का भी मार्गदर्शन करेगा। निर्धारण के विभिन्न चरणों पर अधिगम के अंतरालों की पहचान करने के पश्चात विशेषज्ञीय इनपुट प्रदान करेगा। वहीं, स्कूल प्रमुख ऐसे विद्यार्थियों की सूची बनाएगा, जो रोके गए हैं और उनको विशेषज्ञीय इनपुट के लिए प्रदान किए गए उपबंधों और पहचाने गए अधिगम के अंतरालों के संबंध में उनकी प्रगति पर व्यग्तिगत रूप से मॉनिटरिंग करेगा। यह भी कहा गया है कि विद्यार्थी के समग्र विकास को पाने के लिए परीक्षा और पुन परीक्ष सक्षमता आधारित परीक्षाएं होंगी, न की याद करने और प्रक्रियात्मक कौशल पर आधारित होंगी। किसी भी विद्यार्थी को तब तक किसी स्कूल से नहीं निकाला जाएगा, जब तक वह प्रारंभिक शिक्षा पूरी नहीं कर लेता है।

पहले 8वीं तक असफल होने के बावजूद विद्यार्थी अगली कक्षा में होते रहे प्रमोट

वरिष्ठ प्राध्यापक संदीप खोखर का कहना है कि केंद्र सरकार के निशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम में संशोधन करने से पहले 8वीं कक्षा तक किसी भी विद्यार्थी को असफल होने पर भी उसी कक्षा में नहीं रोका जाता था। बाकायदा उसे अगली कक्षा में प्रमोट कर दिया जाता था। यह सिलसिला कई सालों से चलता आ रहा था। हालांकि इस क्रम के दौरान जब वहीं विद्यार्थी 9वीं कक्षा में पहुंचता था तो वह शैक्षणिक रूप से काफी कमजोर होता था, जिस कारण वह 9वीं कक्षा को उतीर्ण नहीं कर पाता था और वह असफल हो जाता था। ऐसे में स्कूलों में 9वीं कक्षा का ड्रापआउट भी बढ़ रहा था। मगर अब केंद्र सरकार के अधिनियम में संशोधन के बाद ड्रापआउट पर रोक लगाने में कारगर साबित होगा।

हरियाणा के सरकारी स्कूलों में शिक्षा दीक्षा से पहले की जाए शिक्षकों की व्यवस्था : राजेश शर्मा

बिना शिक्षक चल रहे यमुनानगर में 150 से अधिक और अंबाला में 70 से 80 स्कूल

चंडीगढ़, दिसंबर : शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षा दीक्षा अभियान की पहल की गई है। समय-समय पर स्कूलों का निरीक्षण होता भी रहना चाहिए। उनमें जो कमी पाई जाती है, उसका निवारण भी होना चाहिए। लेकिन कार्यक्रम को चलाने से पहले विभाग और अधिकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी को पूरा करें। राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ हरियाणा के राज्य प्रवक्ता अमित छाबड़ा ने बताया कि अंबाला, यमुनानगर सहित अन्य जिलों में कई स्कूल ऐसे हैं, जहां शिक्षकों की काफी संख्या में कमी है। अंबाला में लगभग 70 से 80 स्कूल ऐसे हैं, जो बिना शिक्षक के चल रहे हैं। वहां अन्य स्कूलों से शिक्षकों को समायोजित किया गया है। यमुनानगर में इससे भी भयावक है वहां पर लगभग 150 के करीब विद्यालय ऐसे हैं, जहां शिक्षक नहीं है। अधिकारियों द्वारा आंतरिक व्यवस्था करके वहां शिक्षकों की व्यवस्था की गई है, जिससे उन स्कूलों में जहां शिक्षा प्रभावित हो रही है। शिक्षकों के अभाव से उसके साथ ही उन स्कूलों में भी शिक्षण व्यवस्था चरमरा गई है। जिन स्कूलों से अंतरिम व्यवस्था करके अध्यापकों को दूसरे स्कूलों में भेजा गया है। राज्य सचिव नरेंद्र सिंह ने कहा कि शिक्षक का मूल कार्य शिक्षा प्रदान करना है। वहीं शिक्षकों गैर शैक्षणिक कार्यो में भी व्यस्त किया गया है। बीएलओ ड्यूटी, उल्लास कार्यक्रम प्रत्येक बच्चे की यू डाइस पर अपार आईडी बनाना व पीपीपी का कार्य शिक्षण प्रक्रिया पर बुरा प्रभाव डाल रहा है। राज्य महासचिव राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ हरियाणा के राजेश शर्मा ने संघ की तरफ से मांग की है कि सरकार रेशनेलाइजेशन करके छात्र संख्या के आधार पर स्कूलों में नियमित भर्ती कर शिक्षक उपलब्ध करवाए और शिक्षकों से गैर शैक्षिक कार्य न करवाएं जाए।

हरियाणा सेवा का अधिकार आयोग ने यूएचबीवीएन को असुविधा के लिए मुआवजा देने के दिए निर्देश

आयोग ने यूएचबीवीएन के एक्सियन को 10 जनवरी तक अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करने के दिए निर्देश

चंडीगढ़, दिसंबर : हरियाणा सेवा का अधिकार आयोग ने पानीपत में उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम (यूएचबीवीएन) को उपभोक्ता बिमला को निगम द्वारा औसत बिल बनाने के कारण हुई अनावश्यक देरी के लिए 5000 रुपए का मुआवजा देने के निर्देश दिए है। प्रवक्ता ने बताया कि बिमला ने मई 2024 तक नियमित रूप से अपने बिलों का भुगतान करने के बावजूद यूएचबीवीएन द्वारा उनके बिजली मीटर की औसत बिलिंग के संबंध में आयोग से संपर्क किया था। उनके अनुरोध पर निगम निर्धारित सात दिनों के भीतर सेवा प्रदान करने में विफल रहा। जिसके परिणामस्वरूप उपभोक्ता को अनुचित रूप से परेशान किया गया। उपभोक्ता को सही बिल प्राप्त करने के बजाय जुलाई 2023 से जुलाई 2024 तक लगभग एक वर्ष के लिए औसत बिलिंग जारी की गई। शिकायत के अनुसार बिमला ने यूएचबीवीएन द्वारा अपने बिजली मीटर की औसत बिलिंग के संबंध में आयोग से संपर्क किया था। उन्होंने मई 2024 तक अपने बिलों का नियमित रूप से भुगतान किया था। उनके अनुरोध पर निगम निर्धारित सात दिनों के भीतर सेवा प्रदान करने में विफल रहा। जिसके परिणामस्वरूप उपभोक्ता को अनुचित रूप से परेशान किया गया। उपभोक्ता को सही बिल प्राप्त करने के बजाय जुलाई 2023 से जुलाई 2024 तक लगभग एक वर्ष के लिए औसत बिलिंग जारी की गई।

औसत बिलिंग के संबंध में आयोग ने मामले की गहन समीक्षा की

बिमला ने पहले प्रथम शिकायत निवारण प्राधिकरण से संपर्क किया था। लेकिन एक महीने बाद भी कोई समाधान नहीं होने पर उनकी शिकायत बंद कर दी गई। औसत बिलिंग के संबंध में उपभोक्ता की शिकायत के जवाब में आयोग ने मामले की गहन समीक्षा की। जांच में यह स्पष्ट हुआ कि यूएचबीवीएन अधिकारियों की उदासीनता के कारण उपभोक्ता को परेशानी का सामना करना पड़ा। संबंधित अधिकारियों से सुनवाई के बाद आयोग ने यूएचबीवीएन को निर्देश दिया कि वह बिमला को हुई असुविधा के लिए 5000 रुपए का मुआवजा दे। निगम को निर्देश दिया गया कि वह या तो अपने फंड से उपभोक्ता के खाते में राशि समायोजित करे या फिर सीधे उपभोक्ता के बैंक खाते में मुआवजा ट्रांसफर करे। यूएचबीवीएन के एक्सियन को 10 जनवरी तक आयोग को अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने देश में राजनीति का नया अध्याय लिखा : पंडित मोहन लाल बड़ौली

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की स्मृति में भाजपा कार्यालय गुरुकमल में हुआ काव्यांजलि का आयोजन

कांग्रेस के अलावा दूसरी पार्टी सरकार नहीं चला सकती कांग्रेस के इस भ्रम को अटल जी ने तोड़ा : बड़ौली

चंडीगढ़, दिसंबर : पूर्व प्रधानमंत्री व भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में रविवार को अटल काव्यांजलि का आयोजन हुआ। पार्टी कार्यालय गुरुकमल में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली मुख्यातिथि के रूप में पहुंचे। कार्यक्रम शुरू करने से पहले प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली और कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह, जिला अध्यक्ष कमल यादव व भाजपा नेताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित कर अटल जी को याद किया। इस मौके पर सभी कार्यकर्त्ताओं और नेताओं ने दो मिनट का मौन रखा और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी व पूर्व मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला की आत्मा की शांति के लिए भगवान से प्रार्थना की। कार्यक्रम में आए कवियों ने अटल जी की स्मृति में कविताओं का पाठ कर खूब तालियां बटोरी। अटल जी के जन्म शताब्दी दिवस पर उनको याद करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने देश में राजनीति का एक नया अध्याय लिखा। कांग्रेस पार्टी ने झूठा प्रचार किया हुआ था कि देश में कांग्रेस के अलावा कोई दूसरी पार्टी सरकार नहीं चला सकती। उन्होंने कहा कि श्री वाजपेयी ने कांग्रेस के भ्रम को तोड़ने का काम किया। अटल जी जैसा व्यक्तित्व विरले ही जन्म लेते हैं। भारत का संसदीय इतिहास सदैव उनका गुणगान करेगा। बड़ौली ने कहा कि भाजपा का मजबूत संगठन सरकार चलाने के साथ-साथ विकास के काम कर रहा है। श्री अटल जी की प्रेरणा से भाजपा विजन के साथ भय, भूख और भ्रष्टाचार को खत्म करने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि दुनिया के बहुत से देश भारत की ताकत को नहीं जानते थे, लेकिन जब अटल जी ने पोखरण में परमाणु परीक्षण कराया तब दुनिया में भारत की ताकत का मैसेज गया और लोगों को पता लगा कि भारत जैसा शक्तिशाली और संपन्न देश भी विश्व में है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने भारत की आत्मा को जगाने का काम किया है। बड़ौली ने कहा कि कारगिल की लड़ाई के दौरान पाकिस्तान ने पीठ में छूरा घोंपने का प्रयास किया था, लेकिन अटल जी के नेतृत्व वाली सरकार में हमारी फौज ने दुनिया की सबसे उंची पहाड़ियों पर विजय का परचम लहराया और पाकिस्तान को सबक सिखाया। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की योजना थी कि देश की सीमाओं को सड़कों से जोड़ा जाए जिसे पीएम मोदी पूरा कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना भी अटल जी की ही देन थी। उस समय किसी ने कल्पना भी नहीं की थी जब अटल जी ने किसानों को क्रैडिट कार्ड देकर लाभान्वित किया। पार्टी कार्यालय पहुंचने पर जिला अध्यक्ष कमल यादव ने प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली, कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह व कवियों का स्वागत किया। विमल ग्रोवर ने कवि सम्मेलन का संचालन किया। राष्ट्रीय कवि संगम के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डा. अशोक बत्रा की विशिष्ट उपस्थिति में महेश मुकदम, विमलेन्दु सागर, चांदनी केशरवानी, लोकेश चौधरी ने कविताओं के माध्यम से श्रोताओं को आनंद के सागर में खूब गोते लगवाए। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली, जिला अध्यक्ष कमल यादव, कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह, प्रदेश सचिव गार्गी कक्कड़, जिला प्रभारी संदीप जोशी, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष उषा प्रियदर्शी, एससी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सत्य प्रकाश जरावता, सदस्यता अभियान के सह संयोजक राज कुमार, जिला महामंत्री रामबीर भाटी, सर्वप्रिय त्यागी के अलावा अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे।

ढोंगी हैं कांग्रेस के नेता : मोहन लाल बड़ौली

सवेरा ब्यूरो चंडीगढ़/गुरुग्राम : पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की समृति में आयोजित काव्यांजलि कार्यक्रम के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कांग्रेस को घेरा और कांग्रेस के नेताओं को ढोंगी कहा। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब की हमेशा उपेक्षा करने वाले कांग्रेस के नेता वोट बैंक की खातिर बाबा साहेब के अपने होने का ढोंग कर रहे हैं। राजनीतिक एजेंडे को साधने के लिए कांग्रेस और उसका "टूलकिट गैंग" भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के बयानों को तोड़-मरोड़ कर पेश कर समाज को बांटने का काम कर रहा है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि विभाजनकारी, द्वेषपूर्ण राजनीति को बल देने और चुनावों में मिल रही हार से हताश कांग्रेस के नेताओं ने लोकतंत्र के मंदिर को भी नहीं छोड़ा और अपनी साजिश का केंद्र बना दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने राज्यसभा में गृह मंत्री अमित शाह के पूरे बयान में से एक छोटे "एडिटेड वीडियो" को पेश कर साजिश रचने का काम किया। बड़ौली ने कहा कि कांग्रेस पार्टी अंबेडकर विरोधी, आरक्षण विरोधी और संविधान विरोधी पार्टी है, जबकि भाजपा ने बाबा साहब अंबेडकर की नीतियों का क्रियान्वयन किया और उनके उद्देश्यों का संरक्षण और संविधान का संवर्धन करने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी, संजय गांधी, राजीव गांधी के नाम पर देशभर में लाखों स्मारक बनवाएं, लेकिन बाबा साहेब अंबेडकर का स्मारक बनाने के लिए कोई प्रयास तक नहीं किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार में बाबा साहेब के जीवन के संबंधित पांच तीर्थ स्थानों का विकास किया गया।

ओडिशा के पूर्व राज्यपाल प्रो. गणेशी लाल ने पूर्व मुख्यमंत्री चौटाला के निधन पर जताया शोक

सिरसा, दिसंबर : ओडिशा के पूर्व राज्यपाल प्रो. गणेशी लाल व उनके पुत्र भाजपा नेता मनीष सिंगला आज गांव तेजाखेड़ा में पहुंचे और चौटाला परिवार के साथ संवेदना व्यक्त की। प्रो. गणेशी लाल ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय चौधरी ओमप्रकाश चौटाला के निधन से प्रदेश की जनता ने एक लोकहित आवाज को खोया है। चौटाला साहब, प्रदेश में 5 बार मुख्यमंत्री रहे थे और उन्होंने हमेशा जनता के हितों की लड़ाई लड़ी। सरकार चाहे, कोई भी रही हो, लेकिन कभी झुके नहीं। विशेष पहचान रखने वाले ओपी चौटाला के निधन से समाज को हुई क्षति की पूर्ति संभव नहीं है। स्वर्गीय ओमप्रकाश चौटाला अपने पिता उप प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी देवीलाल के आदर्शों पर चल रहे थे और सदैव किसानों के हितकारी रहे। प्रो. गणेशीलाल व मनीष सिंगला ने कहा कि इस दुख की घड़ी में सिंगला परिवार चौटाला के परिवार के साथ खड़ा है। इस मौके पर हरियाणा बीज विकास निगम के चैयरमेन देव कुमार शर्मा, हरियाणा गुर्जर सभा के प्रदेश अध्यक्ष सांवरमल गुर्जर, हरपिंदर शर्मा व ओएसडी सुनील सैनी उपस्थित रहे।

नोटिस

सर्वसाधारण को एवम सम्बन्धित सरकारी विभागों को सूचित किया जाता है कि सब-रजिस्ट्रार संयुक्त सब-रजिस्ट्रार के समक्ष हस्तानतरण पत्र क्रेता द्वारा तिथि 19.12.2024 को पंजीकरण हेतु पेश किया गया है। शाहाबाद मौहल्ला खटीकान शाहाबाद में स्थित मकान प्रोपर्टी आई.डी. नंबर 8C9JV6F5, रकबा 58.11 वर्ग गज है, जोकि राम सिंह पुत्र श्री [illegible] लाल निवासी [illegible] द्वारा अपना 1/2 भाग अपने भाई [illegible] को ट्रांसफर की जानी है। यदि इस दस्तावेज पर पंजीकरण के सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति व विभाग को भूमि के शीर्षक अथवा मलकीयत के कोई आपत्ति ऐतराज हो तो वह सब-रजिस्ट्रार संयुक्त सब-रजिस्ट्रार के कार्यालय में 15 दिन के अन्दर स्वयं आकर उपरोक्त भूमि से सम्बन्धित साक्ष्य कोर्ट का स्टे इत्यादि असालतन व वकालतन प्रस्तुत करें अन्यथा समाचार पत्र में प्रकाशित होने के 15 दिन उपरांत नियमानुसार कार्यवाही करते हुए यह दस्तावेज पन्जीकृत कर दिया जाएगा।

सब-रजिस्ट्रार /संयुक्त सब रजिस्ट्रार शाहाबाद मारकंडा

मुख्यमंत्री नीतीश ने 'प्रगति यात्रा' के दौरान पश्चिम चम्पारण जिले के गांव का भ्रमण किया

विकास कार्यों का लिया जायजा, कई योजनाओं का किया उद्घाटन एवं शिलान्यास।

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

बेतिया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सोमवार को प्रथम चरण की 'प्रगति यात्रा' पश्चिम चम्पारण जिले से प्रारंभ की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पश्चिम चम्पारण जिले के मझौलिया प्रखंड की धोकराहां पंचायत अंतर्गत शिकारपुर गाँव पहुंचकर मनरेगा पार्क का अवलोकन किया। मनरेगा योजना के तहत पार्क का निर्माण हुआ है, जो धोकराहां पंचायत के बीचोंबीच स्थित है, जिसके पश्चिम दिशा में एक तालाब अवस्थित है। इस पार्क में स्थानीय बच्चों के खेलने के लिए 'चिल्ड्रेन पार्क' भी बना हुआ है। पार्क के निर्माण से धोकराहां पंचायत के साथ-साथ आसपास की पंचायत के लोग भी इससे लाभान्वित हो रहे हैं। मनरेगा पार्क के ठीक पीछे जल-जीवन-हरियाली अभियान के तहत निर्माण कराये गये तालाब का अवलोकन करते हुए मुख्यमंत्री ने मछली का जीरा छोड़ने के साथ ही इसे जीविका के ग्राम संगठनों को हस्तांतरण किया। हस्तांतरण के फलस्वरूप मुख्यमंत्री के हाथों प्रमाण पत्र प्राप्त करते हुए जीविका दीदियों का चेहरा उत्साह एवं आत्मविश्वास से भरा हुआ था। इससे न केवल महिलाओं के जीविकोपार्जन में वृद्धि होगी बल्कि महिला सशक्तीकरण को भी बल मिलेगा। साथ ही पर्यावरण संरक्षण में भी सहायता मिलेगी। मनरेगा पार्क के निरीक्षण के पश्चात मुख्यमंत्री ने इसके निकट में बने उत्सव भवन एवं पुस्तकालय का उद्घाटन कर अवलोकन किया। यह पुस्तकालय, उत्सव भवन के ठीक दक्षिण में अवस्थित है। इस पुस्तकालय में एक समय में 30 व्यक्तियों के बैठने की व्यवस्था के साथ-साथ लगभग 1000 विभिन्न प्रकार के ज्ञानवर्द्धक पुस्तकों का संग्रहण है। यह पुस्तकालय वित्तीय वर्ष 2024-25 में पंचायती राज विभाग के द्वारा निर्मित है। मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री निजी (अन्य प्रजाति) पौधशाला प्रोत्साहन योजना अंतर्गत वन विभाग द्वारा 16 नर्सरी हेतु 48 लाख रुपये का चेक वितरण किया।

जीकेसी के प्रदेश युवा अध्यक्ष बने राहुल मणि - बिहार प्रदेश को मिलेगी मजबूती : रागिनी रंजन

जितेन्द्र कुमार सिन्हा,

पटना, 23 दिसम्बर :: जीकेसी (ग्लोबल कायस्थ कॉन्फ्रेंस) के बिहार प्रदेश युवा अध्यक्ष राहुल मणि को बनाया गया है। इसकी जानकारी पटना उच्च न्यायालय के अधिवक्ता सह जीकेसी के ग्लोबल उपाध्यक्ष - सह - बिहार प्रदेश अध्यक्ष दीपक कुमार अभिषेक ने दी। उन्होंने बताया कि उक्त अवसर पर प्रबंध न्यासी रागिनी रंजन ने राहुल मणि को सम्मानित करते हुए कहा कि बिहार प्रदेश युवा अध्यक्ष बनने से जीकेसी की बिहार प्रदेश को मजबूती मिलेगी और जिस प्रकार जीकेसी अपनी सदस्यता अभियान चला रहा है, उसमें युवाओं को जोड़ने में गति और तेज होगी। दीपक अभिषेक ने बताया कि बिहार प्रदेश युवाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से बिहार प्रदेश युवा अध्यक्ष राहुल मणि को मनोनीत किया गया है। उन्होंने बताया कि श्री मणि बिहार के युवाओं को जीकेसी से जोड़कर संगठन को मजबूती देंगे। दीपक अभिषेक ने बताया कि श्री मणि की सक्रीय सहभागिता को देखते हुए बिहार प्रदेश युवा अध्यक्ष मनोनीत होने के उपरांत राहुल मणि ने अपने पद का कार्यभार संभाल लिया है। उक्त अवसर पर प्रबंध न्यासी रागिनी रंजन, ग्लोबल उपाध्यक्ष सह बिहार प्रदेश अध्यक्ष दीपक कुमार अभिषेक बिहार प्रदेश महासचिव संजय कुमार सिन्हा सहित ऋतिक मणि एवं प्रसून श्रीवास्तव उपस्थित थे। राहुल मणि को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। बिहार

प्रदेश अध्यक्ष दीपक अभिषेक ने बताया कि जीकेसी मधेपुरा सदस्य राजेश कुमार वर्मा ने भरगामा, अररिया से आदित्य कुमार सिन्हा, वीरनगर, अररिया से भोलू कुमार श्रीवास्तव एवं लहेरियासराय से निशांत कुमार श्रीवास्तव को जीकेसी के सदस्यता दिलाई गई। श्री मणि को एवं अन्य नये सदस्यों को बधाई देने वालों में बिहार प्रदेश प्रवक्ता मुकेश महान, वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष निलेश रंजन, पटना जिला अध्यक्ष सुशील श्रीवास्तव, पटना जिला महासचिव धनंजय प्रसाद, आशुतोष ब्रजेश, डॉ० हर्षवर्धन, दिलीप कुमार सिन्हा, नवीन कुमार, रवि शंकर प्रसाद सिन्हा, रवि सहाय, अनिल कुमार दास, शामिल थे।

भारत के विकास में किसानों की अहम भूमिका विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित।

राष्ट्रीय किसान दिवस एवं भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी सह पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की 122 वीं जन्मदिवस पर सत्याग्रह रिसर्च फाउंडेशन , मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा भव्य कार्यक्रम का आयोजन।

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क

चंपारण। राष्ट्रीय किसान दिवस एवं भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी सह भारत सरकार के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की 122वी जन्म दिवस के अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एक कार्यशाला का भी आयोजन किया गया जिसका विषय था" भारत के विकास में किसानों की अहम भूमिका"। जिसमें विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों, बुद्धिजीवीयो एवं छात्र छात्राओं ने भाग लिया। इस अवसर पर सचिव सत्याग्रह रिसर्च फाउंडेशन डॉ एजाज अहमद अधिवक्ता ,डॉ शाहनवाज अली ,डॉ अमित कुमार लोहिया ,वरिष्ठ पत्रकार सह संस्थापक मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट डॉ अमानुल हक, सामाजिक कार्यकर्ता नवीदूं चतुवेर्दी, पश्चिम चंपारण कला मंच की संयोजक शाहीन परवीन ने संयुक्त रूप से श्रद्धांजलि

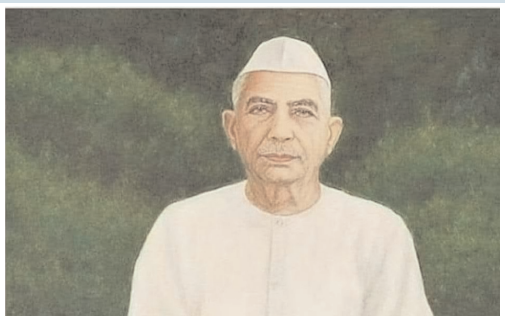

अर्पित करते हुए कहा कि आज ही के दिन 23 दिसंबर 1902 को महान स्वतंत्रता सेनानी सह भारत सरकार के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह का जन्म हुआ था। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के आदर्श एवं मूल्यों के अनुरूप देश के विकास एवं किसानों के प्रति उनके मन में बहुत हमदर्दी थी।

मलेरिया उन्मूलन के लिए आशा कार्यकताओं को किया गया प्रशिक्षित

सदर अस्पताल में आशा कार्यकर्ताओ को दिया गया प्रशिक्षण

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क

मोतिहारी। सदर अस्पताल, मोतिहारी के आरसीटी में गुरुवार को जिले के 100 चयनित आशा कार्यकताओं को मलेरिया उन्मूलन के लिए 2 दिनों तक प्रशिक्षण दिया गया। इसमें जिले के सभी 27 प्रखंडों की आशा कार्यकर्ता शामिल थीं। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में डीभीबीडीसीओ डॉ शरत चंद्र शर्मा ने कहा कि मलेरिया बुखार मच्छरों के काटने से होने वाला एक संक्रामक रोग है। मलेरिया मादा एनोफिलीज मच्छर के

काटने से होता है। इस मादा मच्छर में एक खास प्रकार का परजीवी पाया जाता है जिसे प्लाज्मोडियम नाम से जाना जाता है। इस मच्छर के काटते ही व्यक्ति के शरीर में प्लाज्मोडियम नामक जीवाणु प्रवेश कर जाता है। इसके बाद वह रोगी के शरीर में पहुंचकर उसमें कई गुना वृद्धि कर देता है। मलेरिया होने पर समय पर इलाज नहीं मिलने पर यह रोग जानलेवा भी हो सकता है।

शिवम क्लब ने हीरो क्लब को हराकर उठाई पीएल क्रिकेट टूर्नामेंट की ट्राफी

महोबा। अजनर के कुरेले मैदान में चल रहे एपीएल क्रिकेट टूर्नामेंट का रविवार को हीरो क्लब आर शिवम क्लब के बीच खेला गया, जिसमें शिवम क्लब ने 56 रनों से हीरो क्लब को हराकर ट्राफी कर कब्जा जमा लिया। फाइनल मुकाबला देखने के लिए स्थानीय लोगों के साथ साथ आसपास के ग्रामीण अंचलों से भी क्रिकेट प्रेमियो की खासी भीड़ उमड़ी। टूर्नामेट के समापन अवसर पर कमेटी द्वारा विजेता और उपविजेता टीम के ट्राफी और नगद पुरूस्कार देकर सम्मानित किया गया।

रविवार को एपीएल क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल मैच का टॉस हीरो क्लब की टीम ने जीता और पहले फील्डिंग करने का फैसला लिया गया। आम्पायरों के ग्राउंड पर पहुंचे ही टीम के कप्तान द्वारा फील्ड सजाई गई, इसके बाद ओपनर बल्लेबाजों ने खेल की शुरुआत करते हुए बेहतरीन बल्लेबाजी से दर्शकों को तालियां बजाने के लिए मजबूर कर दिया, लेकिन सलामी बल्लेबाजो के आउट होने के बाद शिवम क्लब के सभी बल्लेबाजों के सहयोग से निर्धारित 16 ओवर में सभी विकेट खोकर 145 का लक्ष्य हीरो क्लब के खिलाड़ियों के मध्य रखा।

लंच के बाद शुरू हुई दूसरी पारी में शिवम क्लब के कप्तान ने मैदान पर फील्ड सजाई और विरोधी टीम के ओपन बल्लेबाजों को खेलने का न्योता दिया, लेकिन हीरा क्लब के बल्लेबाज गेंदबाजों की स्पीड के चलते शुरूआती विकेट खोने लगी और इसके बाद मीडिल आडर के बल्लेबाजों ने कुछ देर बल्ले से रन बनाए लेकिन 15 ओर में 10 विकेट खोकर मात्र 89 रन बनाए और 56 रनों से शिवम क्लब ने एपीएल की ट्राफी अपने नाम कर ली। टूर्नामेंट समापन पर कमेटी द्वारा विजेता और उपविजेता को पुरूस्कृत किया साथ ही ओरेंज कैप की ट्राफी एसपी राजा तथा पल्पल कैप की ट्राफी से लघुचंद्र को नवाजा गया। फाइनल मैच के निर्णायक की भूमिका देवेंद्र यादव और रामकुमार ने निभाई, जबकि आंखो देखा हाल संतोष राजपूत ने कमेंटेटर के रुप में सुनाया तो वही स्कोर का भार मोहम्मद शमीम के हाथो में रहा। इस मौके पर अरविंद कुशवाहा, घंटू सेठ सहित तमाम कमेटी के लोग मौजूद रहे।

बरामद शराब को पुलिस ने किया नष्ट

चित्रकूट। क्षेत्राधिकारी राजापुर जयकरन सिंह, अभियोजन अधिकारी ब्रजमोहन, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट लिपिक रामप्रकाश, प्रभारी निरीक्षक राजापुर मनोज कुमार व मुख्य आरक्षी नवल किशोर की उपस्थित में थाना राजापुर परिसर में गढ्ढा खोदवाकर 288 मुकदमा आबकारी अधिनियम के पंचनामा माल को नष्ट कराकर गढ्ढे में दबावकर विनिष्टकरण कराया। क्षेत्राधिकारी राजापुर जयकरन सिंह, सहायक अभियोजन अधिकारी हरिओम, लिपिक महेश प्रसाद, प्रभारी निरीक्षक सरधुवा आशुतोष तिवारी, आबाकारी निरीक्षक रविशंकर गुप्ता, मुख्य आरक्षी सुशील कुमार थाना सरधुवा की उपस्थित में थाना सरधुवा परिसर के बाहर गढ्ढा खोदवाकर दबाकर आग लगाकर 106 मुकदमा आबकारी अधिनियम के पंचनामा माल को नष्ट कराकर विनिष्टकरण कराया।

वांक्षितों को दबोचा

चित्रकूट। प्रभारी निरीक्षक राजापुर मनोज कुमार के मार्गदर्शन में उनि यदुवीर सिंह व उनकी टीम ने नाबालिक बालिका को बहला फुसलाकर ले जाकर दुष्कर्म करने के आरोपी अभियुक्त को गिरफ्तार किया। उधर थाना रैपुरा उनि राजेश कुमार, आरक्षी आकाष सेन ने दुष्कर्म के वाँछित दिनेश उर्फकुच्ची को गिरफ्तार किया।

गुरु गोविंद सिंह के साहिबजादों के बलिदान को याद करते हुए निकाली गई रैली

बाबा फतेह सिंह और बाबा जोरावर सिंह के जीवन पर भाइपाईयों ने डाला प्रकाश

■ महोबा

बाबा जोरावर सिंह व बाबा फतेह सिंह द्वारा धर्म की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान को याद करते हुए वीर बाल दिवस से पूर्व भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं ने कस्बा कबरई में रैली निकाल कर वीरों को श्रद्धांजलि आर्पित की। रैली के बाद गोष्ठी का आयोजन कर गुरू गोविंद सिंह के बलिदानी पुत्रों के जीवन पर प्रकाश डालकर युवाओं अपने इतिहास से प्रेरणा लेकर अपनी संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित रखने के लिए जागरूक किया।

जिले के कबरई मंडल अध्यक्ष के नेतृत्व में रविवार को भाजपाईयों ने कस्बे में बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह द्वारा धर्म की रक्षा के लिए दिए गए बलिदान को याद करते हुए वीर बाल दिवस से पूर्व रैली निकाली। रैली में दर्जनों भाजपाई मौजूद रहे जो बलिदानियों के उद्घोष लगाते हुए चल रहे थे। इस मौके पर भाजपा नेता हुकुम सिंह ने कहा कि जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह गुरु गोविन्द सिंह जी के चौथे पुत्र थे, उनका जन्म आनंद साहिब में हुआ था, वह बहुत ही साहसी और धार्मिक थे। उन्होंने बताया कि वीर बाल दिवस की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरु गोबिंद सिंह के प्रकाश पर्व पर की थी। हर वर्ष 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के रूप में मनाया जाएगा। यह दिवस साहिबजादे बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह की शहादत को समर्पित है।

उन्होंने बताया कि वजीर खान ने गुरु गोबिंद सिंह के पुत्रों को जिंदा दीवार में चुनवा दिया था। आज उसी स्थान को फतेहगढ़ साहिब के नाम से जाना जाता है। उन्होंने वीर बाल दिवस देश के वीर और साहसी इतिहास की सच्ची श्रद्धांजलि है। हमारे युवाओं को अपने इतिहास से प्रेरणा लेकर अपनी संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित रखना चाहिए। वक्ताओं ने गुरू गोविंद सिंह के बलिदान को भी याद करते हुए कहा कि मुगल शासकों ने सनातन धर्म को समाप्त करने के कई प्रयास किए, लेकिन गुरु गोबिंद सिंह जी ने अपनी चारों संतानें बलिदान कर सनातन संस्कृति को बचाया। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में गुरु गोबिंद सिंह के चारों पुत्रों की शहादत को विद्यालयों के पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है। भाजपाईयों ने साहिबजादों के बलिदान को अनुकरणीय बताते हुए कहा कि यह उनकी आस्था और साहस का प्रतीक है और युवाओं और छात्रों को अपने इतिहास से प्रेरणा लेना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

नगर पालिका सफाईकर्मियों ने नदी की हटाई गंदगी

चित्रकूट। महाकुंभ के लिए जारी सफाई अभियान के सातवें दिन नगर पालिका की सफाई टीम ने रामघाट के छोटेपुल के पास नदी के रैम्प में जमा लगभग एक फीट ऊँची सिल्ट की सफाई की इस सिल्ट की वजह से घाट गंदगी से बजबज़ा रहे थे और पूरी तरह निष्प्रयोज्य थे।बुंदेली सेना जिलाध्यक्ष अजीत सिंह ने बताया कि महाकुंभ तक लगातार मंदाकिनी नदी की सफाई का अभियान चलेगा छह दिन तक उनकी टीम ने सफाई की और सातवें दिन से अब नगर पालिका के सफाई कर्मी नदी में उतरे हैं रामघाट छोटेपुल के पास से बूडे हनुमान मंदिर तक नदी बेहद प्रदूषित थी इसी जगह सफाई अभियान जारी है पन्नालाल घाट में नदी के लगभग 3 मीटर चौड़े रैम्प में एक फिट ऊंचा मलबा जमा है इस मलबे की वजह से घाट निष्प्रयोज्य हो गया था जब मलबा निकल जाएगा तब लगभग 50 मीटर घाट नहाने लायक बन जाएगा बुंदेली सेना ने सिंचाई विभाग से भी नावें लगाकर नदी की सफाई शुरु करने की अपील की है स साथ ही पूरे रामघाट में सीढ़ियों की काई छुटाने का अभियान चलाने का अनुरोध किया है। इस मौके पर रामघाट के सफाई नायक आशीष कुमार पांच सफाई कर्मी मौजूद रहे।

ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल पर किया जागरूक

चित्रकूट। विकास खण्ड रामनगर में जन जागरूकता एवं स्वच्छता अभियान के अंतर्गत अधिशासी अभियंता जल निगम (ग्रामीण) द्वारा आईईसी गतिविधियों का कार्य मेसर्स अंबर प्रेस द्वारा राजस्व ग्राम तीरमऊ, बरुआ मुस्तकिल अतरसुई, सिरावल माफी, बांधी, देऊंधा, लिधौरा बरेठी, भंभेट मुस्तकिल, नादिन कुर्मियां, रगौली मुस्तकिल, छीबों, रेरुआ एवं पहाड़ी में गतिविधियां करके अधिशासी अभियंता ने उपस्थित ग्रामीण जनता को बताया कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत जो पानी दिया जा रहा है उसका पीने में उपयोग करें उन्होंने बताया कि समय-समय पर पानी को प्यूरिफाई किया जाता है इसमें किसी प्रकार की समस्या नहीं है। ग्रामीणों को जन जागरूक किया एवं विद्यालयों में ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया साथ ही आंगनवाड़ी केंद्र एवं सामूहिक स्वास्थ केंद्रों पर पौष्टिक आहार की जानकारी दी गई। मौके में रामनगर अवर अभियन्ता हरिकेश ने निरीक्षण कर ड्राइंग प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय व तृतीय पुरस्कार छात्र-छात्राओं में पुरस्कृत किया।

सपाइयों ने प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

चित्रकूट। लोकसभा में गृहमंत्री अमित शाह द्वारा बाबा साहब को अपमानित भरे शब्द बोलने पर समाजवादी पार्टी जिलाध्यक्ष की अगुवाई में पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं द्वारा धरना प्रदर्शन और कर ज्ञापन दिया। इस मौके पर शिवशंकर यादव जिलाध्यक्ष समाजवादी पार्टी, मानसिंह पटेल राष्ट्रीय सचिव समाजवादी अंबेडकर वाहिनी, राजकिशोर विश्वकर्मा, ऋतुराज वर्मा, अमर पटेल, अरुण यादव, रोहित यादव, महेंद्र यादव, कैलाश बौद्ध, संतोष कोटार्य, राजेंद्र यादव, हीरालाल पटेल आदि मौजूद रहे।

शराब के साथ दो बंदी

चित्रकूट। थाना राजापुर उनि इमरान खान, आरक्षी विमलेश ने अभियुक्त नरेन्द्र सिंह पुत्र माता सिंह निवासी परास बांदा को 10 लीटर कच्ची शराब, थाना मऊ उनि शाहनबाज खाँ, आरक्षी मनीष यादव ने अभियुक्त रामू केवट बब्बू केवट निवासी ग्राम दुबारी को 10 लीटर कच्ची शराब, थाना मऊ उनि शिवपूजन सरोज, आरक्षी प्रवीण पाण्डेय ने अभियुक्त शिवकुमार आरख पुत्र रामनरेश आरख निवासी ग्राम दुबारी को 10 लीटर कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया।

ईसाई समाज के लोग क्रिसमस डे को लेकर तैयारियों में जुटे

■ महोबा

क्रिसमस डे को लेकर मसीही समाज द्वारा तैयारियों जोर शोर से की जा रही हैं। गिरजाघर की साफ सफाई और रंगाई पुताई कराने के बाद चमकाने का कार्य को अंतिम रूप दिया जा रहा है साथ ही समाज के लोगों को प्रतिदिन प्रार्थना सभा का अभ्यास कराया जा रहा है, क्रिसमस डे को लेकर बाजार भी गुलजार नजर आ रहे है। सेंटाक्लाज की पोशाक, कैप क्रिसमस ट्री, केक आर्डर करने की डिमांड भी बढ़ गई है। वहीं बच्चे सेंटाक्लाज की यूनीफार्म और टॉफी की खरीरदारी करने में जुटे हुए हैं, सबसे ज्यादा बिक्री सेंटा क्लाज के कपड़ों की हो रही है।25 दिसम्बर को क्रिसमस डे होने के कारण शहर के राठ रोड मिशन चौराहा में स्थित चर्च में बड़ा हर्षोल्लस और जोशो खरोश के साथ मनाया जाता है। गिरजाघर में सुबह प्रार्थना सभा होने के बाद वक्ताओं द्वारा प्रभु यीशु मसीह पर प्रकाश डाला जाता है साथ ही उनके बताए हुए रास्ते पर अमल करने के लिए प्रेरित किया जाता है। चर्च में सुबह से अपरान्ह तीन बजे तक कार्यक्रम चलते रहते हैं। इसके बाद उपस्थित लोगों को केक और हलवा वितरित किया जाता है। क्रिसमड डे पर अधिकारियों, समाजसेवियों और बुद्धजीवियों आमंत्रित किया जाता है।चर्च के पादरी द्वारा उपस्थित लोगों को प्रभु यीशु मसीह के बारे में जानकारी दी जाती है साथ ही लोगों को यीशु मसीह के उपदेश बताए जाते हैं।

श्रीराम संस्कृत महाविद्यालय में प्रतियोगिता संपन्न

■ चित्रकूट

श्रीराम संस्कृत महाविद्यालय में संस्कृत संवर्धन कार्यक्रम के अन्तर्गत महाविद्यालय स्तर पर संस्कृत श्लोकान्त्यक्षरी का शुभारम्भ दीपप्रज्वलन के साथ हुआ।

कार्यक्रम में गुरुकुल छात्रों के मध्य कनिष्ठ एवं वरिष्ठ वर्ग में श्लोकान्त्यक्षरी प्रतियोगिता का आयोजन सदुरु सभागार में सम्पन्न हुआ। प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि डॉ. लल्लूराम शुक्ल पूर्व विभागाध्यक्ष ग्रामोदय विश्वविद्यालय उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में महाविद्यालय के विभिन्न कक्षाओं की टीमों ने प्रतिभागिता की। वरिष्ठ वर्ग में प्रथम स्थान रोहित चतुर्वेदी, द्वितीय स्थान सौरभ पाण्डेय एवं तृतीय स्थान धीरज मिश्रा ने प्राप्त किया एवं कनिष्ठ वर्ग में प्रथम स्थान सामर्थ्य मिश्रा, द्वितीय स्थान सावन पाण्डेय एवं तृतीय स्थान मनुज शुक्ला ने प्राप्त किया। डॉ. बीके जैन ट्रस्टी एवं ऊषा बी जैन, अध्यक्षा ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएँ बालकों के व्यक्तित्व विकास में सहायक होती हैं।

कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य डॉ. तुषारकान्त शास्त्री व श्री सुरेन्द्र कुमार तिवारी द्वय के कुशल निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम का संचालन हरिओम द्विवेदी द्वारा किया गया।

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह दी जाती है किसी विज्ञापन पर किसी भी प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में अपनी पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता या विज्ञापनदाता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापन दाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है कि कोई भी प्रतिक्रिया करने से पहले विज्ञापन के बारे में पूर्ण जांच पड़ताल कर लें तब आगे बढ़े। समाचार पत्र उपरोक्त किसी भी विज्ञापन के बारे में किसी पाठक के प्रति उत्तरदायी नहीं होगा।

प्रयोग के जरिये अंतरिक्ष में फसलें उगाने की संभावना तलाशी जाएगी

अंतरिक्ष में फसलें उगाने की संभावना तलाशेगा भारत, डॉकिंग तकनीक का भी करेगा प्रदर्शन

- सफलता की एक और कविता रचने की तैयारी
- अंतरिक्ष कचरे से निपटने में भी मिलेगी मदद
- भारत पीओईएम से अंतरिक्ष में करेगा 24 प्रयोग

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत पीओईएम-4 यानी पीएसएलवी आर्बिटल एक्सपेरिमेंटल मॉड्यूल-4 के तहत बीज के अंकुरण का प्रदर्शन और हरित प्रणोदन प्रणाली का परीक्षण कर 'सफलता की एक और कविता' रचने की तैयारी कर रहा है। इस प्रयोग के जरिये अंतरिक्ष में फसलें उगाने की संभावना तलाशी जाएगी। इस अनोखे और सस्ते अंतरिक्ष प्लेटफॉर्म को पीएसएलवी सी-60 रॉकेट के पीएस-4 चरण का इस्तेमाल कर विकसित किया जाएगा।

कचरे की समस्या से निपटने में मिलेगी मदद

दरअसल, पीओईएम या पोएम इसरो का प्रायोगिक मिशन है। इसके तहत कक्षीय प्लेटफॉर्म के रूप में पीएस-4 चरण का उपयोग करके कक्षा में वैज्ञानिक प्रयोग किया जाता है। पीएसएलवी चार चरणों वाला रॉकेट है। इसके पहले तीन चरण प्रयोग होने के बाद समुद्र में गिर जाते हैं और अंतिम चरण उपग्रह को कक्षा में प्रक्षेपित करने के बाद अंतरिक्ष में कबाड़ बन जाता है। इसरो के पीओईएम मिशन से अंतरिक्ष कचरे की समस्या से निपटने में भी मदद मिलेगी।

अंतरिक्ष डॉकिंग प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित करेगा भारत

पीएसएलवी-सी60 रॉकेट से इसी साल 'स्पैडेक्स' को लांच किए जाने की संभावना है। मिशन में सफलता हासिल करने के साथ ही भारत अमेरिका, रूस और चीन के बाद अंतरिक्ष 'डॉकिंग' प्रौद्योगिकी में सक्षम दुनिया का चौथा देश बन जाएगा। स्पैडेक्स मिशन के तहत दो छोटे अंतरिक्ष यान 'चेजर और टारगेट' पीएसएलवी-सी60 रॉकेट से एक साथ 470 किमी वृत्ताकार कक्षा में प्रक्षेपित किए जाएंगे।

बेहद अहम है स्पैडेक्स मिशन

मिशन का उद्देश्य अंतरिक्ष में अंतरिक्ष यान को 'डॉक' और 'अनडॉक' करने की क्षमता को प्रदर्शित करना है। एक अंतरिक्षयान से दूसरे अंतरिक्षयान के जुड़ने को डॉकिंग और अंतरिक्ष में जुड़े दो यानों के अलग होने को अनडॉकिंग कहते हैं। स्पैडेक्स मिशन से भारत को अंतरिक्ष डॉकिंग तकनीक में महारत हासिल करने में मदद मिलेगी। यह प्रौद्योगिकी भारत के महत्वाकांक्षी मिशनों जैसे चंद्रमा से नमूने वापस लाने, भारतीय अंतरिक्ष केंद्र (बीएएस) के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण है।

24 प्रयोग करेगा पीओईएम

पीओईएम अंतरिक्ष में 24 प्रयोग करेगा। इनमें से 14 विभिन्न इसरो प्रयोगशालाओं से और 10 प्राइवेट विश्वविद्यालयों और स्टार्ट-अप से संबंधित हैं। इसरो ने विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र द्वारा विकसित आर्बिटल प्लांट स्टडीज (सीआरओपीएस) के लिए बीज के अंकुरण की योजना बनाई है। एमिटी यूनिवर्सिटी, मुंबई द्वारा विकसित एमिटी प्लांट एक्सपेरिमेंट मॉड्यूल इन स्पेस के जरिये अंतरिक्ष वातावरण में पालक के विकास का अध्ययन करने की भी योजना है। वीएसएससी द्वारा विकसित डेब्रिस कैप्चर रोबोटिक मैनिपुलेटर, अंतरिक्ष वातावरण में मलबे को कैप्चर करने की क्षमता प्रदर्शन करेगा।

20 फलस्तीनियों की गई जान

गाजा पर इस्राइल का घातक हमला

- 5 बच्चों समेत 20 फलस्तीनियों की गई जान
- 16 घायल यमन ने इस्राइली शहर तेल अवीव पर एक रॉकेट दागा

एजेंसी, दीर अल-बलाह

गाजा पट्टी पर इस्राइली हमलों में कम से कम 20 फलस्तीनी मारे गए। इनमें पांच बच्चे शामिल हैं। एक स्कूल पर हुए इस्राइली हमले में तीन बच्चों समेत आठ लोग मारे गए। उधर, इस्राइली सेना ने दावा किया है कि उसने हमास के ठिकानों पर सटीक हमले किए हैं। जानकारी के अनुसार स्कूल में हमास के लड़ाके छुपे हुए थे। अल अस्का शहीद अस्पताल के अनुसार, दीर अल-बलाह के मध्य शहर पर हुए हमले में कम से कम आठ फलस्तीनी मारे गए। इनमें तीन महिलाएं व दो बच्चे शामिल हैं। खान यूनिस में रविवार को हुए हमले में फलस्तीनी दंपती की मौत हो गई। 16 घायल यमन ने इस्राइली शहर तेल अवीव पर एक रॉकेट दागा, जिसमें16 लोग घायल हो गए। हूती विद्रोही हमास के साथ एकजुटता दिखाने के लिए इस्राइल पर हमले कर रहे हैं। हूती विद्रोहियों ने एक बयान में कहा कि उन्होंने हाइपरसोनिक बैलिस्टिक मिसाइल के जरिये सैन्य ठिकाने को निशाना बनाया। इस्राइली विदेश मंत्रालय ने पोप फ्रांसिस की तरफ से गाजा पर हो रहे इस्राइली हमलों को क्रूरता बताए जाने पर प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय ने पोप को जवाब देते हुए कहा, आतंकियों का बच्चों को ढाल बनाकर इस्राइली बच्चों की हत्या करना भी क्रूरता है।

संक्षिप्त समाचार

एयर इंडिया के विमान में यात्रियों के बीच झगड़ा

नई दिल्ली। कोपेनहेगन (डेनमार्क) से दिल्ली आ रहे एयर इंडिया के विमान में सवार दो यात्रियों के बीच हाथ रखने की जगह को लेकर उस समय मारपीट हो गई, जब विमान रविवार को इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरने ही वाला था। विमान सुबह करीब 7:35 बजे उतरा। एयर इंडिया के एक अधिकारी ने बताया कि शनिवार को कोपेनहेगन-दिल्ली उड़ान में यात्रियों के बीच किसी मुद्दे को लेकर बहस हो गई थी, जिसे बाद में सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझा लिया गया।

बोलेरो कार पलटी, 2 की मौत, 2 गंभीर घायल

दौसा। नेशनल हाईवे नंबर 21 जयपुर आगरा रोड पर सिकंदरा के समीप रविवार देर रात एक बोलेरो कार अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में बोलेरो कार सवार 2 लोगों की मौत हो गई और 2 गंभीर घायल हो गए। सिकंदरा-गिरधरपुरा पत्थर मंडी के पास यह दर्दनाक हादसा हुआ। सूचना मिलने पर सिकंदरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने कार में फंसे लोगों को बड़ी मशक्कत से बाहर निकाला। घायलों को गंभीर हालत में एम्बुलेंस से जिला अस्पताल लाया गया।

इंजेक्शन लगाने के बाद बच्चे की मौत

सोनभद्र। सोनभद्र जिले के बीजपुर में एक झोलाछाप डॉक्टर के इंजेक्शन लगाने के बाद आठ वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस ने रविवार को बताया कि इस मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह ने रविवार को बताया कि बीजपुर थाना क्षेत्र के पिंडारी गांव में अभिषेक नामक बच्चे को पिछले बृहस्पतिवार को खेलते समय मामूली चोट लग गई थी जिसके बाद उसकी दादी उसे पास में ही क्लीनिक चलाने वाले कथित डॉक्टर महेश कुमार शर्मा के पास ले गईं और घाव पर पट्टी बांधने को कहा।

नई सुविधा शुरू करने के लिए किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की

श्री जगन्नाथ मंदिर में 1 जनवरी से लागू होगी नई 'दर्शन' प्रणाली

- जगन्नाथ मंदिर में सार्वजनिक दर्शन के लिए नई व्यवस्था शुरू करने के लिए कदम उठा रही
- 30 और 31 दिसंबर को दो दिनों के लिए नई व्यवस्था प्रायोगिक आधार पर शुरू की जाएगी

एजेंसी, पुरी

पुरी के श्री जगन्नाथ मंदिर में श्रद्धालुओं को दर्शन के लिए बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए ओडिशा सरकार एक नई व्यवस्था शुरू करने जा रही है। कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने रविवार कहा कि सरकार 1 जनवरी से जगन्नाथ मंदिर में सार्वजनिक दर्शन के लिए नई व्यवस्था शुरू करने के लिए कदम उठा रही है। उन्होंने कहा, मंदिर प्रशासन की ओर से आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। 27 या 28 दिसंबर तक नई व्यवस्थाओं के लिए आवश्यक कार्य पूरे कर लिए जाएंगे। 30 और 31 दिसंबर को दो दिनों के लिए नई व्यवस्था प्रायोगिक आधार पर शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि एक जनवरी से नई दर्शन व्यवस्था पूरी तरह लागू कर दी जाएगी।

महिलाओं और बुजुर्गों के लिए अलग व्यवस्था

मंत्री ने कहा कि इस नई व्यवस्था के तहत मंदिर में आने वाली महिलाओं, बच्चों, दिव्यांग व्यक्तियों और वरिष्ठ व्यक्तियों के लिए भी विशेष व्यवस्था की जा रही है। नई व्यवस्था के अनुसार, भक्त मौजूदा द्वार (सतपहाचा) से जगन्नाथ मंदिर में प्रवेश करेंगे, जबकि बाहर निकलने के लिए दो अलग-अलग द्वार (घंटी और गरदा) होंगे। हरिचंदन ने कहा कि उन्होंने और श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) के मुख्य प्रशासक अरबिंद पाधी ने शनिवार को मंदिर का दौरा किया और मंदिर में नई सुविधा शुरू करने के लिए किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। इससे पहले श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) के मुख्य प्रशासक अरबिंद पाधी ने कहा था कि यह निर्णय इसलिए लिया गया क्योंकि श्रद्धालुओं को अक्सर भीड़भाड़ के कारण गर्भगृह में देवताओं के दर्शन करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इस कदम के तहत 'नटमंडप' (नृत्य हॉल) में अलग से अवरोधक लगाए जाएंगे, साथ ही दिव्यांग व्यक्तियों के लिए विशेष व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा था कि 'नटमंडप' में छह पंक्तियों में लकड़ी के अवरोधक लगाने की योजना बनाई जा रही है। इस कार्य के लिए 'ओडिशा ब्रिज एंड कंस्ट्रक्शन कॉरपोरेशन लिमिटेड' को नियुक्त किया गया है और उसने वर्ष के अंत तक इस कार्य को पूरा करने का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि इस कार्य से मंदिर में दैनिक अनुष्ठान और 'रत्न भंडार' (कोष कक्ष) के मरम्मत कार्य पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

नशे में धुत ट्रक ड्राइवर ने फुटपाथ पर सो रहे 9 लोगों को कुचला

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे में एक भयानक सड़क हादसा हुआ है, जिसमें दो बच्चों समेत तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। सड़क हादसे के बारे में बताया जा रहा है कि पुणे में फुटपाथ पर सो रहे नौ लोगों को नशे में धुत एक ड्राइवर अपने ट्रक से कुचल दिया, जिसमें तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इस दुर्घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। नौ लोगों में से तीन की तो मौत हो गई है, छह लोग घायल हो गए हैं, जिन्हें ससून जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनका इलाज चल रहा है। कहा जा रहा है कि ये हादसा रविवार की रात करीब 12.30 बजे वाघोली के केसनंद फाटा इलाके में हुई जहां एक ट्रक चालक ने फुटपाथ पर सो रहे लोगों को कुचल दिया था। हादसे के मृतकों की पहचान वैभवी पवार (1), वैभव पवार (2) और विशाल पवार (22) के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार हादसे में मारे गए और घायल हुए सभी मजदूर परिवार थे जो अमरावती से यहां आये थे। जब ये सभी सड़क किनारे फुटपाथ पर गहरी नींद में सोए हुए थे तभी नशे में धुत एक डंपर ड्राइवर ने इन सो रहे लोगों को कुचल दिया। घायलों में तीन की हालत गंभीर है।

पोल खोलता वीडियो देख केजरीवाल की सिट्टी पिट्टी गुल

अरविन्द केजरीवाल ने सोचा ही नहीं था कि उपराज्यपाल वीडियो जारी कर इस तरह उनकी पुंगी बजाएंगे।

इंडिया गेट से

अजय सेतिया की कलम से

दिल्ली विधानसभा के चुनावों का एलान कभी भी हो सकता है। इसलिए अरविन्द केजरीवाल जल्दबाजी में हैं। इतवार को उन्होंने दिल्ली के लिए दो योजनाएं लांच की। मुख्यमंत्री आतिशी मार्लेना उनके बगल में बैठी थी। वैसे इन दोनों योजनाओं का एलान पहले भी हो चुका है। उसमें अब नया यह है कि योजनाओं का पोस्टर लांच किया गया है, इन दोनों योजनाओं के फ़ार्म सोमवार से भरे जाएंगे। आम आदमी पार्टी के वर्कर सोमवार से घर घर जा कर फ़ार्म भरेंगे। पहली योजना है महिलाओं को 2100 रूपए महीना देने की, और दूसरी योजना है 60 साल से ज्यादा उम्र वाले बुजुर्गों को मुफ्त स्वास्थ्य सुविधा की। छोटे मोटे इलाज के लिए प्राईवेट डाक्टर की फीस भी सरकार देगी। बहुत ही बढिया योजना है,लेकिन रुकिए ये दिल्ली सरकार की योजना नहीं है। सरकार कोई फ़ार्म नहीं भरवा रही। यह केजरीवाल का चुनावी जुमला है। दोनों योजनाएं तब लागू होंगी, जब वह मुख्यमंत्री बनेंगे। यह बिलकुल उसी तरह का ड्रामा है, जैसा राहुल गांधी ने लोकसभा चुनावों से पहले खटाखट अकाऊंट में पैसा देने के फ़ार्म भरवाए थे। चुनावी वायदा अलग बात है, लेकिन चुनाव नतीजों से पहले लोगों से फ़ार्म भरवा कर उन्हें मूर्ख बनाना अलग बात है। अरविन्द केजरीवाल पिछले दस साल से दिल्ली की जनता को मूर्ख बनाते रहे हैं, करीब ढाई साल से पंजाब की जनता को भी मूर्ख बना रहे हैं। महिलाओं को एक हजार रूपए महीना देने की योजना का एलान कोई पहली बार नहीं हुआ है। आज तक केजरीवाल न दिल्ली में योजना लागू कर सके हैं, न पंजाब में। दोनों जगह पहले भी यह चुनावी जुमला फैंका जा चुका है। इस बार जुमले को ज्यादा जोरदार ढंग से कहने के लिए फ़ार्म भरवाया जा रहा है। लेकिन इस बार केजरीवाल के पुराने जुमलों की पोल खुलनी शुरू हो गई है। सबसे ज्यादा पोल आम आदमी पार्टी की बागी सांसद स्वाति मालीवाल खोल रही है। कुछ दिन पहले उन्होंने एक मोहल्ले में जा कर साफ़ सफाई और मोहल्ला क्लिनिक की पोल खोली थी। सीवर का पानी उस गली में भरा हुआ था,जिस गली में हल्ला क्लिनिक था, और मोहल्ला क्लिनिक का सिर्फ बोर्ड था। उसके बाद स्वाति मालीवाल ने आधी रात तीन बजे सरकारी अस्पताल के मुफ्त इलाज की पोल खोली।जहां अस्पताल के बाहर सैंकड़ों लोग ठंड में सो रहे थे।केजरीवाल दिल्ली में जनसभाएं करके अपनी पीठ थपथपा रहे हैं कि मैंने सडकें बनवा दी, मैंने नालियां बनवा दी, मैंने मुफ्त पानी बिजली दे दिया, मोहल्ला क्लिनिक खोल दिए, अस्पतालों में मुफ्त इलाज हो रहा है। मैंने 24 घंटे बिजली दे दी।लेकिन केजरीवाल के इन सब झूठों की लोग अब पोल खोल रहे हैं। इतवार को सुबह सुबह जब केजरीवाल योजनाओं का पोस्टर लांच कर रहे थे, और प्रायोजित सवालों के जवाब दे रहे थे, ठीक उसी समय उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने दिल्ली के दो इलाकों का वीडियो जारी किया, जो कहने को तो दिल्ली में रह रहे हैं, लेकिन जिनकी गलियों में सीवर का पानी भरा है। न पीने को पानी है, न बिजली है। केजरीवाल के दावों की पोल खोलने वाले दिल्ली के ये दो मोहल्ले हैं रंगपुरी पहाडी और कापसहेड़ा। वीके सक्सेना ने केजरीवाल के मुंह पर थप्पड़ मारते हुए अपनी पोस्ट में लिखा-" गलियों और रास्तों पर जमा बदबूदार पानी बरसात का नहीं है, उफनते सीवरों का है, वीडियो में अपनी समस्याओं और मुसीबतों को बयान करती महिलाएं दिल्ली की हैं, किसी और प्रदेश या देश को नहीं।" इस वीडियो में महिलाएं शिकायत कर रही हैं कि उन्हें सडक पार करके पानी भरने जाना पड़ता है, सडक पर ट्रेफिक में कितनी ही महिलाओं का एक्सीडेंट हो जाता है। कई कई घंटे बिजली नहीं आती और बिजली का बिल आसमान को छूने वाला है। यानि इन महिलाओं ने मुफ्त पानी और बिजली की भी पोल खोल दी है, और 24 घंटे बिजली की भी पोल खोल दी है। इसलिए उप राज्यपाल वीके सक्सेना ने अपनी पोस्ट में लिखा है कि ये मोहल्ले और महिलाएं किसी अन्य प्रदेश या देश की नहीं हैं।वैसे दिल्ली की कम से कम एक सौ कालोनियों के यही हाल हैं,स्वाति मालीवाल और वीके सक्सेना के वीडियो केजरीवाल की नींद उड़ा रहे हैं, इसलिए वह रेवड़ियां बांटने के नए नए जुमले गढने में व्यस्त हैं। वीके सक्सेना के इतवार को जारी हुए वीडियो को देखकर केजरीवाल की सिट्टी पिट्टी गुल हो गई। उन्होंने सोचा ही नहीं था कि उप राज्यपाल इस तरह उनकी पुंगी बजाएंगे। इसलिए मिमियाते हुए केजरीवाल ने कहा कि उप राज्यपाल का धन्यवाद कि उन्होंने समस्याओं की ओर ध्यान दिलाया। उनके इस वाक्य से साफ़ हो गया कि केजरीवाल को गरीबों की बस्तियों और उनकी समस्याओं की कोई जानकारी नहीं है। वह खुद और उनके सारे विधायक लूट खसूट में ही लगे हुए थे।चुनावों से ठीक पहले मुंह बोलते वीडियो केजरीवाल की पोल खोल रहे हैं।

ट्रंप की टीम में एक और भारतवंशी, श्रीराम कृष्णन को बनाया वरिष्ठ नीति सलाहकार

सैन फ्रांसिस्को। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी टीम में एक और भारतवंशी को जगह दी है। उन्होंने रविवार को भारतीय अमेरिकी उद्यमी, पूंजीपति और लेखक श्रीराम कृष्णन को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर व्हाइट हाउस के वरिष्ठ नीति सलाहकार के रूप में नियुक्त किया। उन्होंने कहा, 'श्रीराम कृष्णन व्हाइट हाउस ऑफिस ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी पॉलिसी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के वरिष्ठ नीति सलाहकार के रूप में काम करेंगे। कृष्णन पहले माइक्रोसॉफ्ट, ट्विटर, याहू!, फेसबुक और स्नैप की प्रोडक्ट टीम का नेतृत्व कर चुके हैं। वे डेविड ओ. सैक्स के साथ काम करेंगे, जो व्हाइट हाउस एआई और क्रिप्टो जार होंगे। ट्रंप ने कहा कि डेविड सैक्स के साथ मिलकर काम करते हुए श्रीराम एआई में निरंतर अमेरिकी नेतृत्व सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

हमला करना होगा, खुद कर लेंगे', ईरानी सुप्रीम नेता खामनेई की धमकी

तेहरान। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने कहा कि उनके देश की कोई छद्म सेना नहीं है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर उन्हें कार्रवाई करनी होगी तो वे खुद कर लेंगे। खामेनेई का यह बयान ऐसे समय आया है, जब कथित ईरान समर्थित हमास और हिजबुल्ला को इस्राइल के खिलाफ लड़ाई में भारी नुकसान उठाना पड़ा है। साथ ही सीरिया की बशर अल असद सरकार को भी ईरान समर्थक माना जाता था, लेकिन अब वहां भी तख्तापलट हो चुका है। यमन के हूती विद्रोहियों को भी ईरान का समर्थन मिलने का दावा किया जाता है। रविवार को तेहरान में ईरान के सुप्रीम नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने लोगों के एक समूह से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि 'इस्लामिक गणराज्य ईरान को किसी छद्म सेना की जरूरत नहीं है। यमन इसलिए लड़ता है क्योंकि उसमें आस्था है।

सदी के अंत तक हो सकते हैं गायब

चिंताजनक: संकट में ध्रुवीय भालू, आबादी बढ़ाना हो रहा मुश्किल

एजेंसी, वॉशिंगटन

जलवायु परिवर्तन के चलते आर्कटिक सर्कल देशों में ध्रुवीय भालुओं की आबादी में सदी के अंत तक भारी गिरावट आ सकती है। नेचर क्लाइमेट चेंज की रिपोर्ट के अनुसार जलवायु परिवर्तन ध्रुवीय भालुओं के लिए सबसे बड़ा खतरा है। इस बदलाव का असर सबसे पहले और सबसे बुरा आर्कटिक में महसूस किया जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार ध्रुवीय भालुओं के लिए सबसे बड़ा खतरा समुद्री बर्फ का कम होना है। समुद्री बर्फ कम होने से ध्रुवीय भालुओं के लिए सील का शिकार करना, संभोग करना और यात्रा करना मुश्किल हो रहा है। दुनिया में सबसे ज्यादा ध्रुवीय भालू अलास्का, रूस, ग्रीनलैंड और नॉर्वे (स्वालबार्ड) में पाए जाते हैं। ये आर्कटिक सर्कल के उत्तर में रहते हैं। हालांकि कुछ आबादी कनाडा के मैनिटोबा की हडसन बे जैसे ज्यादा दक्षिणी इलाकों में भी पाई जाती है।

एक नजर रिपोर्ट के दावे पर

रिपोर्ट के अनुसार ध्रुवीय भालू की वैश्विक आबादी का अनुमान लगाना मुश्किल है क्योंकि उनकी सीमा का पूर्ण अध्ययन नहीं किया गया है तथापि जीवविज्ञानी दुनियाभर में करीब 20 से 25 हजार ध्रुवीय भालू होने का अनुमान लगाते हैं।

तेल-गैस कारोबार घातक

तेल और गैस का कारोबार आर्कटिक में तेजी से बढ़ रहा है क्योंकि दक्षिण में ज्यादा सुलभ भंडार सूख रहे हैं। नियमित उत्सर्जन और रिसाव सीधे समुद्र या समुद्री बर्फ में छोड़े जा रहे हैं। तेल रिसाव के संपर्क में आने से भालू के फर का इन्सुलेटिंग प्रभाव कम होता है। तब भालू को गर्म रहने के लिए अधिक ऊर्जा का उपयोग करना पड़ता है और अपने कैलोरी सेवन को बढ़ाकर क्षतिपूर्ति करनी पड़ती है जो उसके आगे के जीवन में मुश्किलें पैदा करता है। पोलर बियर इंटरनेशनल एक ऐसा संगठन है जो ध्रुवीय भालुओं और उनके आवास के संरक्षण के लिए समर्पित है। इसका कहना है कि पश्चिमी हडसन बे ध्रुवीय भालुओं का घर है। यहां 2060 से 2090 के बीच इनके गायब होने का अनुमान है, जब तक कि पेरिस जलवायु समझौते में निर्धारित तापमान के लक्ष्यों को पूरा नहीं करते।

संपादकीय

क्या छुपा रही है सरकार?

चुनाव आयोग कुछ तो छुपा रहा है। चुनाव में पारदर्शिता की लगातार कमी होती जा रही है। संशयपूर्ण तथ्यों के बाद क्या जनता चुनाव प्रक्रिया पर भरोसा कर पाएगी?

केंद्र सरकार आम आदमी से क्या छुपाना चाहती है? भारत के राजपत्र यानी गजट में एक अधिसूचना का प्रकाशन किया गया है, जिसमें भारत सरकार ने यह कानून बनाने की कवायद की है, जिसमें उन्होंने चुनाव आयोग से किसी भी प्रकार के दस्तावेज सीसीटीवी फुटेज आदि को पब्लिक डोमेन में लाने के लिए रोक लगाई है! आखिर सरकार इलेक्टोनिक दस्तावेज पर रोक लगाना क्यों चाहती है? इस रोक ईवीएम पर शक और ज्यादा गहरा हो जाता है। दरअसल, हरियाणा के कोर्ट वकील मोहम्मद प्राचा की रिट पर 90 विधानसभा क्षेत्र में जो सीसीटीवी फुटेज हैं, और जो फार्म 17सी है, उन्हें संबंधित वकील को उपलब्ध कराने का नोटिस चुनाव आयोग को दिया है। राजस्थान हाई कोर्ट ने भी आदेश दिया है कि जयपुर ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र का कांग्रेस का जो उम्मीदवार 1600 वोटो से हारा था उस पर रिकार्उटिंग करने के लिए संबंधित अधिकारियों से जवाब मांगा है और सभी पार्टियों को भी इसका नोटिस दिया है। दायर वाद में स्पष्ट लिखा हुआ है अनिल चोपड़ा 1646 वोटो से हारे और जब उन्होंने दोबारा मतगणना की मांग की तो उसे संबंधित निर्वाचन अधिकारी ने यह कहकर खारिज किया कि कुल 1225 पोस्टल बैलेट खारिज किए गए हैं, जबकि हार का अंतर 1646 वोटो का है। लेकिन निर्वाचन आयोग को जब मतगणना का शॉट दिखाई गई तो उसमें खारिज वोटों की संख्या 2268 दर्ज है। खारिज वोटो की संख्या का अंतर स्पष्ट बता रहा है कि क्या खेल हुआ है? इस के बाद ही केंद्र सरकार ने नियम में बदलाव किया है। अगर चुनाव आयोग की पूरी प्रक्रिया तरह निष्पक्ष है तो संबंधित दस्तावेज और वीडियो रिकॉर्डिंग पब्लिक डोमेन में आने से होने से उसे क्या समस्या है? क्या भारत सरकार का नया अध्यादेश और विसंगतियों को जन्म नहीं देगा? हरियाणा के 90 ही विधानसभा क्षेत्र के वीडियो फुटेज उपलब्ध कराने के बाद क्या चुनाव आयोग परेशान है? सवाल यह नहीं है कि ईवीएम संदिग्ध है या नहीं? सवाल यह है कि पूरी चुनावी प्रक्रिया को ही हैक किया जा रहा है? गिरे हुए वोटों से कम या ज्यादा गिन ना, वोटिंग हो जाने के बाद बार-बार वोटिंग प्रतिशत बढ़ना बताता है कि दाल में कुछ काला है, लेकिन क्या यह बड़ा सवाल है। संशयपूर्ण तथ्यों के बाद क्या जनता चुनाव प्रक्रिया पर भरोसा कर पाएगी? इतना तो तय है कि चुनाव आयोग कुछ तो छुपा रही है। चुनाव में पारदर्शिता की लगातार कमी होती जा रही है।

पाठकवाणी

हर शब्द का अनुपालन और अनुकरण भी हो

हाल ही में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने जो कहा, वह इस प्रकार है: भारत में सभी संविधान से चलेंगे, हर दिन नया विवाद उठाया जा रहा है। ऐसे विवादों की किसी को इजाजत नहीं दी जा सकती। समावेशी समाज होना चाहिए। हमेशा सद्भाव के साथ रहने की जरूरत है। नए मुद्दे उठाकर नेता बनना चाहते हैं। ऐसे विवाद हमें स्वीकार्य नहीं हैं। कुछ लोग हिंदुओं के नेता बनना चाहते हैं। हर मस्जिद को मंदिर बताना ठीक नहीं। भारत में अल्पसंख्यक और बहुसंख्यक सब बराबर। हम सभी यह दिखाएं कि साथ कैसे रह सकते हैं। उपरोक्त कथन में कुछ भी विवादित नहीं बल्कि कटु सत्य और सर्वजनहिताय होने से हरेक शब्द का हमें अनुपालन और अनुकरण करना होगा।

-बीएल शर्मा, उज्जैन

स्कूली बच्चों के साथ लापरवाही

मध्य प्रदेश के अशोकनगर जिले में एक स्कूल बस तेज रफ्तार के कारण अनियंत्रित होकर पुलिया पर पलट गई। कुछ बच्चों को गंभीर अवस्था में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। यह स्कूली बच्चों के प्रति लापरवाही का मामला है। माता-पिता अपने नौनिहालों को इन बसों में पढ़ने हेतु स्कूली वाहनों में बिठाते हैं, लेकिन दूसरों की लापरवाही से बच्चे संकट में आएं तो उन क्या बीतती होगी, इसका एहसास जिम्मेदारों को होना चाहिए।

-हेमा हरि उपाध्याय 'अक्षत', मध्य प्रदेश

कुछ खास

पेगासस जासूसी का अमेरिका में पदार्फाश हो गया। अब पेगासस स्पाइवेयर मामले के फैसले से साबित होता है कि कैसे अवैध स्पाइवेयर रैकेट में 300 भारतीयों को निशाना बनाया गया था। मोदी सरकार ने जासूसी के जरिए प्रजातंत्र का अपहरण किया है।

-रणदीप सुरजेवाला, कांग्रेस प्रवक्ता

आज का ट्वीट

''बीजेपी और आरएसएस ने हमेशा देश को कमजोर किया। जब देश गरीबी से निकलने की कोशिश कर रहा था, तब बीजेपी हिंदू-मुस्लिम कर उसे पीछे की ओर खींच रह थे।''

-सौरभ

भारत में बुजुर्गों की समस्याएं

सामयिक

शाहीन सबा

बुढ़ापा एक सार्वभौमिक प्रक्रिया है, जो गर्भधारण से लेकर व्यक्ति की मृत्यु तक चलती है। हालाँकि, जिस उम्र में किसी व्यक्ति का उत्पादक योगदान कम हो जाता है और वह आर्थिक रूप से निर्भर हो जाता है, उसे संभवत: जीवन के बुजुर्ग चरण की शुरूआत माना जा सकता है। भारत जैसा जनसांख्यिकीय रूप से युवा देश धीरे-धीरे बूढ़ा हो रहा है।

भारत की आबादी में वरिष्ठ नागरिकों का प्रतिशत हाल के वर्षों में तेजी से बढ़ रहा है और यह प्रवृत्ति जारी रहने की संभावना है, ऐसा संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन के प्रथम सचिव के अनुसार है। कम आय या गरीबी को बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार से जुड़ा पाया गया है। कम आर्थिक संसाधनों को बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार में योगदान देने वाले एक प्रासंगिक या परिस्थितिजन्य तनाव के रूप में माना जाता है। बैंक जमा पर लगातार गिरती ब्याज दरों के कारण, अधिकांश मध्यम वर्ग के बुजुर्ग वास्तव में खुद को बनाए रखने के लिए बुजुर्ग पेंशन पर निर्भर हैं।

भारत में, 74 प्रतिशत बुजुर्ग पुरुष और 41 प्रतिशत बुजुर्ग महिलाओं को कुछ व्यक्तिगत आय प्राप्त होती है, जबकि 43 प्रतिशत बुजुर्ग आबादी कुछ भी नहीं कमाती है। व्यक्तिगत आय प्राप्त करने वाले 22 प्रतिशत बुजुर्ग भारतीयों को प्रतिवर्ष 12, 000 रुपये से कम मिलता है। जैसे-जैसे बुजुर्ग लोग काम करना बंद कर देते हैं और उनकी स्वास्थ्य देखभाल की जरूरतें बढ़ती जाती हैं, सरकारें अभूतपूर्व लागतों से अभिभूत हो सकती हैं। हालांकि कुछ देशों में जनसंख्या की उम्र बढ़ने के बारे में आशावादी होने का कारण हो सकता है, लेकिन प्यू सर्वेक्षण से पता चलता है कि जापान, इटली और रूस जैसे देशों के निवासी बुढ़ापे में पर्याप्त जीवन स्तर प्राप्त करने के बारे में सबसे कम आश्वस्त हैं।

एनजीओ हेल्पएज इंडिया द्वारा किए गए एक राष्ट्रीय सर्वेक्षण से पता चला है कि 47 प्रतिशत बुजुर्ग लोग आय के लिए आर्थिक रूप से अपने परिवारों पर निर्भर हैं और 34 प्रतिशत पेंशन और नकद हस्तांतरण पर निर्भर हैं, जबकि सर्वेक्षण में शामिल 40 प्रतिशत लोगों ने जितना संभव हो सके काम करने की इच्छा व्यक्त की है। भारत में पांच में से एक बुजुर्ग व्यक्ति मानसिक स्वास्थ्य सम्बंधी समस्याओं से ग्रस्त है। उनमें से लगभग 75 प्रतिशत किसी पुरानी बीमारी से पीड़ित हैं और 40 प्रतिशत को कोई अन्य विकलांगता है। ये 2021 में लॉन्गिट्यूडिनल एजिंग स्टडी ऑफ इंडिया के निष्कर्ष हैं।

वृद्ध लोग शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली की उम्र बढ़ने के कारण अपक्षयी और संचारी दोनों तरह की बीमारियों से पीड़ित होते हैं। रुग्णता के प्रमुख कारण संक्रमण हैं, जबकि दृष्टि दोष, चलने, चबाने, सुनने में कठिनाई, ऑस्टियोपोरोसिस, गठिया और असंयम अन्य सामान्य स्वास्थ्य सम्बंधी समस्याएं हैं। किफायती नर्सिंग होम या सहायता प्राप्त रहने वाले केंद्रों की जरूरत वाले बीमार और कमजोर बुजुर्गों की संख्या में वृद्धि होने की संभावना है। ग्रामीण क्षेत्रों में अस्पतालों में वृद्धावस्था देखभाल सुविधाओं का अभाव। हाल ही में हुए एक सर्वेक्षण के अनुसार, 30 प्रतिशत से 50 प्रतिशत बुजुर्ग लोगों में ऐसे लक्षण थे जो उन्हें उदास कर देते थे। अकेले रहने वाले बुजुर्गों में से ज्यादातर महिलाएं हैं, खास तौर पर विधवाएं। अवसाद का गरीबी, खराब स्वास्थ्य और अकेलेपन से गहरा सम्बंध है।

वयस्कों के औपचारिक नौकरियों में और बच्चों के स्कूल की गतिविधियों में व्यस्त होने के कारण, बुजुर्गों की देखभाल करने के लिए घर पर कोई नहीं रहता। पड़ोसियों के बीच सम्बंध ग्रामीण क्षेत्रों की तरह मजबूत नहीं हैं। आर्थिक तंगी उन्हें रचनात्मकता को आगे बढ़ाने की अनुमति नहीं देती। परिवार के सदस्यों की उपेक्षा के कारण कई लोग बच्चों के साथ रहने के बजाय डे केयर सेंटर और वृद्धाश्रम को प्राथमिकता देते हैं।

बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार एक बढ़ती हुई अंतरराष्ट्रीय समस्या है जिसकी विभिन्न देशों और संस्कृतियों में कई अभिव्यक्तियाँ हैं। यह मानवाधिकारों का एक मौलिक उल्लंघन है और इससे कई स्वास्थ्य और भावनात्मक समस्याएँ पैदा होती हैं। दुर्व्यवहार को शारीरिक, यौन, मनोवैज्ञानिक या वित्तीय के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, बुजुर्ग महिलाओं और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वालों के बीच दुर्व्यवहार अपेक्षाकृत अधिक होता है। लगभग आधे बुजुर्ग दुखी और उपेक्षित महसूस करते हैं; 36 प्रतिशत को लगता है कि वे परिवार के लिए बोझ हैं। मौखिक या भावनात्मक दुर्व्यवहार से होने वाली भावनात्मक क्षति में यातना, दुख, भय, विकृत भावनात्मक असुविधा और व्यक्तिगत गौरव या संप्रभुता की हानि शामिल है।

सामाजिक-सांस्कृतिक स्तर पर, वृद्ध व्यक्ति को कमजोर और आश्रित के रूप में प्रस्तुत करना, देखभाल के लिए पैसे की कमी, सहायता की जरूरत वाले बुजुर्ग लोग जो अकेले रहते हैं और परिवार की पीढ़ियों के बीच सम्बंधों का टूटना, बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार के संभावित कारक हैं। आर्थिक समस्याओं के कारण निम्न जाति के बुजुर्गों को बुढ़ापे में भी आजीविका के लिए काम करना पड़ता है। हालांकि यह मुश्किल है, लेकिन यह उन्हें सक्रिय रखता है, आत्म-सम्मान की भावना बनाए रखता है और परिवार से सम्मान प्राप्त करता है। जबकि उच्च जाति के बुजुर्गों के लिए, अच्छी नौकरियाँ कम उपलब्ध होती हैं और वे छोटी-मोटी नौकरियाँ करने में संकोच करते हैं। यह उन्हें बेरोजगार बनाता है, इसलिए 'बेकार' होने की भावना और निराशा पैदा होती है। जीवनसाथी के अलावा घर के कई सदस्यों के साथ रहना दुर्व्यवहार, विशेष रूप से वित्तीय दुर्व्यवहार के बढ़ते जोखिम से जुड़ा है। अधिकांश वरिष्ठ नागरिकों को उपलब्ध आवास उनकी आवश्यकताओं के लिए अनुपयुक्त और अनुपयुक्त पाया जा सकता है।

उन्हें जीवन भर लिंग आधारित भेदभाव का सामना करना पड़ता है। उम्र बढ़ने की लिंग आधारित प्रकृति ऐसी है कि सार्वभौमिक रूप से, महिलाएँ पुरुषों की तुलना में अधिक समय तक जीवित रहती हैं। 80 वर्ष या उससे अधिक की आयु में, विधवापन महिलाओं की स्थिति पर हावी हो जाता है, 71 प्रतिशत महिलाओं और केवल 29 प्रतिशत पुरुषों ने अपने जीवनसाथी को खो दिया है। सामाजिक रीति-रिवाज महिलाओं को दोबारा शादी करने से रोकते हैं, जिसके परिणामस्वरूप महिलाओं के अकेले रहने की संभावना बढ़ जाती है। विधवा का जीवन कठोर नैतिक संहिताओं से भरा होता है, जिसमें अभिन्न अधिकारों का त्याग किया जाता है और स्वतंत्रता को दरकिनार किया जाता है। सामाजिक पूर्वाग्रह के परिणामस्वरूप अक्सर संसाधनों का अनुचित आवंटन, उपेक्षा, दुर्व्यवहार, शोषण, लिंग आधारित हिंसा, बुनियादी सेवाओं तक पहुँच की कमी और संपत्तियों के स्वामित्व को रोकना होता है। कम साक्षरता और जागरूकता के स्तर के कारण वृद्ध महिलाओं को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से बाहर रखे जाने की अधिक संभावना है

भारत का एक पड़ोसी मुल्क, जहां बड़ी तादाद में मुस्लिम तो रहते हैं लेकिन मस्जिद एक भी नहीं!

भारतीय सीमा पर स्थित जयगांव में 2008 में मस्जिद बनाई गई, जहां मौके पर एक देश के वासी नमाज पढ़ने आते हैं!

विश्व में भारत एक धर्म व पंथ निरपेक्ष देश के रूप में अनोखी मिसाल है,जो सर्वधर्म समभाव की भावना से परिचालित है - एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र२

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ में भारत की एक धर्म व पंथ निरपेक्ष देश के रूप में प्रतिष्ठा है, जहां सर्वधर्म समभाव परिचालित होता है, जो पूरी दुनियाँ में जहां एक धर्म, मजहब, ग्रुप के रूप में संगठित होकर बात हुआ है जैसे 57 देश का इस्लामिक सहयोग संगठन, 25 से अधिक देशों का संभावित इस्लामिक नाटो संगठन पश्चिमी देशों का नाटो, 55 देशों का अफ्रीकी संघ इत्यादि समूह हैं। कुछ कट्टर इस्लामिक देशों को छोड़ दें तो करीब करीब हर देश में अनेक धर्म के लोग रहते हैं,वहां उन्होंने उनकी आस्था के अनुसार मंदिर मस्जिद चर्च बनाने की अनुमति है, परंतु हैरानी वाली बात है कि भारत के बिल्कुल पड़ोसी देश सहित कुल आठ ऐसे देश हैं जहां अच्छी खासी मुस्लिम आबादी होने के बावजूद वहां एक भी मस्जिद नहीं है, यानें बनाने की अनुमति नहींहै जिसके कारण वे अपने- अपने घरों व अन्य स्थानों पर नमाज अदा करते हैं, वे देश हैं, भूटान वेटिकन सिटी, उरुग्वे,मोरको, सानवेरिनो एस्टोनिया स्लोवाकिया, साओ टांक एंड प्रिपी में मस्जिद बनाने पर बैन है। चूँकि इसमें भारत के बिल्कुल पढ़ोसी मुल्क भूटान भी शामिल है, जिसको भारतीय सीमा में स्थित जयगांव में 2008 में मस्जिद बनाने की अनुमति दी गई है जहां मौके पर नमाज पढ़ने आते हैं। बता दें,भूटान की कुल आबादी 7.5 लाख के आसपास है। 84.3 फीसदी आबादी बौद्ध धर्म मानने वालों की है। वहां बौद्ध मंदिर और मठ काफी हैं। दूसरे नंबर पर वहां हिंदू आबादी है जो 11.3 फीसदी हैं। उनके मंदिर और धर्म स्थल हैं। कुछ साल पहले खुद भूटान के राजा ने थिंफू में काफी शानदार हिंदू मंदिर का निर्माण किया है। भूटान में मुस्लिम आबादी करीब 01 फीसदी है। इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, भारत का पड़ोसी मुल्क जहां बड़ी तादाद में मुस्लिम तो रहते हैं लेकिन मस्जिद एक भी नहीं है, तथा विश्व में भारत एक धर्म व पंथ निरपेक्ष देश के रूप में अनोखी मिसाल है, जो सर्वधर्म समभाव की भावना से परिचालित है। स्पष्ट बता दें,गुगल के विभिन्न स्रोतों व सुत्रों से प्राप्त जानकारी जुटाने पर यह पाया गया है,जो केवल प्राप्त जानकारी आधारित सुचना मात्र है। सटीकता का प्रमाण नहीं है, सही और गलत होने की पुष्टि वहां के नागरिक उचित टिप्पणी द्वारा कर सकते हैं। साथियों बात अगर हम भारत के पड़ोसी मुल्क भूटान में एक भी मस्जिद नहीं होने की करें तो, दुनियाँ के लगभग हर देश में नागरिकों को अपनी इच?छानुसार धर्म मानने और धार्मिक स?थल बनाने की इजाजत है,यही वजह है कि जिस देश में जिस धर्म-संप्रदाय के लोग रहते हैं, वहां उनका प्रार्थना स?थल भी होता है, लेकिन भूटान एक ऐसा अनूठा देश है, जहां इस?लाम धर्मावलंबी तो रहते हैं लेकिन एक भी मस्जिद नहीं है।भारत में मुसलमान दूसरी सबसे बड़ी आबादी हैं, वहीं भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान में इस्लाम धर्म को मानने वालों

की आबादी सबसे ज्यादा है, लेकिन भारत का ही एक पड़ोसी देश ऐसा भी है, जहां मुसलमान तो हैं,लेकिन वहां एक भी मस्जिद नहीं है।उस देश में हिंदू भी रहते हैं और हिंदुओं के लिए मंदिर भी हैं। लेकिन इस्लाम धर्म को मानने वालों के लिए वहां एक भी मस्जिद नहीं है।दरअसल, भूटान में मुस्लिमों को अपनी इबादत गाह या मस्जिद बनाने की अनुमति नहीं है. मस्जिद ना होने के कारण भूटानी मुस्लिम अपने घर पर ही नमाज अदा करते हैं।भारत के इस पड़ोसी देश के मुसलमानों ने साल 2008 में भारत सीमा पर स्थित जयगांव में एक मस्जिद बनवाई थी,खास मौकों पर ये मुस्लिम इसी मस्जिद में जाकर नमाज शिदत्त से पढ़ने जाते हैं। साथियों बात अगर हम धर्म व पंथ निरपेक्ष भारत में हर सिटी में मस्जिद होने की करें तो,भारत में ऐसा कोई स्थान खोज पाना मुश्किल है जहाँ एक भी मस्जिद न हो। भारत एक विशाल और विविधतापूर्ण देश है जिसमें विभिन्न धर्मों और संस्कृतियों का समावेश है। हालांकि, कुछ छोटे और दूरदराज के गाँव या क्षेत्र हो सकते हैं जहाँ मुस्लिम जनसंख्या न होने के कारण मस्जिद न हो। लेकिन ऐसा कोई व्यापक और प्रसिद्ध स्थान नहीं है जो इस श्रेणी में आता हो। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि भारत का संविधान धार्मिक स्वतंत्रता की गारंटी देता है, और किसी भी समुदाय को उनके धार्मिक स्थल बनाने से रोका नहीं जा सकता। धार्मिक संरचनाओं की उपस्थिति आमतौर पर उस क्षेत्र की जनसंख्या संरचना पर निर्भर करती है।यदि कोई स्थान विशेष रूप से उल्लेखनीय है जहाँ मस्जिद नहीं है, तो यह संभवतः उस क्षेत्र की जनसांख्यिकीय संरचना, सांस्कृतिक परंपराओं, या इतिहास के कारण हो सकता है। फिर भी, यह कोई सामान्य या व्यापक तथ्य नहीं है। साथियों बात अगर हम भूटान में मंदिर होने और चर्च नहीं होने की करें तो, एक तरफ जहां, भूटान में मस्जिद और चर्च नहीं है, वहीं वहां हिंदू मंदिर कई हैं,इनमें से सबसे विशाल हिंदू मंदिर भूटान की राजधानी थिंफू में बना है। इस मंदिर में हिंदू देवी देवताओं की कई मूर्तियां हैं।यहां देश भर के हिंदू आते हैं और पूजा पाठ करते हैं। भूटान 7 वीं सदी तक भारत के कूचबिहार राजवंश का हिस्सा था इसके बाद यह आजाद होकर बौद्ध धर्म में तब्दील हुआ है। कई बार जब यूरोप या फिर अन्य किसी देश से कोई मुस्लिम या ईसाई धर्म का व्यक्ति भूटान घूमने आता है तो उसे इबादत के लिए यहां कोई मस्जिद या चर्च नहीं मिलता हालांकि, अगर आधिकारिक तौर पर देखें तो बमथांग में एक छोटा सा प्रार्थना कक्ष जरूर बनाया गया है,जिसमें तीन कमरे बने हैं, इन तीन अलग अलग कमरों में मुस्लिम, सिक्ख और ईसाई धर्म को मानने वाले लोग आकर प्रार्थना कर सकते हैं। साथियों बात कर हम भारत में धर्म व पंथ निरपेक्षता की करें तो, धर्मनिरपेक्ष शब्द, भारतीय संविधान की प्रस्तावना में बयालीसवें संशोधन (1976) द्वारा डाला गया था। भारत का इसलिए एक आधिकारिक राज्य धर्म नहीं है। हर व्यक्ति को उपदेश, अभ्यास और किसी भी धर्म के चुनाव प्रचार करने का अधिकार है। सरकार के पक्ष में या किसी भी धर्म के खिलाफ भेदभाव नहीं करना चाहिए। यह बराबर सम्मान के साथ सभी धर्मों का सम्मान करना होगा। सभी नागरिकों, चाहे उनकी धार्मिक मान्यताओं के लिए कानून के सामने बराबर हैं। कोई धार्मिक अनुदेश सरकार या सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में दिया जाता है। फिर भी, सभी स्थापित दुनिया के धर्मों के बारे में सामान्य जानकारी समाजशास्त्र में पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में दिया जाता है, किसी भी एक धर्म या दूसरों को कोई महत्व देने के बिना। मौलिक मान्यताओं, सामाजिक मूल्यों और मुख्य प्रथाओं और प्रत्येक स्थापित दुनिया धर्मों के त्योहारों के संबंध के साथ सामग्री / बुनियादी मौलिक जानकारी प्रस्तुत करता है। एसआर बोम्मई बनाम भारतीय संघ में भारत के सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के मूल ढांचे का एक अभिन्न हिस्सा है कि धर्मनिरपेक्षता था। साथियों बात अगर हम भारतीय और पश्चिमी धर्मनिरपेक्षता को समझने की करें तो, कभी-कभी यह कहा जाता है कि भारतीय धर्मनिरपेक्षता पश्चिमी धर्मनिरपेक्षता की नकल भर है। लेकिन संविधान को ध्यान से पढ़ने से पता चलता है कि ऐसा नहीं है। भारतीय धर्मनिरपेक्षता पश्चिमी धर्मनिरपेक्षता से बुनियादी रूप से भिन्न है। जिसका जिक्र निम्न बिंदुओं के अंतर्गत किया जा सकता है-पश्चिमी धर्मनिरपेक्षता जहाँ धर्म एवं राज्य के बीच पूर्णतः संबंध विच्छेद पर आधारित है, वहीं भारतीय संदर्भ में यह अंतर-धार्मिक समानता पर आधारित है। पश्चिम में धर्म निरपेक्षता का पूर्णतः नकारात्मक एवं अलगाववादी स्वरूप दृष्टिगोचर होता है, वहीं भारत में यह समग्र रूप से सभी धर्मों का सम्मान करने की संवैधानिक मान्यता पर आधारित है।गौरतलब है कि भारतीय धर्मनिरपेक्षता ने अंतःधार्मिक और अंतर- धार्मिक वर्चस्व पर एक साथ ध्यान केंद्रित किया है। इसने हिंदुओं के अंदर दलितों और महिलाओं के उत्पीड़न और भारतीय मुसलमानों अथवा ईसाइयों के अंदर महिलाओं के प्रति भेदभाव तथा बहुसंख्यक समुदाय द्वारा अल्पसंख्यक धार्मिक समुदायों के अधिकारों पर उत्पन्न किये जा सकने वाले खतरों का विरोध किया है, जो इसे पश्चिमी धर्मनिरपेक्षता की अवधारणासे भिन्न बनाती है।यदि पश्चिम में कोई धार्मिक संस्था किसी समुदाय या महिला के लिये कोई निर्देश देती है तो सरकार और न्यायालय उस मामले में हस्तक्षेप नहीं कर सकते हैं। जबकि भारत में मंदिरों, मस्जिदों में महिलाओं के प्रवेश जैसे मुद्दों पर राज्य और न्यायालय दखल दे सकते हैं।जिसमें किभारतीय धर्मनिरपेक्षता में राज्य समर्थित धार्मिक सुधार की गुंजाइश भी होती है और अनुकूलता भी, जो पश्चिम में देखने को नहीं मिलती है। उदाहरण के लिये भारतीय संविधान ने अस्पृश्यता पर प्रतिबंध लगाया है, वहीं सरकार ने बाल विवाह के उन्मूलन हेतु अनेक कानून भी बनाए हैं। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि भारत का एक पड़ोसी मुल्क, जहां बड़ी तादाद में मुस्लिम तो रहते हैं लेकिन मस्जिद एक भी नहीं!भारतीय सीमा पर स्थित जयगांव में 2008 में मस्जिद बनाई गई, जहां मौके पर एक देश के वासी नमाज पढ़ने आते हैं !विश्व में भारत एक धर्म व पंथ निरपेक्ष देश के रूप में अनोखी मिसाल है, जो सर्वधर्म समभाव की भावना से परिचालित है।

-संकलनकर्ता लेखक - कर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र२

तीखी नजर

जरा धक्के से बचियो

राजेंद्र शर्मा

लीजिए, अब मोदी जी के विरोधियों को इसका भी सबूत चाहिए। कह रहे हैं कि इसका कोई सबूत ही नहीं है कि रुपया गिरकर, एक डालर के पचासी रुपये से ज्यादा के रेट पर खुद ब खुद नहीं पहुंच गया है। बेचारा रुपया तो आराम से डालर के पचासी रुपये के मुकाम पर बैठा हुआ था। बैठा भी क्या बाकायदा लेटा हुआ था बल्कि पांव फैलाकर सो रहा था। लेकिन, तभी राहुल गांधी ने धक्का मार दिया और बेचारे को लुढकाकर पिचासी रुपये डालर से भी नीचे लुढका दिया। भारत जोड़ो यात्रा में राहुल गांधी ने जब से हर मौसम में टी-शर्ट का योग साधा है, कुछ ज्यादा ही अपने डौले दिखाने लगे हैं। बेचारे अडानी जी के खिलाफ तो अपनी यात्राओं के पहले दिन से ही पड़े हुए थे। अडानी से जरा सा ध्यान हटा, तो लगे सत्तापक्ष के सांसदों को धक्का मारने। दो गरीब सांसदों को तो धक्का मारकर, सीधे आइसीयू में पहुंचा दिया। और उस पर भी चैन नहीं पड़ा तो, खामखां में बेचारे रुपए को ही धक्का मार कर, पचासी रुपये से नीचे लुढका दिया। आइसीयू में तो बेचारा पहले ही था, अब पता नहीं क्या होगा?

पर विरोधियों को तो इसका भी सबूत चाहिए। षडंगी और राजपूत को सीधे आइसीयू पहुंचाने वाले धक्के के लिए सीसीटीवी फुटेज का सबूत पहले ही मांग रहे थे। अब इन्हें रुपए को धक्का मारकर गिराने का भी सबूत चाहिए। पर सबूत-सबूत की रट लगाने वाले यह भी बताएं कि उन्हें कैसा सबूत चाहिए। सांसद धक्का कांड के लिए भी सीसीटीवी फुटेज की मांग कितनी सही है कितनी नहीं, हम नहीं कह सकते। मामला कानूनी है। राहुल गांधी के खिलाफ एफआइआर हो चुकी है। पर इतना पक्का है कि रुपए को धक्का मारकर गिराने में वैसा सीसीटीवी वाला सबूत नहीं मिल सकता है। सीसीटीवी के सबूत को छोड़कर, रुपए को धक्का देकर लुढकाए जाने के दूसरे सभी साक्ष्य मौजूद हैं। विपक्ष वाले संसद में जब हो-हल्ला कर रहे थे, राहुल गांधी उसमें आगे-आगे थे कि नहीं। जार्ज सोरोस के इशारे पर, विपक्ष वाले अडानी घोटाले से लेकर, मणिपुर तक को लेकर शोर मचा रहे थे कि नहीं। पीछे से धक्का आया। राहुल गांधी आगे को गिरे। राहुल गांधी का धक्का रुपए को लगा। पर उसके आगे कोई नहीं था, जो उसके धक्के को झेल लेता; बस इधर षडंगी और राजपूत आइसीयू में पहुंच गए और उधर रुपया लुढक कर डालर में पचासी से नीचे।

अब सिर्फ राहुल गांधी को बचाने के लिए, प्लीज यह सवा चतुराई की दलील मत देने लगिएगा कि रुपया गिरा तो है ही नहीं, वह तो ऊपर चढ़ा है। राहुल गांधी के धक्के से पहले डॉलर में चौरासी रुपए और कुछ पैसे आते थे, अब पिचासी रुपए और कुछ पैसे आ रहे हैं। यह अगर गिरावट है, तो ऊपर चढ़ना क्या है? ऐसे तो दो-दो सांसदों के आइसीयू में पहुंचने में भी सरकार का फायदा है-अमित शाह के इस्तीफे का शोर अब संसद में नहीं सुनाई देगा। इतना जरूर है कि रुपया भले न गिरा हो, पर डॉलर ऊपर जरूर चढ़ गया है। पर जार्ज सोरोस के जरिए, राहुल गांधी के धक्के का ही तो कमाल है।

सार संक्षेप

खो-खो विश्वकप में मुफ्त प्रवेश के साथ स्कूली बच्चों को मिलेगा चाय, नाश्त

नई दिल्ली : अगले माह 13 जनवरी से नई दिल्ली और नोएडा में होने वाले खो-खो विश्वकप में स्कूली बच्चों को स्टेडियम में मुफ्त प्रवेश के साथ चाय, नाश्ता भी मिलेगा। खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष और विश्वकप आयोजन समिति के चेयरमैन सुधांशु मित्तल ने बताया कि खेल प्रेमियों और खिलाड़ियों के लिए खो-खो वर्ल्ड कप 2025 के दौरान महिला और पुरुष वर्ग दोनों मैचों में दर्शकों का प्रवेश मुफ्त होगा। उन्होंने बताया कि मैचों के दौरान स्कूली बच्चों को चाय, बिस्किट, स्नैक्स आदि भी वितरित किये जाएंगे। उन्होंने बताया कि यह मेगा प्रतियोगिता 13 जनवरी को शुरू होगी और उद्घाटन का पहला मैच इन्दिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में भारत और पाकिस्तान के बीच खेला जाएगा। खो-खो गेम के प्रति युवाओं की रूचि बढ़ाने के लिए खो-खो फेडरेशन ने डीएवी स्कूलों और बाल भारती स्कूलों प्रबंधकों के साथ अनुबंध किया है जिसके अन्तर्गत राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के इन दोनों प्रतिष्ठित स्कूलों की सभी शाखाओं के बच्चे खो-खो विश्वकप में दर्शक दीर्धा में बैठकर मैचों का मुफ्त में लुत्फ उठा पाएंगे। उन्होंने बताया कि मैचों का सीधा प्रसारण भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि खेलों के विस्तार के लिए विश्वकप मैचों को दिल्ली और नोएडा दो स्थानों पर आयोजित करने का फैसला किया गया है।

फिट इंडिया संडे ऑन साइकिलिंग को मांडविया ने दिखाई हरी झंड़ी

नई दिल्ली : स्वास्थ्य के प्रति लोगों में जागरुकता बढ़ने के कार्यक्रम 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिलिंग' की पहल को केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने रविवार सुबह मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम से हरी झंडी दिखाई। यहां आयोजित इस कार्यक्रम में केंद्रीय सुरक्षा पुलिस बल (सीआरपीएफ), मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम मेंभारत तिब्बत सिमा पुलिस (आईटीबीपी), खेल प्राधिकरण के कैम्पर्स, इंदिरा गांधी स्टेडियम के युवा जिम्नास्ट, वरिष्ठ अधिकारी और दिल्ली के विभिन्न साइकिलिंग क्लबों के 500 से अधिक राइडर्स पूर्व डब्ल्यूडब्ल्यूई स्टार शंकी ने शिरकत की। इस अवसर पर मांडविया ने कहा कि 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिलिंग' पहल पूरे भारत में 1100 से अधिक स्थानों पर आयोजित की जा रही है। इस साइकिलिंग अभियान की शुरुआत ने साइकिलिंग के प्रति जागरूकता को बेहद तेजी से फैलाया है। उन्होंने कहा कि साइकलिंग आज की आवश्यकता है। विकसित भारत का सपना एक व्यक्ति की आवश्यकता पर आधारित है, जो एक स्वस्थ समाज बनाता है और अंततः यह एक स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण करता है। साइकिलिंग के लाभ फिट इंडिया आंदोलन के सन्देश को भी मजबूत करते हैं जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2019 में लांच किया था।

ताइक्वांडो खिलाड़ी के हत्यारोपी दरोगा की जमानत अर्जी खारिज

जौनपुर : उत्तर प्रदेश में जौनपुर की जिला अदालत ने ताइक्वांडो खिलाड़ी अनुराग यादव की गला काटकर हत्या करने के आरोपी दरोगा की जमानत याचिका निरस्त कर दी है। जिला शासकीय अधिवक्ता सतीश कुमार पांडेय के अनुसार गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के कबीरूद्दीनपुर गांव में गत 30 अक्टूबर को ताइक्वांडो खिलाड़ी अनुराग यादव उर्फ छोटू (17) अपने घर से खेत पर जा रहा था कि रमेश, शशांक, सूरज, लालता, लालमोहन व राजेश ने अनुराग की गर्दन को तलवार से काट कर अलग कर दिया था। जमानत अर्जी पर अभियुक्त राजेश यादव के अधिवक्ता ने अपनी सफाई में कहा कि वह अपनी ट्रेनिंग पूर्ण करके मेरठ जिले के मवाना थाने पर उप निरीक्षक के पद पर तैनात है और डेढ़ वर्षो से अपने घर नहीं आया है। उसकी हत्या के मामले में कोई प्रत्यक्ष भूमिका नहीं है। 18 नवंबर को उसका तिलक व 24 नवंबर को विवाह निश्चित था। वह दो नवंबर से जेल में है। अदालत ने जमानत देने के आधार पर्याप्त न पाते हुए आरोपी उप निरीक्षक राजेश यादव की जमानत याचिका निरस्त करने का आदेश दिया। जमानत प्रार्थना पत्र का विरोध जिला शासकीय अधिवक्ता सतीश कुमार पाण्डेय ने किया।

सचिन को आउट करना मेरे करियर का खास पल : आमिर

फाइल फोटो

अबूधाबी : विराट कोहली को मौजूदा पीढ़ी का सबसे महान बल्लेबाज बताते हुये पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर ने शनिवार को कहा कि क्रिकेट लीजेंड सचिन तेंदुलकर को आउट करना उनके जीवन का सबसे खास पल था। आमिर ने क्रिकेट प्रिडिक्टा शो में सुनील यश कालरा के साथ बातचीत में कहा कि सचिन तेंदुलकर को आउट करना मेरे लिए सबसे खास पल था। मैंने अपने जीवन में केवल एक बार 2009 चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान, जो दक्षिण अफ्रीका में आयोजित हुई थी, उन्हें गेंदबाजी की थी और भारत के खिलाफ खेलते हुए उन्हें आउट किया था। मैंने उन्हें टीवी पर क्रिकेट खेलते देखा था और हमेशा सोचता था कि सचिन कितने शानदार बल्लेबाज थे। उन्होने कहा कि सचिन तेंदुलकर को गेंदबाजी करना मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी। उनके आउट होने के तीन दिन बाद तक मैं अपने होश में नहीं था। मुझे विश्वास ही नहीं हो रहा था कि मैंने सचिन पाजी का विकेट ले लिया है। मैं क्रिकेट में नया था और वह सचिन तेंदुलकर थे। आमिर ने कहा कि जब कप्तान ने मुझे गेंद सौंपी तो मेरा दिल जोरों से धड़क रहा था और मैंने एक गहरी सांस ली और उन्हे गेंदबाजी की। मेरी हालत बिल्कुल वैसी ही थी जैसी मैं पहली बार वसीम अकरम से मिला था। यह दक्षिण अफ्रीका में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2009 का छठा मुकाबला था, जिसमें पाकिस्तान ने चिर प्रतिद्वंद्वी भारत को 54 रनों से हराया था। मोहम्मद आमिर ने सचिन तेंदुलकर और पावर-हिटर यूसुफ पठान के दो महत्वपूर्ण विकेट हासिल किए थे। विराट कोहली के बारे में आमिर ने कहा कि विराट कोहली इस पीढ़ी के सबसे महान खिलाड़ी हैं। मुझे हंसी आती है जब उनके और बाबर आजम, स्टीव स्मिथ या जो रूट के बीच तुलना की जाती है। हम विराट कोहली की तुलना नहीं कर सकते।

त्रिशा ने जड़ा अर्धशतक, भारत ने महिला अंडर-19 एशिया कप जीता

खिताबी मुकाबले में बांग्लादेश को 41 रनों से हराकर जीता खिताब

● क्वालालंपुर,

जी तृषा (52) की अर्धशतकीय पारी के बाद आयुशी (तीन विकेट), पारुनिका सिसोदिया और सोनम (दो-दो विकेट) की शानदार गेंदबाजी के दम पर रविवार को भारतीय महिला टीम ने अंडर -19 एशिया कप के फाइनल में बांग्लादेश को 41 रन से हरा दिया।

भारत के 117 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश की महिला टीम की शुरुआत बेहद खराब रही और 24 रन पर अपने दो विकेट गवां दिये। मोसम्मत एवा (00) और सुमैया अख्तर (08) रन बनाकर आउट हुई। भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के आगे बांग्लादेश के बल्लेबाज पस्त दिखे। फहमिदा छोया (18) और जुयैरिया फिरदौस (22) के

पारुनिका सिसोदिया और सोनम यादव ने झटके दो-दो विकेट

अलावा बांग्लादेश का कोई भी बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक नहीं पहुंच सका। भारतीय गेंदबाजों ने बांग्लादेश की पूरी टीम को 18.3 ओवर में 76 रन पर ढेरकर मुकाबला 41 रन से जीत लिया। भारत की ओर से आयुशी शुक्ला ने तीन विकेट लिये। पारुनिका सिसोदिया और सोनम यादव को दो-दो विकेट मिले। वीजे जोशिता ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले रविवार को यहां बांग्लादेश की टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय महिला टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसे 66 के स्कोर तक अपने तीन विकेट गवां दिये। जी कमालिनी (05), सनिका चलके (00) को फरजाना यासमीन ने आउट किया। 12वें ओवर में कप्तान निकी प्रसाद (12) को हबीबा इस्लाम ने बोल्ड आउट किया। मिथिला विनोद ने 12 गेंदों में दो चौके और एक छक्का लगाते हुए (17) रन बनाये। जी तृषा ने 47 गेंदों में पांच चौके और दो छक्के लगाते हुए (52) रनों की पारी खेली। आयुशी शुक्ला (10) रन बनाकर आउट हुई। भारतीय टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 117 रनों का स्कोर खड़ा किया। बांग्लादेश की ओर से फरजाना यासमीन ने चार विकेट लिये। निशिता ए निशी को दो विकेट मिले। हबीबा इस्लाम ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

रोहित और आकाश अभ्यास सत्र में हुए चोटिल

भारत को बड़ा झटका, भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के घुटने और आकाश के हाथ में लगी गेंद

● मेलबर्न,

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और तेज गेंदबाज आकाश दीप को रविवार को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में अभ्यास करते हुए चोट लग गई। यह घटना उस समय हुई जब रोहित स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ अभ्यास कर रहे थे। इस दौरान पुल शॉट खेलने के प्रयास में अपने बाएं घुटने पर चोट लगा बैठे। टीम के फिजियो ने तुरंत कप्तान का इलाज किया और सूजन को कम करने के लिए उनके बाएं घुटने पर बर्फ लगाई। वहीं तेज गेंदबाज आकाश दीप को बल्लेबाजी के दौरान हाथ में चोट लग गई है। बाद में हुए संवाददाता सम्मेलन में आकाश दीप ने कहा कि जब आप क्रिकेट खेलते हैं तो ऐसी चोटें तो लगती रहती हैं। मुझे लगता है यह अभ्यास विकेट सफेद गेंद के लिए थी, यही वजह थी कि कई बार गेंद नीचे रह रही थी। लेकिन ये सब अभ्यास सत्र में सामान्य बात है, किसी भी तरह की कोई गंभीर समस्या नहीं है। उन्होंने कहा कि जिस समय हम बल्लेबाजी के लिए आते हैं, उस समय 20-30 रन बनाना बहुत महत्वपूर्ण होता है। मेरी मानसिकता यह है कि मैं किसी भी तरह से टीम के लिए योगदान दे सकूं। उस दिन मैंने फॉलोऑन बचाने के बारे में नहीं सोचा था, मैं बस आउट नहीं होना चाहता था और जब आप उस स्थिति से अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो इससे आत्मविश्वास मिलता है और मैं फिर बहुत खुश था।

चैंपियंस ट्रॉफी-यूएई में होंगे भारत के मैच

चैंपियंस ट्रॉफी में भारत के मैचों की मेजबानी के लिए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को चुना गया है। यह जानकारी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के एक सूत्र ने दी है। पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी और वअए के मंत्री शेख नाहयान अल मुबारक के बीच हुई बैठक के बाद दुबई को न्यूट्रल वेन्यू के रूप में चुना गया है। टीम इंडिया अगर नॉकआउट के लिए क्वालीफाई करती है तो सेमीफाइनल और फाइनल भी दुबई में होगा। गुरुवार यानी 19 दिसंबर को आईसीसी की बैठक में तय हुआ था कि भारत चैंपियंस ट्रॉफी के मैच पाकिस्तान के बजाय न्यूट्रल वेन्यू पर खेलेगा। साथ ही भारत में 2027 तक होने वाले सभी टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तानी टीम भी भारत नहीं आएगी। उसके मैच भी न्यूट्रल वेन्यू पर होंगे।

चैंपियंस ट्रॉफी, भारत दौरे के लिए जो रूट की इंग्लैंड की वनडे टीम में वापसी

लंदन, चैंपियंस ट्रॉफी और भारत दौरे पर खेली जानी वाली एकदिवसीय सीरीज के लिए इंग्लैंड की टीम में जो रूट की वापसी हुई है।

जो रूट यह साल शानदार रहा है। उन्होंने इस वर्ष टेस्ट में 55.57 की शानदार औसत और छह शतकों के साथ 1556 रन बनाए हैं। रूट की इंग्लैंड की सफेद गेंद टीम एक साल बाद वापसी हुई है। इंग्लैंड टीम के मुख्य कोच ब्रैंडन मैकुलम की लाल और सफेद गेंद में ही एकजुटता बनाए रखने की कड़ी के तहत चयनकर्ताओं ने 15 सदस्यीय टीम को चुना गया है। टीम में आठ खिलाड़ी ऐसे हैं जो इस साल टेस्ट में भी थे। टीम में पांच तेज गेंदबाजों को मौका मिला है। इनमें चोट से उबरे जोफ्रा आर्चर शामिल हैं। आदिल रशीद प्रमुख स्पिनर के तौर पर टीम बरकरार हैं और उनके बैकअप के तौर पर रूट, लियम लिविंगस्टन और युवा ऑलराउंडर जेकब बैथल शामिल हैं। इंग्लैंड की टीम 17 जनवरी को भारत दौरे के लिए रवाना होगी। भारत के खिलाफ नागपुर में छह फरवरी को पहला एकदिवसीय मैच खेला जाएगा। भारत दौरे पर एकदिवसीय सीरीज से पहले इंग्लैंड को पांच मैचों की टी-20 सीरीज खेलनी है। टी-20 सीरीज का पहला

मैच 22 जनवरी से कोलकाता में होगा। चैंपियंस ट्रॉफी और भारत दौरे पर इंग्लैंड की एकदिवसीय टीम इस प्रकार है:- जॉस बटलर, जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, जैकब बेथल, हैरी ब्रूक, ब्रेडन कार्स, बेन डकेट, जेमी ओवरटर, जेमी स्मिथ,लिविंगस्टन, आदिल , जो रूट, साकिब, साल्ट और मार्क वुड।

भारत दौरे के लिए इंग्लैंड की टी-20 टीम इस प्रकार है:- जॉस बटलर, रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, जैकब बेथल, हैरी ब्रूक, ब्रेडन कार्स, बेन डकेट, ओवरटन, जेमी स्मिथ, लिविंगस्टन, आदिल रशीद, साकिब महमूद, फिल साल्ट और मार्क वुड।

21 मैचों में बेंगलुरू बुल्स की 18वीं हार

● पुणे,

तमिल थलाइवाज ने 10 अंक से हराया

तमिल थलाइवाज ने बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बैडमिंटन हॉल में रविवार को खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के 127वें मैच में बेंगलुरू बुल्स को 42-32 के अंतर से हरा दिया। दोनों टीमें प्लेऑफ की दौड़ में नहीं हैं, यह सम्मान बचाने की जंग थी, जिसमें थलाइवाज ने बाजी मार ली।

थलाइवाज के लिए हिमांशु ने चार अंक की एक रेड के साथ कुल 13 अंक लिए जबकि मोइन शफागी ने 9 अंक जुटाए। डिफेंस मे आमिरहुसैन बस्तामी ने चार अंक के साथ प्रभावित किया। बुल्स के लिए आज सुशील (15) का दिन रहा जबकि डिफेंस में नितिन ने हाई-5 लगाया। बुल्स का डिफेंस बेहतर खेल रहा था। 3 टेकल प्वाइंट्स के दम पर उसने पांच मिनट के खेल में 4-2 की लीड बना ली। थलाइवाज ने हालांकि जल्द ही स्कोर बराबर कर दिया लेकिन सुशील ने सुपर रेड के साथ स्कोर 7-4 कर थलाइवाज के लिए सुपर टैकल आन कर दिया लेकिन थलाइवाज ने शानदार वापसी के जरिए 10 मिनट की समाप्ति तक स्कोर 7-8 कर दिया। शफागी ने हालांकि ब्रेक के बाद लकी को आउट कर स्कोर बराबर कर दिया। फिर बुल्स के डिफेंस ने शफागी को लपक स्कोर 10-8 किया लेकिन बस्तामी ने डू ओर डाई रेड पर सुशील का शिकार कर फासला फिर 1 का कर दिया। इसके बाद बुल्स फिर से थलाइवाज को सुपर टैकल सिचुएशन में लाए और अजिंक्य को लपक डिफेंस ने स्कोर 12-12 कर दिया। हाफटाइम से ठीक पहले थलाइवाज ने 14-12 की लीड ले ली लेकिन नितिन ने शफागी को आउट कर स्कोर 14-13 कर दिया। हाफटाइम के बाद थलाइवाज ने लीड 2 की कर ली लेकिन परदीप ने मल्टीप्वाइंटर के साथ फिर स्कोर 15-15 कर दिया। इसके बाद थलाइवाज ने लगातार चार अंक लेकर बुल्स के लिए सुपर टैकल आन कर दिया। शफागी ने डू ओर डाई रेड पर नितिन को आउट किया लेकिन इसी तरह की रेड पर सुशील ने रिवाइवल ले लिया। अगली रेड पर नवीन ने शफागी को सुपर टैकल कर स्कोर 18-20 कर दिया। शफागी की गैरमौजूदगी में हिमांशु ने डू ओर डाई रेड पर अंक लिया। इस बीच रिवाइव होकर आए शफागी ने सुशील को बाहर कर बुल्स को आलआउट की कगार पर ला दिया। ब्रेक के बाद बस्तामी ने अजिंक्य को लपक बुल्स को आलआउट कर 26-20 की लीड ले ली। आलइन के बाद हिमांशु ने चार अंक की सुपर डुपर रेड के साथ एक पल में बुल्स के लिए सुपर टैकल आन कर दिया। अब थलाइवाज 10 अंक से आगे थे। इसके बाद थलाइवाज ने दूसरा आलआउट लेकर 36-23 की बढ़त बना ली। इसके बाद हालांकि बुल्स सुधरा हुआ खेल दिखाते हुए चार के मुकाबले नौ अंक लेकर थलाइवाज को आलआउट की कगार तक ले आए लेकिन समय की कमी उसकी वापसी पर भारी पड़ी और वे 21वें मैच में 18वीं हार को मजबूर हुए। दूसरी ओर, थलाइवाज ने 21 मैचों में सातवीं जीत दर्ज की ।

शतक से चूकीं स्मृति मंधाना

भारतीय महिला टीम ने पहले वनडे में वेस्टइंडीज को रिकॉर्ड 211 रनों से हराया

● वडोदरा,

स्मृति मंधाना (91), हरलीन देओल (44) और प्रतिका रावल (40) की शानदार बल्लेबाजी के बाद रेणुका सिंह (पांच विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत भारतीय महिला टीम ने रविवार को पहले एकदिवसीय मुकाबले में वेस्टइंडीज को रिकॉर्ड 211 रनों से हरा दिया। इसी के साथ भारतीय टीम ने सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली हैं।

भारत के 314 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने मात्र 11 के स्कोर अपने चार विकेट गवां दिए। भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के आगे वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज और किआना जोसेफ बिना खाता खोले ही पवेलियन लौट गई। डिएंड्रा डॉटिन (08) और रशादा विलियम्स (03) रन बनाकर आउट हुई। इसके बाद शमैन कैंपबेल और आलिया ऑलेन ने पारी संभालने का प्रयास किया। 11वें ओवर में रेणुका ने आलिया ऑलेन (13) को आउट कर साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद रेणुका ने शबीका गजनबी (03) बोल्ड कर अपना चौथा और भारत के लिए छठा विकेट झटका। जायडा जेम्स (09), करिश्मा रामहैरक (11), शमिला कॉनेल (08) और शमैन कैंपबेल (21) रन बनाकर आउट हुई। ऐफी फ्लेचर ने टीम के लिए सर्वाधिक (नाबाद 24) रनों की पारी खेली। भारतीय गेंदबाजी आक्रमण ने वेस्टइंडीज की पूरी टीम को 26.2 ओवर में 103 रन पर ढेरकर मुकाबला रिकॉर्ड 211 रनों से जीत लिया। भारत की ओर रेणुका सिंह ने पांच विकेट लिए। प्रिया मिश्रा को दो विकेट मिले। तितास साधु और दीप्ति शर्मा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी स्मृति मंधाना और प्रतिका रावल की भारतीय सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 110 रनों की साझेदारी की। 24वें ओवर में हेली मैथ्यूज ने प्रतिका रावल (40) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। 32वें ओवर में जायडा जेम्स ने स्मृति मंधाना को आउट कर भारतीय टीम को दूसरा झटका दिया। स्मृति मंधाना अपने शतक के करीब थी। उन्होंने 102 गेंदों में 13 चौके लगाते हुए (91) रनों की पारी खेली। हरलीन देओल ने 50 गेंदों में दो चौके और एक छक्का लगाते हुए (44) रन बनाए। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 23 गेंदों में तीन चौके और एक छक्के की मदद से (34) रन बनाए। ऋचा 13 गेंदों में (26), जेमिमाह रॉड्रिग्स 19 गेंदों में (31) रन बनाकर आउट हुई।

अश्विन के संन्यास पर मोदी की चिट्ठी: कहा- जर्सी नंबर-99 की कमी खलेगी

नई दिल्ली, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन को लेटर लिखा है। पीएम ने इस पत्र के जरिए अश्विन को भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दीं। मोदी ने पत्र में लिखा कि ऐसे समय में जब हर कोई और ज्यादा ऑफ-ब्रेक की उम्मीद कर रहा था, आपने एक ऐसी कैरम बॉल फेंकी, जिसने सभी को चकमा दे दिया। लोगों को जर्सी नंबर-99 की कमी खलेगी। अश्विन ने 18 दिसंबर को गाबा टेस्ट के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से रिटायरमेंट का ऐलान कर दिया था। 19 दिसंबर को आर अश्विन ऑस्ट्रेलिया से चेन्नई पहुंचे। मोदी ने अश्विन के अचानक रिटायरमेंट पर कहा कि आपके संन्यास ने भारत के साथ-साथ वर्ल्ड क्रिकेट में प्रशंसकों को चकित कर दिया। हम सभी आपसे और भी ज्यादा ऑफ ब्रेक का इंतजार कर रहे थे और आपने कैरम बॉल फेंककर चकमा दिया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेल:- dailyloktantra@gmail.com

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)